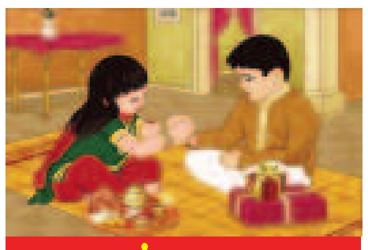

रक्षाबंधन आज

09 अगस्त 2025

शनिवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

भैंसहा नदी में डूब गया युवक, तीन घंटे बाद बरामद हुआ शव, पत्नी की हालत नाजुक

2

फैसला : बिहार इलेक्शन से पहले मतदान कर्मियों के मानदेय में की गई बढ़ोतरी

♦ प्रिसाइडिंग ऑफिसर को प्रति दिन 500, पोलिंग ऑफिसर को 400 और काउंटिंग असिस्टेंट को 450 रुपये मिलेंगे

एजेंसी/नई दिल्ली

बिहार चुनाव से पहले चुनाव आयोग ने मतदान कर्मियों, पीठासीन अधिकारियों, मतगणना सहायकों और अन्य कर्मचारियों के मानदेय में बढ़ोतरी की है। अब प्रिसाइडिंग ऑफिसर को प्रति दिन 500, पोलिंग ऑफिसर को 400 और काउंटिंग असिस्टेंट को 450 मिलेंगेबिहार विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग ने शुक्रवार, 8 अगस्त को चुनाव से जुड़े कर्मचारियों के मानदेय में महत्वपूर्ण बढ़ोतरी की घोषणा की है। यह फैसला पीठासीन अधिकारियों, मतदान अधिकारियों, मतगणना कर्मियों, माइक्रो ऑब्जर्वरों, और अन्य चुनावी ड्यूटी में लगे कर्मियों को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। चुनाव आयोग के अनुसार, सबसे अधिक बढ़ोतरी पीठासीन अधिकारियों के मानदेय में की गई है। पहले इन्हें प्रति दिन 350 मिलते थे, जिसे अब बढ़ाकर 500 कर दिया गया है। इसी तरह, पोलिंग ऑफिसर को अब प्रति दिन 400 मिलेंगे, जबकि पहले उन्हें 250 ही मिलते

थे। यानि उनके मानदेय में भी 150 की बढ़ोतरी की गई है।मतगणना सहायक को पहले 250 मिलते थे, जिसे अब बढ़ाकर 450 प्रति दिन कर दिया गया है। इसके अलावा, चौथी श्रेणी के कर्मचारियों को अब एकमुश्त 1000 दिए जाएंगे। पहले इन्हें प्रति दिन 200 मिलते थे। चुनाव आयोग ने यह भी बताया कि उप जिला निर्वाचन अधिकारी, उअढक्र कर्मी, और सेक्टर अधिकारी जैसे अन्य संबंधित अधिकारियों के मानदेय में भी बढ़ोतरी की गई है। इसके साथ-साथ, मतदान और मतगणना ड्यूटी के लिए दिए जाने वाले भोजन और जलपान की दरों में भी इजाफा किया गया है। चुनाव आयोग ने बताया कि पहले पीठासीन अधिकारियों को 350 रुपए हर दिन के हिसाब से मिलते थे, लेकिन इसमें 150 रुपए और बढ़ा दिए गए हैं। इस हिसाब से अब हर दिन 500 रुपए मिलेंगे. पॉलिंग ऑफिसर की बात करें तो उसे हर दिन 250 रुपए मिलते थे, लेकिन अब 400 रुपए मिलेंगे. पॉलिंग ऑफिसर का मानदेय भी 150 रुपए बढ़ाया गया है। काउटिंग असिस्टेंट को 250 रुपए मिलते थे। अब उसे 450 रुपए मिलेंगे। चौथी श्रेणी के कर्मचारियों को 1000 रुपए एक मुश्त मिलेंगे।

राहुल गांधी के 'वोट चोरी' के आरोप पर चुनाव आयोग का सख्त

नई दिल्ली। राहुल गांधी के 'वोट चोरी' के आरोपों पर चुनाव आयोग ने कड़ा रुख अपनाया है। आयोग ने शुक्रवार को कहा कि अगर राहुल गांधी अपने आरोपों के पक्ष में हलफनामा देते हैं, तभी मामले की जांच की जाएगी। आयोग के सूत्रों ने कहा कि यदि राहुल अपने आरोपों को साबित नहीं कर पाते तो उन्हें देश से माफी मांगनी पड़ेगी।चुनाव आयोग के सूत्रों ने कहा कि इस बार आयोग चाहता है कि राहुल गांधी नियमों के अनुसार घोषणापत्र और शपथ पत्र पर हस्ताक्षर करें। आयोग ने राहुल गांधी को संबोधित करते हुए कहा कि आप हमेशा की तरह गोली मारकर भाग जाने या टक्कर मारकर भाग जाने वाला रवैया नहीं अपना सकते हैं। आयोग का मानना है कि राहुल हमेशा चुनाव के बाद ही आरोप लगाते हैं, जबकि चुनाव के दौरान कोई शिकायत दर्ज नहीं कराते। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 2024 के लोकसभा चुनाव में वोटों की हेराफेरी का आरोप लगाया था। उन्होंने एक ढढळ के माध्यम से दावा किया कि कर्नाटक के एक विधानसभा क्षेत्र में पांच तरह से हेराफेरी करके एक लाख से ज्यादा वोट चुराए गए। राहुल ने कहा कि यह वोट चोरी हमारे लोकतंत्र पर एटम बम के समान है। राहुल गांधी ने बताया कि कांग्रेस ने बेंगलुरु मध्य लोकसभा सीट के महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र के वोटों का विश्लेषण किया है। उनके मुताबिक 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने बेंगलुरु मध्य सीट पर 6,58,915 वोट हासिल किए जबकि जीत-हार का अंतर 32,707 वोटों का था। महादेवपुरा में कांग्रेस को 1,15,586 और भाजपा को 2,29,632 वोट मिले थे। राहुल ने आरोप लगाया कि महादेवपुरा में 1,00,250 वोटों की हेराफेरी हुई, जिसमें डुप्लीकेट और फजी मतदाता शामिल थे। हालांकि,चुनाव आयोग ने राहुल के इन दावों को भ्रामक बताया है।

सीतामढ़ी के पुनौराधाम में मां जानकी के दिव्य मंदिर निर्माण का हुआ भूमि पूजन

भारत के बाहर पैदा हुए शख्स को वोट देने का अधिकार नहीं : गृहमंत्री

एजेंसी/सीतामढ़ी

सीतामढ़ी के पुनौराधाम में मां जानकी के दिव्य व भव्य मंदिर निर्माण के भूमि पूजन व शिलान्यास आयोजित हुआ। इसके बाद आयोजित समारोह में अमित शाह ने विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार रखे। उन्होंने विकास कार्यों के साथ-साथ राजनीतिक संदेश भी दिए। इससे चुनाव से पहले कार्यकताओं में ऊर्जा का संचार हुआ। अमित शाह ने अपने संबोधन में आध्यात्मिक, विकासवादी व राजनीतिक संदेश दिए। उन्होंने एसआइआर से लेकर राजद व कांग्रेस की ओर से उठाए जा रहे सवालों के जवाब दिए।

पीएम मोदी बिहार का लगातार दौरा कर रहे हैं। मैं भी संगठन की मीटिंग कर रहा हूं। मुझे साफ दिख रहा है कि आगामी विधानसभा चुनाव में बिहार में पूर्ण बहुमत के साथ एनडीए की सरकार बनने वाली है। लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि वे संविधान लेकर घूम रहे हैं और एसआइआर का विरोध कर रहे हैं।

मां जानकी मंदिर का हुआ भूमि-पूजन, गृह मंत्री अमित शाह ने रखी पहली ईट

बिहार के सीतामढ़ी में बिहार के सीतामढ़ी में शुक्रवार को मां जानकी मंदिर का भूमि-पूजन हुआ। गृह मंत्री अमित शाह ने मंदिर निर्माण स्थली पर पहली ईंट रखी। कार्यक्रम में बिहार के मुख्यमंत्री अमित शाह, उपमुख्यमंत्री समेत कई बड़े नेता आदि मौजूद रहे। 21 तीर्थों की मिट्टी और 11 नदियों का जल इस खास आयोजन के लिए मंगवाया गया था। भूमि-पूजन कार्यक्रम से पहले गृह मंत्री ने मां सीता के मंदिर में पूजा की। गृह-मंत्री व मुख्यमंत्री पूजा पर बैठे और गृहमंत्री ने मंदिर निर्माण के लिए पहली ईंट रखी। धार्मिक मान्यता है कि पुनौरा धाम ही मां सीता की जन्मस्थली है. यहां अयोध्या मंदिर की तर्ज पर ही 67 एकड़ में करीब 882 करोड़ रुपए की लगात से मां जानकी का भव्य मंदिर बनना है। जयपुर से चांदी के कलश और दिल्ली में बने पूजा के बर्तनों के साथ ही 21 तीर्थ स्थलों की मिट्टी और 11 नदियों का जल मंगवाया गया था। विधिवत तरीके से भूमि पूजन किया गया।

यह बिहार के युवाओं को उनके हक से वंचित करने जैसा है। गृह मंत्री ने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव से पहले घुसपैठियों को निकालना चाहिए। एसआइआर यानी विशेष गहन पुनरीक्षण इसी दिशा में कदम है। जिसका भारत में जन्म नहीं हुआ उसे यहां वोट देने का अधिकार नहीं है। अमित शाह ने कहा कि लालू से पूछता हूं वे किसे बचाना चाहते हैं। कांग्रेस किसे बचाना चाहती है। वे घुसपैठिये बांग्लादेशियों को बचाना चाहते हैं। जो आपका रोजगार खा जाते हैं। वोट बैंक की राजनीति बंद कीजिए।

मतदाता सूची का पुनरीक्षण कोई पहली बार नहीं हो रहा है। भारत की सुरक्षा के लिए पीएम मोदी कटिबद्ध हैं। कांग्रेस की सरकार में आतंकी हमले होते थे। उसके बाद आतंकी पाकिस्तान भाग जाते थे। हमारी सरकार में सीमा पर जवाब दिया जाता है। पहलगाम के बाद आपरेशन सिंदूर कर जवाब दिया गया। इससे पहले साल 2016 में उरी और 2019 में पुलवामा आतंकी हमले के बाद भारत ने क्रमशः पाकिस्तान से सर्जिकल और एयर स्ट्राइक के रूप में बदला लिया था। हमारी संस्कृति हमेशा से मातृ शक्ति का सम्मान करती है। मातृ शक्ति की उपासना करती है। मोदी ने अयोध्या में राम मंदिर बनाया, काशी में कारिडोर बनाया, उज्जैन में काम किया। कई धार्मिक स्थानों का विकास किया। पीएम ने बिहार में रेल के विकास के काफी काम किया है। लालू रेलमंत्री थे तब 1131 करोड़ रुपये खर्च किए थे। केंद्र ने 2025 में ही 10 हजार करोड़ रुपये का खर्च बिहार में रेल के लिए किया है। माता सीता से जुड़े स्थलों का विकास किया जाएगा। भारत की संस्कृति में माता सीता का स्थान अनन्य है।

एक ही जीवन में आदर्श पत्नी, मां, बेटी व राजमाता के सभी रूपों को चरितार्थ किया था। अमित शाह ने कहा कि आज न केवल सीतामढ़ी, मिथिलांचल बल्कि भारत और पूरे विश्व के लिए गौरव की बात है कि जानकी मंदिर व विकास कार्य का शिलान्यास किया गया। देशभर में माता जानकी व श्रीराम के भक्त इससे खुश होंगे। वे गौरव बोध करेंगे। न केवल मिथिलांचल वरन हमारी संस्कृति में माताओं को सम्मान देने की परंपरा रही है। सीताराम, राधे श्याम व गौरी शंकर जैसे नाम इसके परिचायक हैं। इससे पर्यटन क्षेत्र विकसित होगा। अधिक से अधिक लोग आयेंगे।

देश जल्द बनेगा विश्वगुरु : भागवत

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि दुनिया भारत को तभी विश्वगुरु के रूप में मानेगी जब देश आध्यात्मिकता और धर्म के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति करेगा। महाराष्ट्र के नागपुर में एक कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था का 3 ट्रिलियन डॉलर से अधिक होना कोई बड़ी बात नहीं है, क्योंकि दुनिया में कई देश आर्थिक रूप से समृद्ध हैं।

लेकिन भारत की असली पहचान आध्यात्मिकता और धर्म में है, जिसकी आज पूरी दुनिया को जरूरत है। आरएसएस प्रमुख भागवत ने कहा कि भले ही हमारी अर्थव्यवस्था 3 ट्रिलियन डॉलर से ऊपर है, यह आश्चर्यजनक नहीं है, क्योंकि कई देश अमीर हैं। लेकिन हमारे पास आध्यात्मिकता और धर्म है, जिसकी आज दुनिया को जरूरत है और जो केवल हमारे पास है। जब हम इन दोनों आयामों में प्रगति करेंगे, तब दुनिया हमें विश्वगुरु के रूप में मानेगी। तभी विश्व की आर्थिक स्थित मजबूत होगी।

हिमाचल में गहरी खाई में गिरी कार, 6 लोगों की मौत

एजेंसी/चंबा

हिमाचल प्रदेश में इन दिनों बारिश का कहर जारी है। इससे कई लोगों की जान खतरे में आई है। वहीं इस बीच प्रदेश में एक सड़क दुर्घटना भी सामने आई है। यहां के चंबा जिले में एक गाड़ी खाई में गिर गई। इस हादसे में कुल 6 लोगों की मौत की खबर सामने आई है। गाड़ी 500 मीटर गहरी खाई में गिरी है। पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची है और रेस्क्यू अभियान चलाया जा रहा है। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में गुरुवार 7 अगस्त 2025 की रात एक कार के खाई में गिरने से 6 लोगों की मौत हो गई है। यह कार चंबा जिले के तीसा इलाके में चनवास से होकर गुजर रही थी। इसी दौरान वह करीब 500 मीटर गहरी खाई में गिर गई। जानकारी के मुताबिक गाड़ी में 2 पुरुष, 2 महिलाएं और 2 बच्चे शामिल थे। गाड़ी तीसा के भंजराडू से चिनवास शाहवा मार्ग पर अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिरी। दुर्घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे. तुरंत पुलिस और प्रशासन को जानकारी दी गई।

दुर्घटना का कारण: रेस्क्यू टीम ने मौके पर घटनास्थल पहुंचकर राहत और बचाव कार्य शुरू किया। वहीं पुलिस ने मामला दर्ज कर हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। शुरूआती आशंका है कि दुर्घटना का कारण सड़क पर फिसलन या वाहन की तकनीकी खराबी हो सकती है. इस दर्दनाक हादसे ने पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ा दी है। प्रशासन ने लोगों से पहाड़ी मार्गों पर सतर्कता बरतने की अपील की है। फिलहाल मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है.हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू इस हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने चंबा जिला के तीसा के चनवास में हुई कार दुर्घटना में 6 लोगों के निधन का समाचार अत्यंत दुखद और पीड़ादायक है। शोकाकुल परिजनों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत जनों की आत्मा को शांति प्रदान करें और शोक-संतप्त परिवार को इस दुख की घड़ी में धैर्य व संबल प्रदान करें।

15 हजार करोड़ खर्च नहीं कर पाई थी केजरीवाल सरकार

एजेंसी/जम्मू

दिल्ली की सत्ता में रहने पर आम आदमी पार्टी सरकार ने लगातार यह आरोप लगाया था कि केंद्र सरकार से आर्थिक सहयोग न मिलने के कारण उसे सरकार चलाने में परेशानी हो रही है। एमसीडी और दिल्ली सरकार द्वारा संचालित कॉलेज के स्टाफ को वेतन न दे पाने के मामले में भी आम आदमी पार्टी और उसके नेताओं ने यही आरोप लगाया था। लेकिन दिल्ली सरकार द्वारा विधानसभा में पेश किए गए सीएजी रिपोर्ट से खुलासा हुआ है कि तत्कालीन आम आदमी पार्टी सरकार वर्ष 2023-2024 के दौरान 15,327 करोड़ रुपये की राशि खर्च नहीं कर पाई। इसमें से 8376.40 करोड़ रुपये सरेंडर करने में देरी के कारण लैप्स हो गए। सीएजी रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2022-23 में 14,457 करोड़ रुपये के सरप्लस बजट से 2023-24 में दिल्ली सरकार का बजट 6462 करोड़ रुपये नकारात्मक हो गया। यदि केंद्र सरकार ने पेंशन देनदारियों और दिल्ली पुलिस पर 11,123 करोड़ रुपये का खर्च वहन नहीं किया होता तो यह राजस्व घाटे में बदल जाता। राजकोषीय घाटा वर्ष 2019-20 में 416 करोड़ रुपये से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 3,934 करोड़ रुपये हो गया।

भाजपा सांसद निशिकांत और मनोज के खिलाफ केस

एजेंसी/देवघर

बाबा बैद्यनाथ मंदिर के गर्भगृह में जबरन प्रवेश का मामला भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और मनोज तिवारी के खिलाफ बाबा बैद्यनाथ मंदिर के गर्भगृह में जबरन प्रवेश के मामले में एफआईआर दर्ज की गई है। आरोप है कि गर्भग्रह में प्रवेश के दौरान ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों से धक्का-मुक्की भी हुई। देवघर स्थित विश्व प्रसिद्ध बाबा बैद्यनाथ धाम मंदिर में नियमों के उल्लंघन और जबरन गर्भगृह में प्रवेश करने के आरोप में गोड्डा के भाजपा सांसद डॉ. निशिकांत दुबे और उत्तर-पूर्वी दिल्ली से सांसद मनोज तिवारी समेत कई लोगों पर एफआईआर दर्ज की गई है। मामला बाबा मंदिर थाना में पांडा धर्म रक्षिणी सभा के पूर्व महामंत्री कार्तिक नाथ ठाकुर के लिखित बयान पर दर्ज हुआ है।आरोप है कि दो अगस्त की शाम सांसद दुबे अपने समर्थकों के साथ मंदिर के निकास द्वार से जबरन भीतर प्रवेश कर गए। इस दौरान ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों से धक्का-मुक्की भी हुई। एफआईआर में सांसद दुबे के अलावा कनिष्कांत दुबे, सदरी दुबे और अभयानंद झा के नाम भी शामिल हैं। सभी पर धार्मिक परंपराओं के उल्लंघन, बाधा उत्पन्न करने और सरकारी कार्य में बाधा डालने जैसी धाराएं लगाई गई हैं।सांसद निशिकांत दुबे ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि यह मामला केवल इसलिए दर्ज किया गया क्योंकि उन्होंने पूजा की।

एनडीए गठबंधन किसी राज्य के राज्यपाल या बीजेपी के बड़े नेता को उपराष्ट्रपति के पद के लिए उम्मीदवार बना सकती है

उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए अब तक तीन नामांकन हुए दाखिल

एजेंसी/नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद अगले उपराष्ट्रपति को लेकर तमाम तरह की चचाएं चल रही हैं। जहां एक ओर केंद्र की सत्ताधारी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने पीएम मोदी और बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा को अगला उपराष्ट्रपति चुनने की जिम्मेदारी सौंपी है। तो वहीं दूसरी इंडिया गठबंधन भी एक संयुक्त उम्मीदवार उतारने की

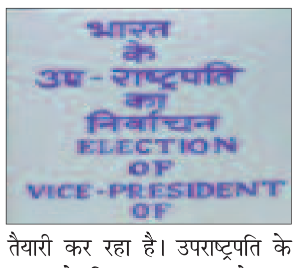

तैयारी कर रहा है। उपराष्ट्रपति के चुनाव के लिए सात अगस्त से शुरू हुए नामांकन में तीन लोगों ने नामांकन पत्र दाखिल किया। लेकिन अब उन्हें बड़ा झटका लगा है।

तीनों नामांकन पत्र हुए खारिज: जिन तीन लोगों ने उपराष्ट्रपति के चुनाव के लिए नामांकन दाखिल किया था। उनका नामांकन चुनाव आयोग ने उपराष्ट्रपति चुनाव अधिनियम की धारा 5 (इ) की उपधारा (4) के तहत खारिज कर दिया है। तमिलनाडु के सलेम के रहने वाले पद्मराजन और दिल्ली के मोती नगर इलाके के रहने वाले जीवन कुमार मित्तल ने अपने संसदीय क्षेत्रों की मतदाता सूची की प्रमाणित कॉपी अटैच की, जिसमें रजिस्टर्ड वोटर के रूप में उनका नाम था। लेकिन ये उपराष्ट्रपति चुनाव नोटिफिकेशन जारी होने से पहले की थीं। वहीं तीसरे शख्स राजशेखर जमानत की 15 हजार राशि नहीं जमा कर पाए। जिसकी वजह से उनका भी नामांकन खारिज हो गया। सूत्रों के अनुसार, एनडीए गठबंधन किसी राज्य के राज्यपाल या बीजेपी के किसी बड़े नेता को उपराष्ट्रपति के पद के लिए उम्मीदवार बना सकती है। सियासी गलियारों में उपराष्ट्रपति के पद के लिए गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत का नाम सबसे आगे चल रहा है। वहीं दूसरे नंबर पर कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत और शेषाद्रि चारी का नाम भी रेस में शामिल है।उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद नए उपराष्ट्रपति के चुनाव की प्रक्रिया जारी है। उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के लिए तीन नामांकन पत्र दाखिल किए गए लेकिन तीनों उम्मीदवारों के पर्चे चुनाव आयोग ने खारिज कर दिया है।

एनबीएस के सफल संचालन के लिए स्वास्थ्य अधिकारियों और कर्मियों को दिया गया प्रशिक्षण

जिले में 18 अगस्त से शुरू होगा नाइट ब्लड सर्वे, लोगों को करें जागरूक : डॉ. शैलेन्द्र

केटी न्यूज/बक्सर

जिले में फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत आगामी 10 फरवरी से सर्वजन दवा सेवन कार्यक्रम (एमडीए) का संचालन होना है। इसके पूर्व सभी प्रखंडों में फाइलेरिया प्रसार की जांच के लिए नाइट ब्लड सर्वे (एनबीएस) किया जाएगा। इसके लिए 18 अगस्त से बक्सर जिले के सभी प्रखंडों में एनबीएस शुरू किया जाएगा। इसकी तैयारी जिला स्तर पर शुरू कर दी गई है। इस क्रम में शुक्रवार को जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यालय के द्वारा पुराना सदर अस्पताल परिसर स्थित पारा मेडिकल संस्थान के सभागार में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान एनबीएस के चयनित

पंचायतों की सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी, आशा फैसिलिटेटर व आशा कार्यकताओं के अलावा बीएचएम, बीसीएम, वीबीडीएस व लैब टेक्नीशियन को एनबीएस की महत्ता और बारीकियों से अवगत कराया गया। प्रशिक्षण की शुरूआत करते हुए जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि एमडीए के पूर्व एनबीएस करना बहुत जरूरी होता है, क्योंकि इससे प्रखंडों में फाइलेरिया के प्रसार दर की जानकारी मिलती है। जिसके आधार पर उक्त प्रखंड में एमडीए के संचालन का निर्णय लिया जाता है। यदि एनबीएस में माइक्रो फाइलेरिया का प्रसार दर किसी प्रखंड में एक या उससे अधिक प्रतिशत रहा तो वहां एमडीए का संचालन किया जाता है। वहीं, यदि किसी प्रखंड में प्रसार दर एक प्रतिशत से कम होता है तो वहां एमडीए का संचालन नहीं किया जाएगा।

प्रखंडों में फाइलेरिया मरीजों के आधार पर किया सेंटिनल साइट्स का चयन

डॉ. शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि सेंटिनल साइट्स का चयन प्रखंडों में फाइलेरिया मरीजों के आधार पर किया गया है। इनमें सदर प्रखंड के शहरी क्षेत्र में पांडेय पट्टी, बक्सर ग्रामीण क्षेत्र में दहिवर, इटाढ़ी प्रखंड में कुकुढ़ा, राजपुर के तियरा, चौसा के सोनपा, सिमरी प्रखंड के सिमरी, डुमरांव प्रखंड के आरियांव, ब्रह्मपुर के देवकुली, चौगाई के पांडेयपुर, चक्की के भोला डेरा, नावानगर के गिरिधर बरांव व केसठ के स्थानीय पंचायत में सेंटिनल साइट्स बनाए जाएंगे। इनके अलावा सभी प्रखंडों में रैंडम साइट्स का भी चयन किया जा चुका है। इनमें क्रमशः मुसाफिर गंज वार्ड नंबर 13, जासो, हरपुर जलवासी, मंगरांव, पवनी, डुमरी, कोरान सराय, रघुनाथपुर, मसरहियां, अरक, आथर व रामपुर पंचायत का चयन किया गया है। उन्होंने बताया कि नाइट ब्लड सर्वे के लिए जरूरी है कि इसके लिए जिन दो गांवों का चयन किया जाए, वहां के मुखिया समेत सभी जनप्रतिनिधि, जीविका, आंगनबाड़ी केंद्रों की सेविकाओं समेत सभी सहयोगी संस्थाओं के सदस्यों के साथ बैठक कर एनबीएस व उसकी तैयारियों की चर्चा करें। जिसके बाद चयनित गांवों के एक एक घरों में जाकर लोगों को एनबीएस व उसके महत्वों की जानकारी दें। ताकि, लोगों इसके प्रति जागरूक हो और एमबीएस में अपना सहयोग दें।

रात 8 .30 बजे से 12 बजे तक शिविर का होगा संचालन

डॉ. शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि एनबीएस के दौरान सेंटिनल और रैंडम साइट्स पर रात में शिविर लगाकर लोगों का ब्लड सैंपल लिया जाता है। इसके लिए रात 8.30 बजे से 12 बजे तक शिविर लगाकर 300-300 लोगों का ब्लड सैंपल लिया जाएगा।

गांव की मुख्य सड़क पर अतिक्रमण को लेकर प्रशासन ने दी सख्त कार्रवाई की चेतावनी

नावानगर। स्थानीय गांव के मेन रोड से जोड़ने वाली मुख्य सड़क पर अतिक्रमण को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। ग्रामीणों की शिकायत पर सीओ कोर्ट में अतिक्रमण हटाने को लेकर वाद दर्ज कराया गया था। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव के ही राज किशोर पाल ने सड़क के एक हिस्से को अवैध रूप से घेरकर आम रास्ता बंद कर दिया है, जिससे लोगों को आने-जाने में भारी परेशानी हो रही है। इस मामले में अंचलाधिकारी रानी कुमारी ने 26 जुलाई को अतिक्रमणकर्ता के नाम नोटिस जारी कर 7 अगस्त तक अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया था। लेकिन अंतिम तिथि बीत जाने के बावजूद देर शाम तक अतिक्रमण नहीं हटाया गया। अब प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि अतिक्रमण को प्रशासनिक स्तर पर हटाया जाएगा। सीओ रानी कुमारी ने पुष्टि करते हुए बताया कि ग्रामीणों की शिकायत के आलोक में विधिसम्मत प्रक्रिया अपनाते हुए पहले नोटिस जारी किया गया था। यदि स्वेच्छा से अतिक्रमण नहीं हटाया गया, तो मजिस्ट्रेट की निगरानी में जल्द ही अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाएगी। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क पर अतिक्रमण होने के कारण अब केवल दोपहिया वाहनों की आवाजाही ही संभव है। एंबुलेंस, ट्रैक्टर या अन्य बड़े वाहन इस रास्ते से गुजर नहीं सकते, जिससे आपात स्थिति में भारी संकट उत्पन्न हो सकता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से अविलंब कार्रवाई की मांग की है।

केसठ में वैना राजवाहा की विभागीय भूमि पर अतिक्रमण, मापी कराने का निर्देश

केसठ। वैना राजवाहा से 7 किलोमीटर पर स्थित विभागीय चाट भूमि पर अतिक्रमण की शिकायत के बाद प्रशासन हरकत में आ गया है। इस संबंध सोन नहर अवर प्रमंडल सिद्धिपुर कनीय अभियंता ने अंचलाधिकारी केसठ को पत्र भेजकर संबंधित भूमि की मापी कराने और अतिक्रमणकारियों पर कार्रवाई का निर्देश दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, उक्त भूमि से जुड़े मामले में पहले भेजे गए विवरण में खाता संख्या और खेसरा संख्या में संशोधन किया गया है। अब विभाग की ओर से स्पष्ट किया गया है कि यह भूमि खाता संख्या 56, खेसरा संख्या 214 और 215 में दर्ज है। पत्र में उल्लेख किया गया है कि इस भूमि पर अवैध कब्जा किया गया है, जिसे मुक्त कराने के लिए राजस्व कर्मचारी द्वारा मौके पर मापी कराई जाए। मापी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद संबंधित अतिक्रमणकारियों के खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी, ताकि विभागीय संपत्ति को पुनः अपने अधिकार में लिया जा सके। अधिकारियों का मानना है कि यदि समय रहते अतिक्रमण नहीं हटाया गया तो विभागीय कार्यों में बाधा उत्पन्न हो सकती है और भविष्य में विवाद भी बढ़ सकता है। अवर प्रमंडल पदाधिकारी ने अपने पत्रांक-325 के संदर्भ में यह निर्देश जारी करते हुए अंचलाधिकारी से अपेक्षा जताई है कि मापी का कार्य शीघ्र पूरा कर रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। उन्होंने यह भी कहा है कि सरकारी और विभागीय भूमि की सुरक्षा सभी की जिम्मेदारी है, और अतिक्रमण रोकना प्रशासन की प्राथमिकता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि वैन राजवाहा क्षेत्र में पिछले कुछ वर्षों से भूमि पर अतिक्रमण की घटनाएं बढ़ी हैं, जिससे न केवल विभागीय कामकाज प्रभावित होता है बल्कि सिंचाई और अन्य सरकारी योजनाओं पर भी असर पड़ता है। ऐसे में प्रशासन की यह पहल स्थानीय स्तर पर सकारात्मक संदेश देने वाली मानी जा रही है।अब देखना यह है कि मापी के बाद कितनी जल्दी अतिक्रमण मुक्त कराने की कार्रवाई पूरी होती है और विभागीय भूमि अपने वास्तविक स्वरूप में वापस मिलती है।

भैंसहा नदी में डूब गया युवक, तीन घंटे बाद बरामद हुआ शव, पत्नी की हालत नाजुक

- नया भोजपुर अंबेदकर नगर का रहने वाला था मृतक, नदी में हाथ पैर धोने के दौरान फिसला पैर

केटी न्यूज/पुराना भोजपुर

पुराना भोजपुर में शुक्रवार को भैंसहा नदी में डूबने से एक युवक की मौत हो गई। इसकी जानकारी मिलते ही स्वजनों में जहां कोहराम मच गया, वहीं घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय प्रशासन व पुलिस मौके पर पहुंची तथा सिमरी से गोताखोरों को बुलवा शव की तलाश शुरू करवाई। करीब तीन घंटे के कड़ी मशक्कत के बाद शाम करीब तीन बजे गोताखोरों ने शव को पानी से बाहर निकाला।

मृतक की पहचान नया भोजपुर अंबेडकर नगर निवासी 25 वर्षीय अजीत कुमार राम के रूप में हुई है।

मिली जानकारी के अनुसार वह अपने कुछ दोस्तों के साथ सुबह में खेत की देखरेख करने नदी की तरफ गया था। बताया जाता है कि करीब 11.30 बजे वह अपने दोस्तों के साथ महाराजा कोठी से लगभग डेढ़ किलोमीटर उत्तर स्थित नदी किनारे पहुंचे थे। हाथ-पैर धोते समय अचानक उसका पैर फिसला और वह तेज धारा में बह गया। दोस्तों ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन वे सफल नहीं हो सके। घटना की सूचना मिलते ही प्रभारी सीओ कुमार दिनेश और थानाध्यक्ष मनीष कुमार मौके पर पहुंचे। तुरंत सिमरी से गोताखोरों की टीम बुलाकर तलाशी अभियान शुरू कराया। शाम करीब तीन बजे गोताखोरों ने शव को पानी से बाहर निकाला। शव निकलते ही स्वजनों में क्रंदन चित्कार मच गई। सबसे खराब स्थिति मृतक के गर्भवती पत्नी पूजा देवी का था। पति की मौत की खबर के बाद से ही वह बेसुध हो गई थी, वहीं पानी से शव निकलते ही पूजा समेत पूरा परिवार दहाड़े मारकर रोने लगा। ग्रामीण सूत्रों ने बताया कि उसकी पहली पत्नी का पहले ही निधन हो चुका था। एक वर्ष पूर्व उसने पूजा देवी से दूसरी शादी की थी। पूजा इस समय गर्भवती हैं और पति के नदी में डूबने की खबर सुनकर रो-रोकर बेसुध हो रही हैं। घर का माहौल गमगीन है। ग्रामीणों का कहना है कि भैंसहा नदी का यह इलाका बरसात में बेहद खतरनाक हो जाता है, लेकिन स्थानीय लोग अक्सर यहां नहाने या हाथ-पैर धोने आते हैं। अजीत के डूबने से अंबेडकर नगर ही नहीं, आस-पास के गांवों में भी चिंता का माहौल है।

प्रभारी सीओ के दुस्साहस की हो रही है तारीफ

घटना की जानकारी मिलते ही डुमरांव के प्रभारी सीओ कुमार दिनेश तत्काल मौके पर पहुंचे। घटना स्थल महाजारा कोठी के पिछले हिस्से से करीब डेढ़ किलोमीटर और उतर था। यह इलाका चारों तरफ से जलजमाव से घिरा था, बावजूद अपनी जान की परवाह किए बगैर तथा डेढ़ किलोमीटर की दूरी पैदल चल घटना स्थल पहुंचे तथा सिमरी से गोताखोरों को बुलवा शव की तलाश शुरू करवाई। प्रभारी सीओ ने कहा कि मृतक के परिजनों को नियमानुसार मुआवजे की अनुशंसा की जाएगी। वहीं, नया भोजपुर पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल बक्सर भेजा है। थानाध्यक्ष मनीष कुमार ने इसकी पुष्टि की है।

कर्मनाशा नदी में डूबी निजी नाव, टला बड़ा हादसा

केटी न्यूज/बक्सर

गंगा के जलस्तर में कमी के साथ सहायक नदी कर्मनाशा का जलस्तर भी शुक्रवार सुबह से धीरे-धीरे घटने लगा था। बावजूद इसके, बक्सर-मोहनिया मार्ग पर अखौरीपुर गोला स्थित पुलिया के पास दो से ढाई फीट पानी जमा था, जहां सरकारी नाव के साथ कुछ निजी नावें भी संचालित हो रही थीं।

दोपहर में एक निजी नाव में अचानक पानी भरने से वह डूब गई, जिससे अफरा-तफरी मच गई। बताया जा रहा है कि उस छोटी नाव पर करीब 10 यात्री और दो मोटरसाइकिलें सवार थीं। ओवरलोडिंग के कारण नाव में पानी घुसा और वह बीच में ही बैठ गई। गनीमत रही कि आसपास मौजूद ग्रामीणों और अन्य नाव चालकों की मदद से सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

ग्रामीणों का कहना था कि यदि नाव नदी के गहरे हिस्से में डूबती तो जान माल की भारी क्षति हो सकती थी। घटना के बाद लोगों में निजी नावों के संचालन को लेकर

नाराजगी देखने को मिली।

इस संबंध में सीओ उद्धव मिश्रा ने बताया कि प्रशासन को निजी नावों के संचालन की जानकारी नहीं थी। क्योंकि सरकारी नाव चलाया जा रहा था। घटना के बाद मामले की जांच के आदेश दे दिए गए हैं और दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि जलभराव वाले इलाकों में यात्रा के दौरान सावधानी बरतें और ओवरलोडिंग से बचें।

भाई-बहन के स्नेह से गूंजा पाथवेज वर्ल्ड स्कूल

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव के पाथवेज वर्ल्ड स्कूल (शाखा, बिहार सेंट्रल स्कूल बक्सर) में शुक्रवार को रक्षाबंधन पर्व पर एक रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन न सिर्फ भाई-बहन के अटूट रिश्ते का उत्सव बना, बल्कि समाज में आपसी सहयोग, प्रेम और कृतज्ञता की भावना को भी प्रकट करता रहा।

कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की शिक्षिका प्रिया केसरी ने किया। उन्होंने गणेश भगवान की प्रतिमा को राखी बांधकर शुभारंभ किया, जिसके बाद छात्राओं ने रक्षाबंधन के गीत प्रस्तुत कर माहौल को उत्सवमय बना दिया। बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधी, तिलक लगाया और मिठाई खिलाकर अपने स्नेह और विश्वास का इजहार किया। वहीं भाइयों ने बहनों को चॉकलेट, उपहार और गिफ्ट देकर उनके प्रति सम्मान और प्रेम प्रकट किया।

कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने अपने हाथों से बनाए गए सुंदर उपहार भी एक-दूसरे को भेंट किए। इन गिफ्ट्स में बच्चों की रचनात्मकता और

आत्मीयता स्पष्ट झलक रही थी। गोष्ठी के रूप में आयोजित इस कार्यक्रम में रक्षाबंधन के महत्व पर भी चर्चा हुई, जहां छात्र-छात्राओं ने भाई-बहन के रिश्ते में विश्वास, सुरक्षा और प्रेम के महत्व को रेखांकित किया।

समापन भाषण में प्रीति केसरी ने कहा कि रक्षाबंधन न केवल एक पारिवारिक पर्व है, बल्कि यह समाज में भाईचारे और आपसी सहयोग का संदेश भी देता है। उन्होंने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे अपने रिश्तों में सच्चाई और विश्वास को बनाए रखें। इस मौके पर विद्यालय परिवार, शिक्षक-शिक्षिकाएं और सभी छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में ई. आर. राघवन ने अपने संबोधन में कहा कि रक्षाबंधन पर बहनें अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधती हैं, जो उनके प्रेम और उनकी रक्षा की प्रार्थना का प्रतीक है। भाई, बहनों को उपहार देते हैं और उनकी रक्षा का वचन निभाने का संकल्प लेते हैं।

पूरा परिसर भाई-बहन के स्नेह, उल्लास और एक-दूसरे के प्रति आभार की भावना से गूंज उठा। अंत में सभी ने सामूहिक रूप से मिठाई बांटकर इस पर्व का आनंद लिया और भाई-बहन के इस पवित्र रिश्ते को सदैव संजोए रखने का संकल्प लिया।

जय मां भगवती व मंत्रोच्चार से गूंजा डुमरांव...

- तांत्रिक विधान से संपन्न हुआ राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी भगवती मंदिर का वार्षिकोत्सव, देर रात तक उमड़े रहे श्रद्धालु

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव के लाला टोली रोड स्थित राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी भगवती मंदिर का वार्षिकोत्सव शुक्रवार को पूरे तांत्रिक विधान से संपन्न हुआ। वार्षिक पूजनोत्सव मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित किरण मिश्र के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं द्वारा लगाए जा रहे मां भगवती के जयकारे, मंत्रोच्चार आदि से माहौल भक्तिमय बना रहा।

बता दें कि राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी भगवती मंदिर पूरे शाहाबाद का इकलौता तांत्रिक मंदिर है, जहां तंत्र साधना के सबसे कठिन माने जाने वाली राज राज राजेश्वरी त्रिपुर

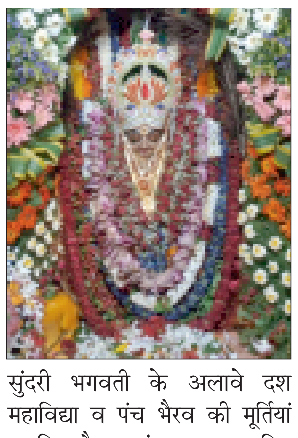

सुंदरी भगवती के अलावे दश महाविद्या व पंच भैरव की मूर्तियां स्थापित है। जहां शाहाबाद सहित दूर-दराज से साधक अपनी साधना पूरी करने आते है। मान्यता है कि इस मंदिर में साधकों की साधना व अराधकों की मनोकामना पूरी होती है। जिस कारण मंदिर के प्रति श्रद्धालुओं की अटूट आस्था है। वार्षिक पूजनोत्सव में भी श्रद्धालुओं की यह आस्था व विश्वास देखने को मिला। सुबह से लेकर देर शाम तक मंदिर में दर्शन व पूजन करने वाले श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। इस अवसर पर मंदिर परिसर के बाहर एक मेले का आयोजन भी किया गया था, जिसमें बच्चें लुफ्त उठाते नजर आए। राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी भगवती मंदिर के वार्षिकोत्सव को ले सुबह से ही मंदिर परिसर में तैयारी शुरू हो गई थी। मंदिर की विशेष सफाई कर आकर्षक ढंग से सजाया गया था। इसके बाद पूरे विधि-विधान से वार्षिक पूजा को संपन्न किया गया। वार्षिक पूजा संपन्न होते ही मंदिर परिसर में मौजूद श्रद्धालुओं के करतल ध्वनि तथा जयकारे से परिसर गूंजायमान हो उठा। वार्षिक पूजा संपन्न होने के बाद मंदिर प्रबंधन द्वारा श्रद्धालुओं का प्रसाद ग्रहण कराया गया। इस दौरान हजारों लोगों ने पंगत में बैठ बारी-बारी से प्रसाद ग्रहण किया। मुख्य पुजारी पंडित किरण मिश्र ने कहा कि वार्षिक पूजा धूम-धाम से संपन्न हुआ है। उन्होंने कहा कि इस मंदिर के साथ करीब 400 सालों से यह परंपरा चली आ रही है। पंडित किरण मिश्र ने बताया कि मनोकामना मंदिर होने के कारण ही मां भगवती के प्रति श्रद्धालुओं की अटूट आस्था बनी हुई है। वार्षिक पूजनोत्सव को ले शहर में भक्ति रस की अविरल धारा प्रवाहित हो रही थी। श्रद्धालुओं की यह आस्था व उमंग आकर्षण का केन्द्र बना रहा।

मतदाता सूची पुनरीक्षण में लापरवाही पर डीएम की सख्ती, दो सुपरवाइजर्स का वेतन स्थगित

लिंगानुपात बढ़ाने के लिए अधिक से अधिक महिला मतदाताओं का नाम जोड़े बीएलओ : डीएम

- बोले डीएम मतदाता सूची पुनरीक्षण में लापरवाही नहीं की जाएगी बर्दाश्त

केटी न्यूज/बक्सर

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह ने नगर परिषद बक्सर में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने लगाए गए कैंप का जायजा लिया और वहां तैनात कर्मियों से अब तक प्राप्त आवेदनों, दावा-आपत्तियों और बूथवार कार्य प्रगति की जानकारी ली।

निरीक्षण के दौरान कर्मियों ने बताया कि अब तक किसी भी राजनीतिक दल की ओर से दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं हुई है, लेकिन नए नाम जोड़े जाने के लिए प्रपत्र-6 के आवेदन आ रहे हैं। जिलाधिकारी ने विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान भरी गई बूथवार सारांश शीट की समीक्षा की। उन्होंने पाया कि मतदान केंद्रवार 2003 के मार्किंग का काम केवल 30 प्रतिशत ही पूरा हुआ है, जबकि इसे दो दिनों में कैंप मोड में समाप्त करने का निर्देश पहले ही दिया गया था। इस धीमी प्रगति पर डीएम ने असंतोष जताया और स्पष्ट कहा कि अगले दो दिनों में नगर परिषद क्षेत्र का शत-प्रतिशत कार्य हर हाल में पूरा होना चाहिए।

उन्होंने निर्देश दिया कि 7 और 8 अगस्त को प्रत्येक मतदान केंद्र पर बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) और बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) की बैठक आयोजित कर कार्यवाही की प्रति और फोटो अपलोड किए जाएं। निरीक्षण में पाया गया कि अब तक मात्र 35 बूथों का फोटो और कार्यवाही अपलोड हुआ है, जिस पर डीएम ने नाराजगी जताई और कहा कि आज ही इसे 100 प्रतिशत पूरा करना होगा। जिलाधिकारी ने एक-एक बीएलओ सुपरवाइजर से बूथवार समीक्षा की। इसमें कई ऐसे बीएलओ सामने आए जिनकी प्रगति 10 प्रतिशत से भी कम थी। उन्होंने आदेश दिया कि सभी बीएलओ और सुपरवाइजर गंभीरता से काम करें और कैंप मोड में लक्ष्य पूरा करें। समीक्षा में पाया गया कि बीएलओ सुपरवाइजर दीपक रंजन और रविंद्र विश्वकर्मा ने कार्य को गंभीरता से नहीं लिया और कैजुअल रवैया अपनाया। इस पर डीएम ने नाराजगी जताते हुए उनका वेतन स्थगित कर दिया और उनसे स्पष्टीकरण मांगा। डीएम ने लिंगानुपात सुधार पर भी जोर दिया। उन्होंने सभी बीएलओ और सुपरवाइजर को निर्देश दिया कि महिला मतदाताओं के नाम अधिक से अधिक संख्या में प्रपत्र-6 के तहत जोड़े जाएं। वर्तमान में जिले का लिंगानुपात 906 है, जिसे बढ़ाकर 930 से ऊपर ले जाना है। निरीक्षण के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी अविनाश कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी बक्सर, अवर निर्वाचन पदाधिकारी बक्सर सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे। डीएम ने स्पष्ट कहा कि मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और जिम्मेदार कर्मियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

रेल संपत्ति चोरी कांड का पदाफार्श, दो गिरफ्तार

बक्सर। अमृत भारत एक्सप्रेस (22361) में हुई रेल संपत्ति चोरी के मामले में आरपीएफ पोस्ट बक्सर ने त्वरित कार्रवाई करते हुए शुक्रवार को चोरी में शामिल एक आरोपी को ट्रेन से ही गिरफ्तार कर लिया। आरपीएफ के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी ने पूछताछ में चोरी की संपत्ति शांति नगर स्थित एक कबाड़ी की दुकान में बेचने की बात स्वीकार की। उसकी निशानदेही पर टीम ने कबाड़ी की दुकान पर छापेमारी कर चोरी का सामान बरामद किया और वहां मौजूद सक्रिय रिसीवर को भी गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्तों में सागर पांडेय (22 वर्ष), पुत्र स्व. मंटू पांडेय, निवासी किला मैदान, थाना टाउन, बक्सर तथा सोनू अंसारी (35 वर्ष), पुत्र स्व. सराजुल अंसारी, निवासी शांति नगर, वार्ड 12, थाना टाउन, बक्सर शामिल हैं। दोनों के विरुद्ध आरपीएफ पोस्ट बक्सर में मामला दर्ज कर न्यायालय को अग्रसारित किया गया।

नगर के विभिन्न वार्डो व मुख्य सड़कों पर जलजमाव से नगरवासियों की परेशानी बढ़ी

डुमरांव। बारिश से जहां किसान खुश हैं, वहीं नगरवासियों के लिये आफत हो गया है। इस आफत में नगर परिषद का भी काफी सहयोग है। नालियों की सफाई नहीं होने, सड़कों जर्जर होने से जलजमाव की समस्या को बल मिल रहा है। शहर की मुख्य सड़क स्टेशन रोड की स्थिति और खराब बनी हुई है। इस रोड में स्टेशन से लेकर ट्रेनिंग स्कूल तक सैकड़ो जानलेवा गड्ढे बने हुए हैं, जिसमें जलजमाव होने से उसकी गहराई का पता नहीं चलता और वाहन आकर उसमें फंस जाते हैं। छोटे वाहन तो कईबार पलट गए हैं, जिससे लोग अपने घर जाने के बजाय उन्हें अस्पताल पहुंचाना पड़ गया है। यही हाल विष्णू मंदिर से पश्चिमी रेलवे गुमटी तक जाने वाली बाइपास रोड की है। स्टेशन रोड में सिल कुटवा बस्ती के पास रोड की स्थिति इतनी खराब है कि स्टेशन जाने और आने वाले लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। छोटे वाहन तो रास्ता बदल कर बाइपास रोड होकर आने-जाने लगे हैं। शुक्रवार को तो कई वाहन फंस गए तो कई पलट गए, बावजूद उभर आए गड्ढे को नहीं एनएच कर रहा है और नहीं नगर परिषद ही। मालूम हो कि एनएच-120 की सड़क होने के कारण नप इसे सही करने पर अपना पल्ला झाड़ लेता है, वहीं एनएच के जेई और सहायक अभियंता बताते हैं की इसकी मरम्मत के लिये 1करोड़ 30 लाख रूपया पास हो गया है, बारिश की वजह से काम नहीं लगया जा रहा है। जैसे ही बारिश रूकेगी मरम्मत करने काम शुरू किया जाएगा। नगरवासियों का कहना है कि उभर आए गड्ढे को तो भरा जा सकता है, नप और एनएच दोनों इस काम को करा सकते हैं। इधर नप चाहता है कि इस रोड को नप को हैंडओवर कर दिया जाता तो ऐसी नौबत नहीं आती। सिल कुटवा बस्ती के लोग भी काफी सहमे हुए हैं, उनका कहना है कि रात्रि के समय दुर्घना को लेकर परेशान रहते हैं। इसी तरह से पुराना थाना रोड, लाला टोली रोड, चारमोटिया ईनार रोड से लेकर शक्ति द्वार तक रोड की स्थिति काफी जर्जर है, जिससे बारिश होने पर लोगों की परेशानी बढ़ जाती है।

नीलाम पत्र वादों पर प्रशासन सख्त, बैंक मैनेजरों को एक हफ्ते की मोहलत, वारंट लंबित रहने पर पुलिस को भी निर्देश

केटी न्यूज/बक्सर

जिले में बैंकों से जुड़े लंबित नीलाम पत्र वादों को लेकर प्रशासन अब सख्त हो गया है। अपर समाहर्त्ता-सह-नीलाम पत्र पदाधिकारी अरुण कुमार सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई बैठक में बैंक शाखा प्रबंधकों को साफ शब्दों में चेतावनी दी गई कि एक सप्ताह में कार्रवाई करें, वरना परिणाम भुगतने को तैयार रहें।

नीलाम पत्र वाद न्यायालय, बक्सर में हुई इस बैठक में जिले के विभिन्न बैंकों के शाखा प्रबंधक और अग्रणी जिला प्रबंधक (एलडीएम) पंजाब नेशनल बैंक मौजूद थे। बैठक की शुरूआत में उपस्थिति की जांच हुई, जिसमें सेन्ट्रल कॉपरेटिव बैंक धनसोई, नावानगर और स्टेट बैंक सिमरी के शाखा प्रबंधक नदारद पाए गए। कुछ देर बाद सेन्ट्रल कॉपरेटिव बैंक के जिला समन्वयक पहुंचे और अद्यतन स्थिति बताई।

बैठक में हाजिरी अनिवार्य

अपर समाहर्त्ता ने साफ किया कि जिला स्तरीय किसी भी बैठक में अनुपस्थित रहने की आदत बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी को 25 जून को पटना में हुई अध्यक्ष-सह-सदस्य, राजस्व पर्षद की बैठक के निर्देशों से अवगत कराया गया। निर्देश के अनुसार, हर माह के पहले सोमवार को रजिस्टर 9 और ह्यरजिस्टर 10 का घोषित मिलान दिवस और तीसरे शुक्रवार को अनिवार्य मिलान करना होगा। इसका मकसद नीलाम पत्र वादों की सही संख्या, निष्पादन की स्थिति और बकाया राशि का सटीक आंकड़ा सभी के सामने रखना है।

वारंट के क्रियान्वयन में ढिलाई बर्दाश्त नहीं : बैठक में यह भी सामने आया कि कई मामलों में देनदारों के खिलाफ बीडब्लू (बेंच वारंट) और डीडब्लू (डेब्ट वारंट) पहले ही जारी हो चुके हैं, लेकिन पुलिस द्वारा उनका क्रियान्वयन अब तक नहीं किया गया। इस पर नाराजगी जताते हुए अपर समाहर्त्ता ने संबंधित अनुमंडल पुलिस पदाधिकारियों को अलग से पत्र भेजकर जल्द से जल्द वारंट लागू करने का आदेश दिया।

तेजी से निपटेंगे मामले : प्रशासन का मानना है कि बैंक प्रबंधकों की जवाबदेही तय करने, रजिस्टर का नियमित मिलान करने और वारंट के तत्काल क्रियान्वयन से लंबित नीलाम पत्र वादों के निपटारे में तेजी आएगी। बैठक के अंत में अपर समाहर्त्ता ने स्पष्ट कहा कि बैंक और पुलिस के तालमेल से अब लंबित वादों का अंबार खत्म किया जाएगा।

28 मामले लंबित, बैंकवार समीक्षा

समीक्षा में पता चला कि न्यायालय में बैंकों से जुड़े कुल 28 मामले लंबित हैं। इनमें बैंक ऑफ इंडिया, पंजाब नेशनल बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इंडियन बैंक और दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक के मामले शामिल हैं। अधिकारियों ने बैंकवार समीक्षा की और सभी प्रबंधकों को एक हफ्ते में कार्रवाई पूरी करने का अल्टीमेटम दिया।

चौसा स्टेशन पर पटना-कुर्ला एक्सप्रेस का ठहराव शुरू, जनभावनाओं की जीत पर जश्न

केटी न्यूज/चौसा

कोरोना काल से बंद पड़ी पटना-कुर्ला एक्सप्रेस का चौसा रेलवे स्टेशन पर ठहराव गुरुवार से पुनः शुरू हो गया। लंबे समय से इस ठहराव की मांग कर रहे स्थानीय लोगों और रेलवे यात्री संघर्ष समिति के सदस्यों के लिए यह दिन किसी उत्सव से कम नहीं था। ट्रेन के रात निर्धारित समय से करीब आधा घंटा देरी से पहुंचने के बावजूद लोगों के उत्साह में कोई कमी नहीं दिखी।

जैसे ही पटना-कुर्ला एक्सप्रेस स्टेशन पर आकर रुकी, रेलवे यात्री संघर्ष समिति के सदस्यों ने जोरदार स्वागत किया। ट्रेन के चालक को माला, फूल और अंगवस्त्र पहनाकर सम्मानित किया गया। स्टेशन परिसर में आतिशबाजी, नारों और तालियों की गूंज से माहौल उत्सवमय हो उठा। कई लोग तो अपनी खुशी का इजहार करने के लिए ट्रेन के सामने नारे लगाते और एक-दूसरे को मिठाई खिलाते नजर आए।

यात्री संघर्ष समिति के अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार यादव ने कहा कि इस ठहराव के लिए वर्षों से आवाज उठाई जा रही थी। उन्होंने इसे जनहित की बड़ी उपलब्धि बताते हुए रेलवे प्रशासन का आभार व्यक्त किया। डॉ. यादव ने कहा कि इस ठहराव से चौसा और आसपास के लोगों को मुंबई, पटना और बीच के कई बड़े शहरों तक सीधी कनेक्टिविटी का लाभ मिलेगा। इससे न सिर्फ यात्रियों की सुविधा बढ़ेगी बल्कि स्थानीय व्यापार और रोजगार के अवसर भी मजबूत होंगे।

स्थानीय लोगों ने भी इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि इससे चौसा की पहचान और बढ़ेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में यहां और ट्रेनों का ठहराव मिलेगा तथा यात्री सुविधाओं में व्यापक सुधार किया जाएगा।

सर्किट हाउस में डुमरांव विधान सभा की बीएलओ-2 गठन व मतदाता सूची की हुई समीक्षा बैठक

केटी न्यूज/डुमरांव

शुक्रवार को सर्किट हाऊस में जदयू का डुमराँव विधान सभा-201 की बीएलए-2 गठन एवं मतदाता सूची की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद जिला कार्यक्रम मन्वयक विद्यानंद विकल ने बताया की आज डुमराँव विधान सभा-201 के 335 बूथ पर बीएलए-2 बन गया है और शेष बढ़े हुए 47 बूथ पर एक सप्ताह के अंदर बीएलए-2 बना लेना है। क्योंकि 01 अगस्त 2025 को मतदाता सूची का प्रकाशन हो गया है। जिला अध्यक्ष अशोक कुमार सिंह ने बताया की प्रत्येक बीएलए-2 अपने-अपने बूथ के बीएलओ से मिलाकर छुटे हुए नाम को दर्ज कराने एवं गलत नाम को हटवाने में सहयोग करेंगे। बैठक में मौजूद जिला प्रभारी अभिषेक पटेल ने कहा कि हमें बूथ जीतों- चुनाव जीतों के संकल्प को पुरा करना है और 2025 में 225 सीट जीतना है। वहीं विधान सभा प्रभारी राजेश कुशवाहा ने बताया की बीएलए-1 एवं सभी प्रखंड अध्यक्ष एवं नगर अध्यक्ष, पंचायत अध्यक्षों एवं नगर वार्ड अध्यक्षों के अहम सहयोग के पश्चात आज बीएलए-2 का गठन हुआ। कार्यक्रम के अन्त में राजद छोड़ कर आए नेता सलीम ईद्रीसी को जिला जदयू अध्यक्ष अशोक कुमार सिंह ने जदयू की सदस्यता दिलवाई।

इस मौके पर मौजूद सभी नेता ने सदस्यता ग्रहण करने पर खुशी जाहिर करते हुए उन्हें माला पहनाकर स्वागत किया। बैठक में डुमराँव विधान सभा के पूर्व प्रत्यासी सह प्रदेश प्रवक्ता अंजूम आरा, जदयू प्रदेश कार्यकारणी सदस्य कमलेश कुमार सिंह, प्रदेश सचिव श्री बिनोद राय, जदयू वरीय नेता प्रशांत कुमार सिंह उर्फ सोनू सिंह, सीताराम सिंह, दिनेश सिंह, बिरेन्द्र सिंह लाला, सत्यानंद सिंह उर्फ पप्पू, ओम प्रकाश सिंह, हरेन्द्र सिंह, उपेन्द्र सिंह, प्रभू कुमार गोंड, प्रीति पटेल, राजेश कुशवाहा के अलावा डुमराँव प्रखंड अध्यक्ष अजय चंद लोदी, डुमराँव नगर अध्यक्ष गोपाल प्रसाद गुप्ता, चौगाई प्रखंड अध्यक्ष कृष्णा सिंह, नवानगर प्रखंड अध्यक्ष सत्यानंद कुशवाहा, पंचायतों के अध्यक्ष एवं नगर के वार्ड अध्यक्ष के अलावे सैकड़ों कार्यकर्ता की उपस्थिति रहे।

दीदी अधिकार केंद्र को सशक्त बनाने हेतु प्रखंड स्तरीय जेंडर फोरम की बैठक आयोजित

केटी न्यूज/नावानगर

दीदी अधिकार केंद्र को प्रभावी और सशक्त बनाने के उद्देश्य से शुक्रवार को नावानगर में प्रखंड स्तरीय जेंडर फोरम की बैठक आयोजित की गई। बैठक की शुरूआत बीडीओ मनोज कुमार, सोनवर्षा और नावानगर के थानाध्यक्ष नीतीश कुमार एवं नवीन कुमार, जीविका के सामाजिक प्रबंधक, प्रखंड परियोजना प्रबंधक और संकुल संघ की अध्यक्ष द्वारा दीप प्रज्वलित कर की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बीडीओ मनोज कुमार ने जीविका के इस प्रयास की सराहना की और कहा कि दीदी अधिकार केंद्र महिलाओं के जीवन में सामाजिक क्रांति लाने का कार्य करेगा। यह पहल ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस अवसर पर जीविका के बीपीएम पप्पू प्रसाद ने बताया कि यह बैठक अब प्रत्येक माह आयोजित होगी, जिसमें प्रखंड के सभी विभागों के अधिकारी भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि इसका मुख्य उद्देश्य लिंग आधारित हिंसा की रोकथाम, लैंगिक समानता को बढ़ावा देना, महिलाओं को उनके अधिकारों की जानकारी देना तथा उन्हें उचित परामर्श और सहायता सेवाएं उपलब्ध कराना है। बैठक में यह भी बताया गया कि महिला थाना, सखी वन स्टॉप सेंटर, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण समेत अन्य संस्थाओं से समन्वय स्थापित कर महिलाओं को योजनाओं का लाभ दिलाया जाएगा। इस मौके पर जीविका के सामाजिक प्रबंधक राजेश कुमार, क्षेत्रीय समन्वयक आनंद कुमार, धनंजय भारती, संकुल संघ की अध्यक्ष व सचिव सहित सैकड़ों जीविका दीदी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

भाजपा किसान मोर्चा ने आयोजित किया किसान सम्मान समारोह

केटी न्यूज/बक्सर

भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा बक्सर की कमान एक बार फिर जयप्रकाश राय को सौंपे जाने के बाद शुक्रवार को उनका भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। पार्टी की संगठनात्मक मजबूती के तहत हाल ही में विभिन्न मोर्चों के पुनर्गठन के क्रम में जयप्रकाश राय को पुनः किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। इसी खुशी में बक्सर के एक निजी लॉज में किसान सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें जिले भर से भाजपा कार्यकर्ता और किसान बड़ी संख्या में जुटे। कार्यक्रम का शुभारंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर और दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके बाद पार्टी कार्यकताओं ने जयप्रकाश राय को बुके और अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। समारोह में किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सह भाजपा प्रदेश मंत्री मनोज कुमार सिंह, प्रदेश मंत्री पूनम रविदास और जिला भाजपा अध्यक्ष ओमप्रकाश भुवन समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

अपने संबोधन में मनोज कुमार सिंह ने जयप्रकाश राय को ऊजार्वान, अनुभवी और मेहनती नेता बताते हुए कहा कि इनके नेतृत्व में किसान मोर्चा ने पूर्व में उत्कृष्ट कार्य किया है। उन्होंने आशा जताई कि राय अपने अनुभव और मेहनत से पार्टी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे। जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश भुवन ने भी उनके पिछले कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि उनके काम को देखते हुए पार्टी ने उन्हें फिर मौका दिया है और यह फैसला पूरी तरह सही साबित होगा। सम्मान समारोह में पूर्व जिला अध्यक्ष राजवंश सिंह, सिद्धनाथ सिंह, ललन राय, अनिल पांडेय, निर्भय राय, धिरेन्द्र तिवारी, राम विनोद चौधरी, शेषनाथ पाठक, प्रदीप राय और दिल्ली भाजपा पूर्वांचल अध्यक्ष संतोष ओझा ने भी अपने विचार रखे। सभी ने एक स्वर में विश्वास जताया कि जयप्रकाश राय के नेतृत्व में किसान मोर्चा और अधिक सक्रिय होगा और संगठन को मजबूती मिलेगी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता स्वयं जयप्रकाश राय ने की, जबकि संचालन जिला प्रवक्ता सतीष दुबे ने किया। धन्यवाद ज्ञापन वरिष्ठ भाजपा नेता उमाकांत पांडेय ने दिया। समारोह में विंध्याचल सिंह (पूर्व मुखिया), धनंजय राय, पंकज पांडेय, मनोज पांडेय, राजेश सिन्हा, नीतीश मिश्रा, अन्नु मिश्रा, आनंद ठाकुर, उमाशंकर राय (जिला मीडिया प्रभारी) समेत सैकड़ों कार्यकर्ता और किसान उपस्थित थे।

यह आयोजन केवल सम्मान का कार्यक्रम नहीं बल्कि जिले में किसान मोर्चा की नई ऊर्जा और सक्रियता का संकेत भी माना जा रहा है, जो आने वाले समय में पार्टी की रणनीति और मजबूती में अहम भूमिका निभाएगा।

बक्सर को मिलेगा 24.42 करोड़ की लागत से महर्षि विश्वामित्र पार्क, ईको-पर्यटन और रोजगार को मिलेगा बढ़ावा

बक्सर। बक्सर जिले के ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व को नई पहचान देने के लिए 24 करोड़ 42 लाख रुपये की लागत से महर्षि विश्वामित्र पार्क का निर्माण किया जाएगा। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने इसकी आधिकारिक घोषणा करते हुए बताया कि पहले चरण में 8 करोड़ 11 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस परियोजना का उद्देश्य ईको-पर्यटन को बढ़ावा देना, पर्यावरण संरक्षण को सुनिश्चित करना और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर पैदा करना है। पार्क को गायत्री मंत्र की थीम पर विकसित किया जाएगा, जिसमें ध्यान केंद्र, वैदिक शैली के पथ, हरित संरचनाएं और धार्मिक श्लोकों से सुसज्जित प्राकृतिक स्थल होंगे, ताकि आगंतुकों को प्रकृति और आध्यात्मिकता का अनोखा अनुभव मिल सके। पार्क में हरियाली और जैव विविधता को विशेष प्राथमिकता दी जाएगी। इसके तहत बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण, औषधीय पौधों की नर्सरी और स्थानीय व प्रवासी पक्षियों के लिए संरक्षित क्षेत्र बनाए जाएंगे। परियोजना के लिए मृत सोन नहर की भूमि का उपयोग किया जाएगा। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि बक्सर महर्षि विश्वामित्र की तपोभूमि रही है। धार्मिक मान्यता है कि यहीं उनके आश्रम में भगवान राम और लक्ष्मण ने शस्त्र एवं शास्त्र की शिक्षा प्राप्त की थी। इस ऐतिहासिक और पौराणिक धरोहर को संरक्षित करने के उद्देश्य से भी यह पार्क महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए सरकार प्राकृतिक और आध्यात्मिक धरोहरों को सहेजने और उन्हें पर्यटन मानचित्र पर प्रमुख स्थान दिलाने के लिए लगातार काम कर रही है।

कराकाट नगर पंचायत के वार्ड सात में सड़कों की हालत जर्जर लोग परेशान

केटी न्युज। रोहतास

नगर पंचायत के वार्ड सात में सड़कों की हालत जर्जर हो गई है। गोडारी में स्थित मुख्य सड़क पश्चिम की एक गली में बड़े-बड़े गड्ढे बन चुके हैं और लोगों को आवागमन में काफी परेशानी झेलनी पड़ रही है । स्थानीय लोगों ने बताया कि सड़क में कई वर्षों से बड़े बड़े गढ़े है जिसमें आना जाना काफी मुश्किल है। खासकर बरसात के समय काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। दरअसल ये शर्मसार करने वाली वाक्या गोडारी की हैं, जिसे ढाई वर्ष पहले नगर में तब्दील कर दी गई थी । लेकिन यहां की तस्वीरों में कुछ खास बदलाव नहीं हुई हैं । जिससे लोग अभी भी विकास की बाट जोह रहे हैं। वार्ड सात के जिस गली मोहल्ले की यह तस्वीरें है वहां के चंद्रावती देवी का कहना हैं कि चुनाव के समय पर जनप्रतिनिधि हम लोगों के पास आते हैं कि आपकी गली और सड़क निर्माण करा दी जाएगी हमारे में वोट दीजिए उसके बाद गायब हो जाते हैं। हम लोग विश्वास कर लेते हैं लेकिन इस बार विश्वास नहीं की जाएगी। इस मोहल्ले के रमाकांत सिंह का कहना है कि इस हमारी गली में बरसात के दिनों में तो तीन फीट तक गंदें पानी भर जाते है ना ही इसकी निकासी है और ना पीसीसी या फेबर ब्लॉक, इस सड़क के रास्ते गंदे पानी में हेलकर जाने के लिए बाधित है। यह समस्या हम सबके साथ विगत 10-20 वर्षों से चला रहा है। कोई पूछने वाला नहीं है। मोहल्ले के गोलू कुमार बताते हैं कि सबसे खराब तब लगता है जब हमारे आसपास की महिलाएं व हमारी बहने इसी गंदे पानी में हो कर जाती हैं यहां के जनप्रतिनिधि प्रशासन किसी का भी इस पर ध्यान नहीं है केवल चुनाव के समय वादे करते हैं। इस मुद्दे पर वार्ड सात के पार्षद संजय राम ने कहा कि योजना को बोर्ड में पास कर दिया गया है। कुछ जमीन के किनारे किसी की निजता है, लेकिन बरसात के तुरंत बाद कार्य पूरा कर लिया जाएगा।

एक नजर

भोजपुर में बाढ़ पीड़ितों से मिलने पहुंचे मुकेश सहनी, मदद का दिया भरोसा

आरा। विकासशील इंसान पार्टी के संस्थापक और बिहार के पूर्व मंत्री मुकेश सहनी आज भोजपुर के जवइनियां गांव पहुंचकर बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने बाढ़ पीड़ितों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने इस क्रम में व्यक्तिगत स्तर पर बाढ़ पीड़ितों की हरसंभव मदद की।उन्होंने कहा कि बाढ़ की त्रासदी में सैकड़ों घर बह गए हैं और हजारों लोग गंभीर रूप से प्रभावित हैं। इस त्रासदी को देखकर मन व्यथित हो उठा। उन्होंने कहा कि हमारी कोशिश है कि प्रशासनिक स्तर से लेकर मानवीय स्तर तक, हर जरूरतमंद तक मदद पहुंचे।उन्होंने इस दौरान पत्रकारों से बातचीत में कहा कि यह आपदा है जिससे लोग परेशान हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी के कार्यकर्ता शुरू से ऐसे लोगों की मदद में जुटे हुए हैं। पशुओं के चारा की व्यवस्था भी नहीं है। उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी से बात किया हूँ। ऐसे समय में सभी लोगों को मदद के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने भरोसा दिया कि हर संभव मदद दी जाएगी। वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी ने कहा कि स्थानीय लोगों का कहना है कि अवैध खनन के कारण भी यह स्थिति उत्पन्न हुई है, जिस पर सरकार को सोचना चाहिए।

बड़हरा विधायक ने नाव से बाढ़ पीड़ित क्षेत्रों का किया दौरा, अधिकारियों को दिया निर्देश

केटी न्युज। आरा

बड़हरा विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह शुक्रवार को नांव से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रो का दौरा किया। केशोपुर से नांव पर बैठकर नेकनामटोला, बखोरापुर, महुदही आदि प्रभावित क्षेत्रो को देखा और लोगो से संपर्क कर उनकी समस्याओं को सुना।

बड़हरा विधायक पिछले दिनो बाढ़ के पानी मे डुबने से हुई महुदही निवासी नागेन्द्र सिंह की मृत्यु की खबर पर उनके परिवार के सदस्यो से मिल कर शोक संवेदना व्यक्त की।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के निरीक्षण में अंचल राजस्व पदाधिकारी दिवाकर जी,बीस सूत्री अध्यक्ष शुभम पांडेय,भाजपा बड़हरा विधानसभा पालक धीरज सिंह,उज्जवल सिंह,रामबाबु पांडेय,पप्पू सिंह,जवाहिर केसरी आदि लोग थे।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के निरीक्षण उपरांत विधायक ने बड़हरा प्रखंड कार्यालय मे सभी पदाधिकारियों के साथ बैठक कर उचित निर्देश दिया।

बड़हरा विधायक सह पूर्व मंत्री राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि गंगा नदी के किनारे होने के कारण बड़हरा विधानसभा क्षेत्र के अधिकतम गाँव बाढ़ से प्रभावित होता है। प्रशासन द्वारा नाव की समुचित व्यवस्था की गई है।चिकित्सा सुविधा भी प्रदान किया जा रहा है। सामुदायिक किचेन की भी व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया है।इसके साथ पशु चारा और पाँलीथीन की भी व्यवस्था प्रशासन द्वारा किया गया है। मै हमेशा अपने क्षेत्र के लोगो की समस्याओं के समाधान के लिए पदाधिकारियों से संपर्क मे हूँ। कही किसी चीज की कमी नही होने देंगे।

पैसे के विवाद में हुई थी महंत की हत्या

छुट्टी नहीं देने को लेकर पुजारी से हुआ था विवाद

केटी न्युज। आरा

डेहरी। रोहतास : डेहरी थाना क्षेत्र के गांधीनगर स्थित विजय राघव आश्रम के महंत की गुरुवार की सुबह हत्या कर दी गई है। मृतक की पहचान श्याम नारायण स्वामी के रूप में हुई है। वहीं उनके हत्या का आरोप महंत के सहयोगी और आश्रम के पुजारी सुभाष स्वामी पर लगा है। आरोपी वारदात के बाद फरार हो गया है। जानकारी के अनुसार गुरुवार की सुबह पैसे के लेनदेन और आश्रम से छुट्टी नहीं देने को लेकर महंत और सुभाष पुजारी के बीच विवाद हो गया। इसी विवाद में सुभाष ने किसी भारी वस्तु से महंत पर हमला कर दिया। सिर में गंभीर चोट लगने से उनकी हालत बिगड़ गई। लोगों ने घायल महंत को इलाज के लिए जमुहार के मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। लेकिन इलाज के दौरान ही उनकी मौत हो गई। पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की छानबीन कर रही है।त्रिदंडी स्वामी आश्रम के बगल में विजय राघव स्वामी का आश्रम है। घटना के समय महंत अपने कमरे में थे। इसी दौरान छुट्टी से लौटा सुभाष पुजारी उनके कमरे में प्रवेश कर गया। दोनों के बीच किसी बात को लेकर नोकझोंक होने लगी। इसी बीच आरोपी ने लकड़ी के लठ और ईंट से महंत पर हमला कर दिया और फरार हो गया।

पुजारी के छुट्टी से लौटने पर शुरू हुआ था विवाद

बताया जाता है कि आरोपी सुभाष पिछले दो महीने से आश्रम में रह रहा था। उसने महंत से अपने मेहनताने का 25 हजार रुपए एडवांस भी लिया था। इसके बाद वह छुट्टी पर चला गया था। आज अचानक छुट्टी से लौटने के बाद पुराने विवाद को लेकर दोनों में झगड़ा हुआ।

आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी

डेहरी के एएसपी अतूलेश झा ने बताया कि आश्रम में मौजूद अन्य लोगों से गहन पूछताछ की जा रही है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है।

इंद्रपुरी थानाध्यक्ष लेडी सिंघम माधुरी कुमारी ने किया फर्जी वर्दी गैंग का भंडाफोड़

केटी न्युज। रोहतास

इंद्रपुरी थाना अध्यक्ष माधुरी कुमारी की सूझबूझ और तेज कार्रवाई से एक फर्जी वर्दी गिरोह का पदार्फाश हुआ। ये गिरोह सुरक्षा बलों की वर्दी पहनकर और फर्जी आईकार्ड के जरिए लोगों को ठगता था।गया के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बनकर जब एक आरोपी ने थाना अध्यक्ष से संपर्क किया, तो माधुरी कुमारी ने उसकी चालाकी भांप ली और तुरंत विशेष टीम बनाकर छापेमारी करवाई। उकार्रवाई में गया से प्रदीप पांडेय और गोरखपुर से मनीष पांडेय गिरफ्तार किए गए। पुलिस अवर निरीक्षक करण कुमार और प्रदीप कुमार की अहम भूमिका रही। माधुरी कुमारी ने कहा, "ऐसे फजीर्वाड़े करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा, जनता सतर्क रहे।

आरा में एक अत्याधुनिकआर.ओ. जल शोधक का सभापति ने किया उद्घाटन

केटी न्युज। आरा

भारत सरकार के विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत देशभर में विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में कई जनकल्याणकारी कदम उठाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में आज भोजपुर जिले के एच.एन.के.एच.एस. हाई स्कूल, आरा में एक अत्याधुनिक आर.ओ. जल शोधक का उद्घाटन किया गया।यह आयोजन तेल और प्राकृतिक गैस निगम लिमिटेड (डठळ्ब्) के कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (उरफ) कार्यक्रम के अंतर्गत, अवंत फाउंडेशन के सहयोग से संपन्न हुआ। परियोजना के तहत भोजपुर जिले के विभिन्न स्थानों पर कुल 51 आर.ओ. प्लांट स्थापित किए जाएंगे, जिनका उद्देश्य स्थानीय लोगों, विशेषकर विद्यार्थियों, को सुरक्षित, स्वच्छ और शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। इस अवसर के मुख्य

अतिथि बिहार विधान परिषद के सभापति श्री अवधेश नारायण सिंह रहे। विशिष्ट अतिथियों में श्री दुर्गा राज जिला अध्यक्ष, भोजपुर इंदु देवी महापौर, आरा नगर निगम श्री तनय सुल्तानिया जिलाधिकारी, भोजपुर अंजू कुमारी नगर आयुक्त, आरा, राधाचरण साह बिहार विधान परिषद् सदस्य रश्मि सिंहा अंचल दंडाधिकारी, आरा और अवनीश त्रिपाठी वरिष्ठ सलाहकार, खान मंत्रालय, भारत सरकार एवं प्रख्यात सामाजिक नवप्रवर्तक झ्र विकसित भारत 2047 सहित कई प्रशासनिक अधिकारी एवं गणमान्य लोग शामिल हुए सभापति अवधेश नारायण सिंह ने अपने संबोधन में कहा, स्वस्थ समाज की नींव स्वच्छ जल से ही रखी जाती है। यह पहल न केवल बच्चों के स्वास्थ्य की रक्षा करेगी, बल्कि जल जनित बीमारियों से भी उन्हें बचाने में सहायक सिद्ध होगी।वरिष्ठ सलाहकार अवनीश त्रिपाठी ने बताया आर.ओ. जल शोधक को पूरी तरह वैज्ञानिक और तकनीकी दृष्टिकोण से तैयार किया गया है। यह न केवल जल को शुद्ध करता है, बल्कि उसमें मौजूद हानिकारक रसायनों, बैक्टीरिया और रोगाणुओं को भी समाप्त करता है। यह प्रधानमंत्री हर घर जल अभियान को मजबूती प्रदान करता है और शिक्षा संस्थानों में स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में एक बड़ा कदम है।आर.ओ. जल शोधक के लाभजल को परजीवी, बैक्टीरिया और वायरस से मुक्त करता है।हानिकारक रसायनों और संदूषकों को हटाता है। पानी के स्वाद और गुणवत्ता में सुधार करता है। आवश्यक खनिज तत्वों को संरक्षित रखता है।जल जनित बीमारियों की रोकथाम में कारगर। छतरिया स्कूल के प्रचार डॉक्टर अशोक सिंह जिला शिक्षा पदाधिकारी रालो सपा के जिला अध्यक्ष रोहित कुशवाहा प्रदेश राम दिनेश यादव भाजपा जिला महामंत्री संतोष चंद्रवंशी उपाध्यक्ष जगह कुशवाहा संतोष सिंह ऋतुराज विनय सिंह अखिलानंद ओझा ददन सिंह राजेश सिंह निजी सचिव सभापति बिहार विधान परिषद आदि उपस्थित थे।

ट्रक व बाइक का जबरदस्त टक्कर, एक कि पैर टूटा हालत गंभीर, पत्नी और बच्चे बाल-बाल बचे

रोहतास। रोहतास जिला अंतर्गत काराकाट थाना क्षेत्र के सिकरिया में एक दर्दनाक घटना हुई। ट्रक और बाइक की टक्कर में विकास कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। विकास, जो नासरीगंज थाना क्षेत्र के हरियरगंज गांव के निवासी हैं, अपने परिवार के साथ भोजपुर के मोप्ति ससुराल से लौट रहे थे। जब अचानक एक अनियंत्रित ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी, तो विकास का दाहिना पैर टूट गया। लेकिन एक राहत की बात ये रही कि उनकी पत्नी अंजू देवी और दो छोटे बच्चों को इस हादसे में कुछ नहीं हुआ, केवल हल्की-फुल्की चोटें आईं। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 की पुलिस मौके पर पहुंची। जख्मी विकास कुमार को गोडारी स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। वहां के डॉक्टरों ने उनकी स्थिति को नाजुक देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल सासाराम भेज दिया। इस संबंध में काराकाट थाना अध्यक्ष भागीरथ कुमार ने जानकारी में सड़क हादसे की पुष्टि की और कहा कि घटनास्थल पर डायल 112 की टीम पहुंची और घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया।

प्राथमिक विद्यालय लक्ष्मणपुर बिक्रमगंज के प्रांगण में एक अनोखी और प्रेरणादायक पहल देखने को मिली

एक पेड़ मां के नाम : शिक्षक अफरीदी ने सावन में बच्चों संग मिलकर पेश की पर्यावरण प्रेम की मिसाल

- प्राथमिक विद्यालय लक्ष्मणपुर बना संवेदना,संस्कार और हरियाली का संगम स्थल कृषि शिक्षा

केटी न्युज। रोहतास

सावन मास की हरियाली के बीच जब पूरा वातावरण शिवभक्ति और प्रकृति प्रेम में रंगा हो । ऐसे में प्रखंड के प्राथमिक विद्यालय लक्ष्मणपुर बिक्रमगंज के प्रांगण में एक अनोखी और प्रेरणादायक पहल देखने को मिली । विद्यालय के विशिष्ट शिक्षक मोहम्मद यूसुफ अफरीदी ने छात्रों के साथ मिलकर "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के तहत वृक्षारोपण कर न केवल पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाई,बल्कि मां की ममता को प्रकृति से जोड़ते हुए एक भावनात्मक संदेश भी दिया । विद्यालय परिसर में पौधारोपण करते समय बच्चों के चेहरों पर उत्साह और आंखों में अपनी मां के लिए प्रेम झलक रहा था । हर बच्चे ने एक-एक पौधा अपनी मां के नाम समर्पित करते हुए यह संकल्प लिया कि वे इस पौधे को अपने मां के आशीर्वाद की तरह पालेंगे और बड़ा करेंगे । इस मौके पर शिक्षक मोहम्मद यूसुफ अफरीदी ने भावुक होते हुए कहा कि मां धरती की तरह है,जो सहनशील,पोषण देने वाली और निःस्वार्थ प्रेम करने वाली । जब हम मां के नाम एक पेड़ लगाते हैं, तो यह केवल एक पौधा नहीं,बल्कि मां की ममता और धरती की धड़कन का संगम होता है । मैं चाहता हूं कि हर बच्चा अपनी मां के लिए एक पेड़ जरूर लगाए । यह पेड़ न केवल हमें शुद्ध हवा देंगे,बल्कि हमें अपनी जड़ों से भी जोड़ेंगे । उन्होंने यह भी कहा कि बच्चों को किताबों के साथ-साथ प्रकृति से भी जोड़ना बेहद जरूरी है, ताकि उनमें संवेदना,दायित्व और सामाजिक चेतना विकसित हो सके ।इस अभियान ने विद्यालय परिसर को हरियाली से भर दिया । साथ ही बच्चों के मन-मस्तिष्क में मां और प्रकृति के प्रति विशेष भाव जगाया । एक पेड़ मां के नाम वास्तव में एक ऐसा विचार है, जो हर दिल को छू जाए और हर हाथ को हरियाली की ओर बढ़ने को प्रेरित करे ।

बाढ़ के पानी में डूबने से युवा किसान की मौत

आरा। जिले के धोबहा थाना क्षेत्र के बसंतपुर गांव स्थित काली मंदिर के समीप बाढ़ के पानी में डूबने से शौच करने गए एक युवा किसान की मौत हो गई। घटना को लेकर लोगों के बीच काफी देर तक अफरा-तफरी मची रही। जानकारी के अनुसार मृतक धोबहा थाना क्षेत्र के बसंतपुर गांव निवासी हरेराम सिंह का 33 वर्षीय पुत्र मुन्ना कुमार सिंह है एवं वह किसान था। इधर, मृतक के चाचा जय प्रकाश सिंह ने बताया कि वह शुक्रवार की सुबह शौच करने के लिए गया था। जहां पैर फिसल जाने कारण बाढ़ के पानी में गिरकर डूब गया। इसके बाद वहां मौजूद बच्चों ने हो-हल्ला करना शुरू किया तब जाकर परिजन वहां पहुंचे और उसे बाढ़ के पानी से बाहर निकले। इसके पश्चात परिजन अपनी संतुष्टि को लेकर उसे आरा सदर अस्पताल ले आए। जहां चिकित्सक ने देख घोषित कर दिया। जिसके बाद परिजन ने इसकी सूचना सदर अस्पताल में कार्यरत पुलिस पदाधिकारी को दी। सूचना पाकर पुलिस सदर अस्पताल पहुंची और शव का पोस्टमार्टम करवाया। बताया जाता है कि मृतक अपने दो भाई व एक बहन में दूसरे स्थान पर था। उसके परिवार में मां रेणु देवी व एक भाई रुणा सिंह एवं एक बहन अंजू सिंह है। घटना के बाद मृतक के घर में हाहाकार मच गया है। इस घटना के बाद मृतक की मां रेणु देवी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

गंगा सहित कोसी, बागमती और गंडक जैसी नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही

बारिश और बाढ़ से बिहार बेहाल, पटना में टूटने वाला है 49 साल का रिकॉर्ड

एजेंसी। पटना

बिहार में मानसून की सक्रियता ने राज्य को बारिश और बाढ़ की दोहरी मार दे दी है। शुक्रवार की सुबह से ही पूर्णिया, अररिया, किशनगंज और कटिहार जैसे उत्तर-पूर्वी जिलों में मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है। मौसम विभाग ने 11 से अधिक जिलों में अति भारी बारिश की चेतावनी जारी की है, जबकि 38 जिलों में बारिश और वज्रपात का अलर्ट है। गंगा सहित कोसी, बागमती और गंडक जैसी नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं, जिससे कई इलाकों में बाढ़ की स्थिति बन गई है। खगड़िया में 32 और वैशाली के राघोपुर में 80 स्कूलों को बंद कर दिया गया है, जबकि पटना के दियारा क्षेत्रों में भी स्कूल अनिश्चितकाल के लिए बंद हैं।पटना में गंगा नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है और यह 1976 के रिकॉर्ड को तोड़ने की कगार पर है। मनेर में गंगा का जलस्तर 53.31 मीटर तक पहुंच गया है जो 1976 के 53.79 मीटर के उच्चतम स्तर से केवल 48 सेंटीमीटर कम है। दीघा घाट, गांधी घाट और हाथीदह में भी नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। बक्सर, भोजपुर, मुंगेर और वैशाली जैसे जिलों में बाढ़ ने निचले इलाकों को डुबो दिया है। प्रशासन ने राहत कार्य तेज कर दिए हैं, जिसमें 35 नावों की व्यवस्था, अस्थायी शौचालय, मेडिकल कैंप और पानी के टैंकर शामिल हैं।मौसम विभाग के अनुसार मानसून की ट्रफ लाइन बिहार के ऊपर बनी हुई है, जिसके चलते अगले कुछ दिनों तक भारी बारिश और वज्रपात की संभावना है। अररिया, पूर्णिया, किशनगंज, सुपौल और पूर्वी-पश्चिमी चंपारण में अति भारी बारिश का अनुमान है, जबकि दक्षिण बिहार में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। बीते 24 घंटों में रोहतास में सबसे अधिक 56.6 मिमी बारिश दर्ज की गई। हालांकि, इस मानसून में अब तक 27% कम बारिश ही हुई है जो कई जगहों के किसानों के लिए चिंता का विषय है।पटना में आज दिनभर बादल छाए रहने और हल्की-मध्यम बारिश की संभावना है, लेकिन नमी के कारण उमस भी बनी रहेगी। बाढ़ प्रभावित इलाकों में प्रशासन ने लोगों को नदी किनारों से दूर रहने और सतर्कता बरतने की सलाह दी है। किसानों और स्थानीय निवासियों से मौसम अपडेट्स पर नजर रखने की अपील की गई है ताकि इस आपदा से सावधान रहा जा सके।

पैसे के अभाव में बीमार कर्मचारी की मौत, 10 महीने से नहीं मिला था वेतन

एजेंसी। बेतिया

पश्चिम चंपारण के बेतिया स्थित रामलखन सिंह यादव कॉलेज के दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को 8 महीने से वेतन तक नसीब नहीं हुआ है। अपनी इस वाजिब मांग को लेकर दैनिक कर्मी 18 जून 2025 से धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। लेकिन इनकी सुध तक लेना प्रिंसिपल ने मुनासिब नहीं समझा। वेतन नहीं मिलने के चलते इलाज के आभाव में कॉलेज में माली के पद पर कार्यरत धर्मेन्द्र कुमार उर्फ भोला की मौत हो गयी। इस घटना से परिजनों के बीच कोहराम मचा हुआ है। परिजनों के आंखों के आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। मृतक की शादी दो महीने पहले ही हुई थी। उसकी पत्नी का कहना है कि तबीयत खराब था सरकारी में दिखाये प्राइवेट में भी गये पैसा खत्म हो गया था डॉक्टर ने निकाल दिया और रास्ते में पति की मौत हो गयी। 10 महीने से वेतन नहीं मिला है। पैसे के अभाव के चलते सही से इलाज नहीं हो पाया जिसके कारण मेरे पति ने आज दम तोड़ दिया। मृतक की पत्नी का रो-रोकर बुरा है। महाविद्यालय दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी संघ के लोगों की मांग है कि मृतक की पत्नी को स्थायी नौकरी और मुआवजा दिया जाए।

बिहार चुनाव 2025 : दो ईपिक रखने वालों पर अंकुश लगाने की पहल

चुनाव आयोग जल्द जारी करेगा 'भारत सीरीज' का मतदाता पहचान पत्र

एजेंसी/पटना

चुनाव आयोग इस बार बिहार विधानसभा चुनाव में कई नवाचारों की तैयारी कर रहा है। इन्हीं प्रयासों के अंतर्गत आयोग पहली बार बिहार से "भारत सीरीज" का मतदाता पहचान पत्र जारी करेगा। इसका उद्देश्य प्रत्येक मतदाता को एक विशिष्ट, राष्ट्रीय स्तर का यूनिक पहचान पत्र उपलब्ध कराना है जैसे कि आधार, पैन या वाहन नंबर होते हैं।चुनाव आयोग का प्रयास है कि हर हाल में सितंबर के अंतिम सप्ताह से लेकर अक्टूबर के पहले सप्ताह तक बिहार के सभी मतदाताओं को "भारत सीरीज" का नया ईपिक उपलब्ध करा दिया जाए। इसके बाद चरणबद्ध तरीके से अन्य राज्यों के मतदाताओं को भी 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले यह नया ईपिक उपलब्ध कराया जाएगा।भारत सीरीज" ईपिक की शुरूआत से डुप्लीकेट ईपिक नंबर की समस्या का समाधान होगा। पूरे देश में एक ही ईपिक नंबर मान्य होगा। यदि कोई मतदाता स्थान परिवर्तन करता है, तो केवल उसका पता बदलेगा, लेकिन

ईपिक नंबर वही रहेगा। इससे प्रत्येक मतदाता को विशिष्ट ईपिक नंबर देने की नई व्यवस्था लागू की जाएगी।इसके साथ ही मतदाता सूची को अद्यतन करने के लिए मृत्यु पंजीकरण के डेटा को सीधे भारत के पंजीयक जनरल के डेटाबेस से प्राप्त किया जाएगा। सत्यापन के बाद मृत मतदाताओं के नाम सूची से हटा दिए जाएंगे। ईपिक की तेज और समयबद्ध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए एक नई मानक संचालन प्रक्रिया भी लागू की गई है। इस प्रक्रिया के तहत, मतदाता सूची में नए नामांकन या किसी मौजूदा मतदाता की जानकारी में परिवर्तन के 15 दिनों के भीतर ईपिक जारी किया जाएगा। इस संपूर्ण प्रक्रिया की रियल टाइम ट्रैकिंग की जाएगी निर्माण से लेकर डाक विभाग द्वारा मतदाता तक पहुँचने तक। मतदाताओं को इसकी सूचना एसएमएस के माध्यम से दी जाएगी। इसके अतिरिक्त, राजनीतिक दलों को मतदान के दिन बूथ से सौ मीटर की दूरी पर प्रचार बूथ लगाने की अनुमति दी गई है। पहले यह दूरी दो सौ मीटर थी, जिसे अब कम किया गया है।

आंकड़ों में स्पष्ट हुआ अंतर

चुनाव आयोग के मुताबिक, 65 लाख के इस अंतर में 22 लाख मृतक, 36 लाख स्थायी रूप से बिहार से बाहर चले गए या उपलब्ध नहीं हुए, जबकि शेष सात लाख ऐसे थे जिनके नाम कई स्थानों पर दर्ज थे। आयोग का कहना है कि स्क्रका उद्देश्य है कि कोई भी पात्र मतदाता छूटे नहीं और कोई भी अपात्र मतदाता सूची में शामिल न हो।

दावा और आपत्ति दर्ज कराने की अवधि जारी

आयोग ने बताया कि वास्तविक पात्र मतदाता एक अगस्त से एक सितंबर 2025 के बीच दावा और आपत्ति की अवधि में अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वा सकते हैं। अभी तक किसी भी राजनीतिक दल ने प्रारूप मतदाता सूची को लेकर कोई दावा या आपत्ति दर्ज नहीं कराई है। हालांकि एक अगस्त को प्रारूप सूची प्रकाशित होने के बाद से अब तक आयोग को मतदाताओं से सीधे 6,257 दावे और आपत्तियां मिली हैं।

कोई पात्र मतदाता नहीं छूटेगा

चुनाव आयोग ने एक बार फिर दोहराया है कि बिहार की अंतिम मतदाता सूची में किसी भी पात्र मतदाता को बाहर नहीं रखा जाएगा और किसी भी अपात्र नाम को शामिल नहीं किया जाएगा। आयोग ने दावा किया कि दैनिक आधार पर वितरित, संग्रहित और डिजिटाइज किए गए प्रपत्रों का डेटा और ग्राफ सार्वजनिक किया जा रहा है, जिससे प्रक्रिया की पारदर्शिता बनी रहे।

जमुई में तीन अवैध हथियार फैक्ट्रियों का पदार्फाश, 5 गिरफ्तार, मुख्य सरगना फरार

एजेंसी। जमुई

जमुई जिले के गरही थाना क्षेत्र में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन स्थानों पर अवैध हथियार निर्माण की मिनी फैक्ट्रियों का पदार्फाश किया है। इस कार्रवाई में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया, जबकि मुख्य सरगना हरखार पंचायत के मुखिया मुन्ना साव और उनका सहयोगी अमित फरार हैं।गुरुवार शाम 4:30 बजे टाउन थाना में आयोजित प्रेस वार्ता में जमुई एसपी विश्वजीत दयाल ने बताया कि पुलिस ने हरखार पंचायत के मुखिया मुन्ना साव के घर, गरही चौक और कल्याणपुर में गुड्डू सिन्हा के घर पर छापेमारी की। इस दौरान दो निर्मित हथियार, भारी

मात्रा में अर्धनिर्मित हथियार और लेथ मशीनें जब्त की गईं।गिरफ्तार अभियुक्तों में मुंगेर के मो. खुर्शीद आलम और मो. जाहिर, कोलकाता के बिस्मिल्ला अली और मो. गाजी अली, मुन्ना साव का रिश्तेदार धर्मवीर साव शामिल हैं। एसपी ने बताया कि हथियार निर्माण का सारा सामान अमित उपलब्ध कराता था और मुन्ना साव की देखरेख में यह अवैध कारोबार चल रहा था। इस कारोबार के तार बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल से जुड़े होने की संभावना है।

बिहार में किन्नर कल्याण बोर्ड का गठन

7 गैर-सरकारी और 20 सरकारी सदस्य बनाये गये

एजेंसी। पटना

बिहार सरकार ने बिहार राज्य किन्नर कल्याण बोर्ड का गठन किया है। जो 3 साल के लिए पुनर्गठित किया गया है। इस संबंध में समाज कल्याण विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है। पटना के जगदेव पथ के रहने वाले राजन सिंह, हनुमान नगर की अनुप्रिया सिंह, गया की शांति नायक उर्फ सुरेश हिजड़ा, सोनपुर के संतोष कुमार, गुलजार बाग की अद्विका चौधरी, मुंगेर के साजन कुमार और बेगूसराय के बबली किन्नर सहित 7 को गैर सरकारी सदस्य बनाया गया है। वही समाज कल्याण विभाग के मंत्री किन्नर कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष बनाये

गये हैं। वही 20 सरकारी सदस्य बनाये गये हैं। जिसकी सूची नीचे दी गयी है।

जहानाबाद में पदस्थापित डीएसपी संजीव कुमार के ठिकानों पर रेड : पटना, खगड़िया, जहानाबाद में चल रही छापेमारी

एजेंसी/जहानाबाद

बिहार में भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए स्पेशल विजिलेंस यूनिट ने जहानाबाद में तैनात डीएसपी संजीव कुमार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। आय से अधिक संपत्ति के गंभीर आरोपों के तहत स्थ्व ने पटना, खगड़िया और जहानाबाद में उनके ठिकानों पर एक साथ छापेमारी शुरू की। यह अभियान डीएसपी रैंक के अधिकारी की निगरानी में चल रहा है। प्रारंभिक जांच में संजीव कुमार पर 1.52 करोड़ रुपये की अवैध संपत्ति जुटाने का आरोप है जो उनकी ज्ञात आय से कहीं अधिक है।स्पेशल विजिलेंस यूनिट ने डीएसपी संजीव कुमार के खिलाफ उनके ही थाने में केस दर्ज किया है। छापेमारी के दौरान विजिलेंस टीम को संपत्ति से जुड़े महत्वपूर्ण दस्तावेज और अन्य सबूत मिलने की

उम्मीद है। यह कार्रवाई पटना के साथ-साथ खगड़िया और जहानाबाद में उनके आवास और अन्य संदिग्ध स्थानों पर की जा रही है। सूत्रों के अनुसार, यह अभियान उन शिकायतों के आधार पर शुरू हुआ, जिसमें डीएसपी पर भ्रष्ट तरीकों से संपत्ति अर्जित करने का आरोप लगाया गया था।यह छापेमारी बिहार में भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रही व्यापक कार्रवाइयों का हिस्सा है। हाल के दिनों में विजिलेंस यूनिट ने कई अधिकारियों के खिलाफ इसी तरह की कार्रवाई की है, जिसमें अवैध संपत्ति और भ्रष्टाचार के मामले सामने आए हैं। डीएसपी संजीव कुमार के मामले में भी जांच से कई अहम खुलासे होने की संभावना है। विजिलेंस यूनिट सभी बरामद दस्तावेजों और संपत्ति के कागजातों की गहन जांच कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि यह संपत्ति किन स्त्रोतों से अर्जित की गई।

पटना में स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियां तेज

पटना । पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। इसी सिलसिले में पटना डीएम त्यागराजन एसएम ने शुक्रवार को मैदान का दौरा कर व्यवस्था का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को कई दिशा-निर्देश दिए।इस वर्ष समारोह में कुल 13 विभागों द्वारा भव्य झांकियां प्रस्तुत की जाएंगी, जो बिहार की सांस्कृतिक, सामाजिक और विकास यात्रा को दशाएंगी। इन झांकियों को लेकर अलग-अलग विभागों को विशेष जिम्मेदारी सौंपी गई है। पटना डीएम ने बताया कि इस बार मौसम की अनिश्चितता को देखते हुए दर्शकों के लिए वाटरप्रूफ पंडाल की व्यवस्था की जा रही है ताकि बारिश होने पर भी समारोह में कोई बाधा न आए। डीएम ने गांधी मैदान की सुरक्षा, यातायात व्यवस्था, आपातकालीन सेवाओं, बैठने की व्यवस्था, और वीआईपी व आम दर्शकों के प्रवेश-निकास मार्गों की भी समीक्षा की।

बिहार में पहली बार एशिया रग्बी चैंपियनशिप का आगाज

इंडिया समेत 9 देश की टीम ले रहे हिस्सा

- बिहार के खिलाड़ी भी टूर्नामेंट में ले रहे हिस्सा

एजेंसी/राजगीर

रग्बी चैंपियनशिप के लिए राजगीर खेल परिसर को चुना गया. इस प्रतियोगिता में कुल 16 टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिनमें 9 देशों के 192 खिलाड़ी, 32 कोच और 50 तकनीकी अधिकारी शामिल हैं. भाग लेने वाले देशों में भारत, चीन, हांगकांग, संयुक्त अरब अमीरात, कजाखस्तान, उज्बेकिस्तान, श्रीलंका, मलेशिया और नेपाल प्रमुख है.भारतीय पुरुष अंडर-20 टीम में बिहार के गोल्डन कुमार और सागर प्रकाश शामिल हैं, जबकि

महिला अंडर-20 टीम में बिहार की आरती कुमारी, अनशु कुमारी, अल्पना कुमारी और गुड़िया कुमारी चुनी गई हैं. इस टूनामेंट के कोच फ्रैंको 'पाको हेर्नांडेज (पुरुष टीम) और सुसान मार्टिनेज (महिला टीम) अंतरराष्ट्रीय स्तर के अनुभवी कोच हैं.रग्बी इंडिया के अध्यक्ष राहुल बोस ने बिहार के खिलाड़ियों के उल्लेखनीय प्रदर्शन की भी प्रशंसा की. उन्होंने बताया कि पिछले 4-5 वर्षों में भारत ने कुल 22 पदक जीते हैं, जिनमें से 17 पदक बिहार के खिलाड़ियों के नाम हैं. इनमें 13 स्वर्ण, 2 रजत और 2 कांस्य पदक शामिल हैं. बता दें कि राजगीर खेल परिसर में 45,000 दर्शकों की क्षमता वाला स्टेडियम, बहुउद्देश्यीय इनडोर हॉल, एथलेटिक्स ट्रैक, स्विमिंग पूल, हॉकी, फुटबॉल, टेनिस, बैडमिंटन सहित कई खेलों के लिए अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप सुविधाएं मौजूद हैं. उद्घाटन कार्यक्रम में बिहार के खेल मंत्री सुरेंद्र मेहता, ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार, रग्बी इंडिया के अध्यक्ष और प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता राहुल बोस ने संयुक्त रूप से इसकी शुरूआत की. इस मौके पर बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का मनमोहक प्रस्तुतीकरण भी किया गया, जिसने देसी-विदेशी सभी मेहमानों का मन मोह लिया।

सुभाषितम्

विफलता परिश्रम छोड़ देने का नतीजा है।

-एफ. जी. जॉयनर

भारत में मोदी से बडे ब्रांड बने ट्रंप

भारत में राजनीति और कारोबार के गलियारे अक्सर आपस में हित टकराते हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का रियल एस्टेट मॉडल भारत में एक ऐसा उदाहरण है। जो ना तो राजनीति में प्रत्यक्ष रूप में है, नाही व्यापार में प्रत्यक्ष रूप से शामिल है। फिर भी ट्रंप का भारत से मुनाफा सभी के लिये अकल्पनीय है। ट्रंप ऑर्गनाइजेशन ने पिछले दशक में भारत से लगभग 175 करोड़ रुपये की कमाई की है। ट्रम्प की कंपनी ने एक रुपये का भी सीधा निवेश भारत में नहीं किया है। यह किसी जादू से कम नहीं है। ट्रंप की ब्रांडिंग, एक ऐसी रणनीति है। जो ब्रांड वैल्यू के दम पर भारत से करोड़ों रुपए प्रतिवर्ष कमाती है। भारत सरकार को 1 रुपए का टैक्स भी नहीं देती है। डोनाल्ड ट्रंप भारत में केवल अपना नाम देते हैं। ट्रंप की कंपनी निर्माण क्षेत्र में भारत में कोई काम नहीं करती है। कोई रोजगार नहीं देती है। 1रुपए की पूंजी भी नहीं लगाती है। ट्रंप के लिए भारत के रियल एस्टेट के कारोबारी उसके ब्रांड का नाम लेकर रॉयल्टी के रूप में करोड़ों रुपए उसे देते हैं। भारतीय रियल एस्टेट के डेवलपर्स जैसे लोढ़ा, एम3एम, ट्रिबेका, कंपनियां ट्रंप ब्रांड का इस्तेमाल करती हैं। ट्रंप टावर के नाम से रियल एस्टेट में जो कारोबार भारत में किया जाता है। ट्रंप नाम के रियल एस्टेट के कारोबार में बिक्री से भारतीय कंपनियां मुनाफा कमाती हैं। जिसमें ट्रंप को 3-5% की रॉयल्टी अमेरिका में बैठे बिठाये ट्रम्प को मिलती है। ट्रंप भारत से इसी मॉडल के तहत मुंबई, गुरुग्राम, पुणे, हैदराबाद से लेकर कोलकाता में करीब 13 रियल स्टेट के प्रोजेक्ट्स से भारी कमाई कर रहे हैं। केवल गुरुग्राम प्रोजेक्ट के लॉन्च में पहले दिन ही 3,250 करोड़ की बिक्री हो गई। बड़े-बड़े पूंजीपतियों के बीच में ट्रंप का नाम मोदी से बड़ा है। ट्रंप को सारी दुनिया में विलासिता और नए-नए शौक का प्रतीक माना जाता है। मोदी सरकार की किसी भी योजना से ज्यादा ट्रंप टावर के नाम पर बने रियल स्टेट से भारत के कारोबारियों को भारी मुनाफा होता है। हैरानी की बात यह है, डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को डेड इकोनॉमी कहकर भारत को अपमानित किया है। इसके बावजूद भारत में उनका ट्रम्प ब्रांड, रियल एस्टेट के क्षेत्र में मोदी से बड़ा चेहरा बना हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया जैसे अभियानों के जरिए भारत में विदेशी निवेश को आकर्षित करने में लगे हैं। वहीं ट्रंप बिना निवेश किए भारत से अरबों रुपये कमा कर अमेरिका ले जा रहे हैं। इसका एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है, ट्रंप की व्यापार नीति भारत के खिलाफ है। उन्होंने टैरिफ बढ़ाकर भारतीय निर्यातकों की रीढ़ की हड्डी को कमजोर किया है। इसी बीच उनका कारोबार भारत में बढ़ता ही जा रहा है। उनके निजी कारोबार को भारत में कोई नुकसान नहीं हुआ। यह बताता है, व्यक्तिगत लाभ और अमेरिका की राष्ट्रीय नीति और भारत को लेकर ट्रंप की सोच में कितना अंतर है। इस पूरे मॉडल से एक सवाल खड़ा होता है। क्या भारत में ट्रम्प का ब्रांड इतना प्रभावी हो चुका है। वह सरकार और मोदी जी से भी बड़ा बन जाए ट्रंप ने भारत को एक बाजार भर नहीं समझा। ट्रंप अपने नाम पर भारत से अपने निजी हित के लिए गुंडे जैसी वसूली कर रहे हैं। मोदी कार्यकाल ने उन्हें भारत का एक ब्रांड बना दिया है। जो अब भारत के हितों को भी प्रभावित कर रहा है। असली चिंता इस बात की है। कहीं हम ईस्ट इंडिया कंपनी और ब्रिटिश क्राउन की तरह ट्रंप ब्रांड के गुलाम तो नहीं बनने जा रहे हैं अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अपने व्यक्तिगत हितों के लिए टैरिफ के जरिये दुनिया के देशों को परेशान करते हैं। निजी हितों को पूरा करने के लिये अमेरिकी हितों के साथ खिलवाड़ करने वाले अमेरिका के पहले राष्ट्रपति बन गए हैं।

चिंतन-मनन

ध्यान से खुलते हैं आत्मा के चक्र

उपदेशों और सिद्धांतों की इतनी भरमार है कि परमात्मा को अर्थात अपने जीवन के परम लक्ष्य को ढूंढना घास में से सुई खोजने के बराबर हो गया है। कुछ लोगों के लिए आध्यात्मिकता, माया से मुक्त होने का साधन है तो कुछ लोगों के लिए वह तप और भक्ति से भी अधिक उच्च स्तर का मार्ग है। भले ही परमलक्ष्य तक पहुंचने के विभिन्न मार्ग क्यों न हों, लेकिन योग उनमें किसी प्रकार का भेद नहीं करता। एक योगी के लिए यह संपूर्ण सृष्टि किसी नाटक के समान है। चरित्रों और दृश्यों से प्रभावित हुए बिना इस नाटक का अनुभव करना ही परम उद्देश्य है। आवश्यकता कर्म से ऊपर उठने की है। कृष्ण ने अपनी लीला से इस महत्व को समझाया कि नाटक के मोह में नहीं बंधना है। न ही इससे प्रभावित होना है। यही निष्काम कर्म है। जो सुख- दुख से परे रखता है। मनुष्य में आध्यात्मिक उत्थान की प्रक्रिया शुरू होती और आगे बढ़ती है तो आत्मा विभिन्न चक्रों और जीवन के पहलुओं से होते हुए निरंतर आरोहण करने लगती है। जीवन में भौतिक शरीर की मूल आवश्यकताओं और इच्छाओं से ऊपर उठते हुए उच्चतम शिखरों को छूते हुए अंत में स्वयं से और इस संसार से भी ऊपर उठना होता है। सनातन क्रिया में अष्टांग योग के आठों अंग पूर्णतया सम्मिलित हैं। गुरु के सानिध्य में इस क्रिया को करने से निम्न चक्रों से आज्ञा चक्र व उससे आगे तक पहुंचने का मार्ग स्पष्ट हो जाता है। किसी युग में चक्रों पार करने और अंतिम स्थिति तक तक पहुंचना आसान रहा होगा पर आज हम जिस युग में रह रहे हैं, उसमें ऊंचाई तक पहुंचने के लिए प्रचंड पुरुषार्थ करने की जरूरत रहती है। शास्त्रों और उन्हें जानने वाले ज्ञानीजनों के अनुसार कलियुग के इस अंतिम चरण में हम सब में से अधिकतर व्यक्ति स्वाधिष्ठान के स्तर पर ही अटके हुए हैं। कुछ ही अनाहद तक पहुंच सके हैं और उससे भी कम विशुद्धियां तक का मार्ग तय कर पाए हैं। जो आज्ञा चक्र तक पहुंच चुके हैं, उन्हें आनंद की अनुभूति हो चुकी है और वे दिव्य शक्ति के साथ एक हो चुके हैं। वे गहन चिंतन के साथ अनंत आनंद की अवस्था में हैं। आज्ञा चक्र तक पहुंचने के लिए विभिन्न युगों में कठिन और प्रखर साधन करने होते थे। इस युग में स्थितियां ऐसी नहीं है कि कठिन साधनाएं की जा सकें। एक ध्यान ही ज्यादा समर्थ है। आज्ञा चक्र तक पहुंचने और इसे जागृत करने में भी यही उपाय काम आता है।

सवाल जांच एजेंसियों की विश्वसनीयता का

\- निर्मल रानी

पिछले कुछ दिनों के भीतर विभिन्न न्यायालयों द्वारा कई बहुचर्चित व हाई प्रोफाईल मामलों से संबंधित कई ऐसे फैसले सुनाये गये जिससे एक बार फिर जांच एजेंसियों की कारगुजारियों पर सवाल उठने लगे हैं। सवाल भी दो तरह के। एक तो यह कि यदि सम्बद्ध मामले में अदालत के अनुसार आरोपी बेगुनाह थे तो आखिर अपराध करने वाले कौन थे? उन्हें सामने लाने की जिम्मेदारी आखिर किस एजेंसी की है? और दूसरा बड़ा सवाल यह कि लंबे समय तक जेल में रहने, कथित रूप से प्रताड़ना सहने, पूरे समाज में अपनी व अपने परिवार की बदनामी उठाने, इतने वर्षों तक अपने काम काज से मुक्त होकर जांच व जेल का सामने करने गोया आरोपियों का पूरा जीवन बर्बाद होने की भरपाई कैसे हो और कौन करेगा इसकी भरपाई? गत 21 जुलाई को बॉम्बे हाई कोर्ट की जस्टिस अनिल किलोर और जस्टिस श्याम चांडक की विशेष पीठ ने 2006 के मुंबई ट्रेन ब्लास्ट मामले से संबंधित मामले में 19 साल बाद, ऐतिहासिक फैसला सुनाया। इस फैसले में 12 में से 11 आरोपियों को सभी आरोपों से मुक्त कर दिया। जबकि कमाल अहमद अंसारी नाम के एक आरोपी की 2021 में कोरोना के चलते जेल में ही मृत्यु हो चुकी थी। गौर तलब है कि 11 जुलाई 2006 को मुंबई की लोकल ट्रेनों में केवल 11 मिनट के भीतर सात स्थानों पर सिलसिलेवार बम धमाके हुए थे। इन धमाकों में 189 बेगुनाह लोग मारे गए थे तथा 800 से अधिक घायल हुए थे। यह बम धमाका मुंबई की उन लोकल ट्रेन्स को लक्षित करके किया गया था, जिसमें रोजाना लाखों यात्री सफर करते हैं। इसी तरह का दूसरा फैसला गत 31 जुलाई 2025 को मुंबई की विशेष राष्ट्रीय जांच एजेंसी एन आई ए की अदालत ने सुनाया। यह मामला 29 सितंबर 2008 को महाराष्ट्र के नासिक जिले के मालेगांव में हुए बम धमाके से संबंधित था। मालेगांव बम विस्फोट मामले में 17 साल बाद सुनाये गये इस फैसले में भी अदालत ने सभी सात आरोपियों को बरी कर दिया। मुस्लिम बहुल इलाके में हुये इस मोटरसाइकिल बम विस्फोट में फरहीन उर्फ शगुफ्ता शेख लियाकत, शेख मुश्ताक यूसुफ, शेख रफीक मुस्तफा, इरफान जियाउल्लाह खान, सैयद अजहर सैयद निसार, और हारून शाह मोहम्मद शाह जैसे 6 लोगों की मौत हो गई थी जबकि 100 से अधिक लोग घायल हुए थे। 29 सितंबर 2008 को रमजान के पवित्र महीने और नवरात्रि से ठीक पहले, मालेगांव के भीकू चौक पर एक मोटरसाइकिल में बम विस्फोट कर इस घटना को अंजाम दिया गया था। इस घटना के बाद देश में व्यापक विवाद व सांप्रदायिक तनाव पैदा हो गया था। यही वह घटना थी जिसमें प्रज्ञा सिंह ठाकुर, लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद श्रीकांत पुरोहित, रिटायर्ड मेजर रमेश उपाध्याय, अजय राहिरकर, सुधाकर द्विवेदी, सुधाकर चतुर्वेदी, और समीर कुलकर्णी जैसे लोगों पर गैर कानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए), भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत आरोप लगाए गए थे। अभियोजन पक्ष ने यह दावा किया था कि जिस मोटरसाइकिल में विस्फोटक लगाकर उड़ाया गया था वह प्रज्ञा ठाकुर के नाम पर थी जबकि कर्नल पुरोहित ने विस्फोटक सामग्री यानी आर डी एक्स उपलब्ध कराई थी। उस समय ए टी एस ने यह दावा भी किया था कि यह हमला दक्षिणपंथी संगठन अभिनव भारत की साजिश के तहत किया गया था। इसी तरह एक और बहुचर्चित मामला दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री और आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता सत्येंद्र जैन से जुड़ा है। गत 4 अगस्त 2025 को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने सत्येंद्र जैन के खिलाफ एक मामले में सी बी आई की क्लोजर रिपोर्ट स्वीकार कर ली। इस मामले में सत्येंद्र जैन पर लोक निर्माण विभाग में अनियमित नियुक्तियों का आरोप था। परन्तु अदालत ने पिछले दिनों इसी मामले में अपना फैसला सुनाते हुये कहा कि सी बी आई को लंबी जांच के बाद भी जैन के खिलाफ कोई आपराधिक सबूत नहीं मिले। अब आरोप लग रहा है कि ई डी ने जैन के विरुद्ध बिना ठोस सबूतों के कार्रवाई की। क्योंकि एजेंसी ने जैन के घर से नकद या सोना बरामद होने का जो दावा किया था अदालत ने उन दावों को ही झूठा माना और ई डी को फटकार भी लगाई। इन आरोपों में अपनी संलिप्तता से पूर्व दिल्ली सरकार में स्वास्थ्य, बिजली, गृह, और पी डब्ल्यू डी जैसे महत्वपूर्ण विभागों के मंत्री जैसे गरिमामयी पद पर थे।

उदाहरणार्थ उपरोक्त तीनों मामलों का जिक्र यहाँ इसीलिये किया जा रहा है क्योंकि यह मामले न केवल हैं प्रोफ़ाइल थे बल्कि इन मामलों का गहरा सम्बन्ध देश की राजनीति से भी था। मीडिया में इन सभी मामलों ने भरपूर सुर्खियां बटोरी थीं और पक्षपाती मीडिया ने भी इन मामलों में अपने तरीके से मिडिया ट्रायल भी चलाया था। अन्यथा निश्चित रूप से ऐसे और भी फैसले आये दिन होते होंगे जिनमें वर्षों तक जेल भुगतने के बाद या जेल में मौत हो जाने के बाद आरोपियों को सुबूतों, साक्ष्यों व गवाहों के अभाव के चलते बरी कर दिया जाता हो। इन परिस्थितियों में कुछ महत्वपूर्ण सवाल उठने लाजिमी हैं। अदालतें यदि किसी भी आरोपी को साक्ष्यों व गवाहों के अभाव के कारण बरी करती हैं तो वह निश्चित रूप से स्वागत योग्य है। क्योंकि हमारे देश की न्याय व्यवस्था का यह कथन है कि भले ही सौ गुनहगार रिहा हो जाएँ परन्तु किसी एक भी बेगुनाह को सजा नहीं होनी चाहिये। जाहिर है इस कथन के तहत जांच एजेंसियों की रिपोर्ट्स का अति सूक्ष्म अध्यन व गवाहों से भरसक जिरह करना अदालत का दायित्व है।

परन्तु हम जांच एजेंसियों की दोषसिद्धि दर की भी अनदेखी नहीं कर सकते। मिसाल के तौर पर जब विपक्षी नेताओं के विरुद्ध सीबीआई और ईडी की कार्रवाई करती है तो सजा की दर केवल 1% होती है। जैसा कि राज्यसभा में एक सवाल के जवाब में बताया गया था। हो सकता है कि यह आंकड़ा विशेष रूप से राजनीतिक मामलों तक ही सीमित हो परन्तु इसका दूसरा अर्थ यह भी है कि क्या जांच एजेंसियों की कार्रवाइयां भी पूर्वाग्रह से प्रेरित तथा सत्ता के इशारे पर की जाती हैं? इसी तरह आतंकवाद से संबंधित मामलों में ठोस सबूत जुटाना मुश्किल होता है, क्योंकि कई बार गवाह डर के कारण सामने नहीं आते या सबूत अपर्याप्त होते हैं। तो भी आरोपियों को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया गया। कई बार हमारे देश में लंबी व जटिल कानूनी प्रक्रिया के चलते अक्सर द्वारा गिरफ़्तार किए गए संदिग्धों को निचली अदालतों में सजा मिलती है, लेकिन उच्च न्यायालयों या सर्वोच्च न्यायालय में अपील के बाद वे बरी हो जाते हैं। कुछ मामलों में तो 9 से 23 साल बाद पर्याप्त सबूत के अभाव में लोग बरी हुए थे। इसी तरह यूएपीए के तहत सजा की दर भी अपेक्षाकृत कम रही है। इसी आधार पर कभी 2008 में हुये जयपुर सीरियल बम धमाके में बॉम्बे हाईकोर्ट ने निचली अदालत द्वारा सजा पाए कुछ आरोपियों को 2023 में बरी कर दिया। तो कभी 2002 में हुये अक्षरधाम मंदिर हमले के मामले में 6 आरोपियों को गिरफ़्तार किया गया लेकिन बाद में सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें बरी कर दिया। ऐसी परिस्थितियों में जहां वर्षों बाद बरी होने वाले आरोपियों का जीवन बर्बाद हो जाता है और उनका पूरा परिवार गंभीर आरोपों के इस कलंक के साथ जीने के लिये अभिशप्त हो जाता है वहीं जांच एजेंसियों की विश्वसनीयता भी संदेह के दायरे में आ जाती है।

ट्रंप की धमकी बनाम राष्ट्रीय हित सर्वोपरि

\- किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर आज दुनियाँ का हर देश ट्रंप के राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने के बाद से उनके द्वारा दिए गए विभिन्न बयानों व व्यवहार से सख़्ती में है व सोचने के लिए मजबूर है कि, वह क्या करें? क्योंकि ट्रंप चुनावी वादों अमेरिका फर्स्ट, व मेक अमेरिका ग्रेट अगेन के लिए वित्त के विभिन्न स्रोतों का जुगाड़ कर रहे हैं, वह भी एक नए अंदाज में, टैरिफ का दबाव बनाकर! उन देशों को अपनी शर्तों, मांगों को मानने पर विवश कर रहे हैं, यह हमने देखे कि चीन पर 145 परसेंट तो कनाडा और पूरे यूरोपीय यूनियन तक सभी देशों में टैरिफ के माध्यम से दबाव का का खेला खेलने को हम देख रहे हैं, अब 1 अगस्त से भारत पर 25 परसेंट टैरिफ की घोषणा, फिर उसे संशोधन कर 7 अगस्त तक बढ़ाया जाना, फिर आज मंगलवार 5 अगस्त 2025 को देर शाम उन्होंने कहा कि भारत रूस से तेल लेकर अप्रत्यक्ष रूप से रूस यूक्रेन युद्ध में वित्तीय फंडिंग के रूप में मदद कर रहा है, उसे रूस से तेल खरीदना बंद करना होगा। अमेरिका अगले 24 घंटे में भारत पर टैरिफ बढ़ा देगा मैं एडवोकेट किशन सनमुख दास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं, चूँकि वह दिन अब लग गए जब भारत पर दबाव बनाकर उसके अटल इरादों को डगमगा दिया जाता था, अब भारत इतना आगे बढ़ चुका है कि वह अपनी मर्जी, अपने दम व अपनी शर्तों पर राष्ट्रहित सर्वोपरि पर काम करेगा, यानें मेक इन इंडिया व विजन 2047 को ध्यान में रखते हुए ही राष्ट्रहित में रणनीति बनाकर काम किया जाएगा। बता दें ट्रंप मेक अमेरिका ग्रेट अगेन व अमेरिकी फर्स्ट की नीति पर चल रहे हैं, जो उनके चुनावी वादे का एक हिस्सा है। अब भारत अमेरिका दोनों देश अपने राष्ट्र को ग्रेट बनाना चाहते हैं, जो अच्छी बात है। परंतु इसके लिए दबाव नीति रूपी अस्त्र का उपयोग करना उचित मानदंडों के खिलाफ है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे अमेरिका व यूरोपीय यूनियन द्वारा रूस पर लगाए प्रतिबंधों के बावजूद प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से ऊर्जा खरीद रहे हैं, तो भारत के साथ ऐसा प्रस्ताव क्यों? साथियों बात अगर हम ट्रंप की धमकी को ऊर्जा, राजनीति व दबाव की रणनीतिक कड़ी के रूप में देखें तो, ट्रंप की धमकी और अमेरिका का वास्तविक रुख:-डोनाल्ड ट्रंप ने 31 जुलाई और 5 अगस्त 2025 को दो बार भारत को धमकाया कि यदि रूस से तेल खरीदना बंद नहीं किया गया तो अमेरिका भारत पर 24 घंटे के भीतर बहुत बड़े टैरिफ लगा देगा। उन्होंने भारत पर आरोप लगाया कि वह:सस्ता तेल रूस से खरीदता है, उसे अंतरराष्ट्रीय बाजार में ऊँचे दामों पर बेचता है, और इस प्रकार युद्ध को फंड कर रहा है। लेकिन इस कथन में दो प्रमुख विरोधाभास हैं: (1) संयुक्त राज्य अमेरिका स्वयं 2024-25 में दुनिया का सबसे बड़ा तेल निर्यातक बन चुका है। (2) अमेरिका ने यूरोप को ऊर्जा आपूर्ति के लिए बड़े समझौते किए हैं जो रूस की जगह लेने के नाम पर खुद लाभ कमा रहे हैं। भारत पर अमेरिका की तेल नीति और शुल्क धमकी:-डोनाल्ड ट्रंप ने 31 जुलाई और 4-5 अगस्त 2025 को दोहराकर स्पष्ट किया कि भारत की रूस से तेल खरीद को वह युद्ध मशीन को ईंधन देना मानते हैं, और इस वजह से भारत से आयात पर 25पेर्सेंट से कहीं अधिक बहुत बड़ी टैरिफ वृद्धि करेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत रूस से तेल खरीदकरडिस्काउंट पर और फिर उसे ओपन मार्केट में मुनाफे के लिए बेचता है, रेउटर्स और इंडिया टाइम्स सहित रिपोर्टों के अनुसार, जनवरी-जून 2025 में भारत की कुल तेल खपत का लगभग 36-40 पेर्सेंट हिस्सा रूस से आया था अमेरिका और यूरोप स्वयं कितना तेल खरीद रहे हैं? यूरोपीय संघ:यूरोस्टाट के आंकड़ों के अनुसार अर्ली 2025 तक ईयू ने पेट्रोलियम ऑयल आयात में मार्च 2021 की तुलना में मूल्य में 56 पेर्सेंट वृद्धि, मात्रा में थोड़ा +0.3 पेर्सेंट बढ़ोतरी दर्ज की-हालांकि 2022 के बाद क्रमशः दोनों में गिरावट आई है। 2024 में ईयू ने अमेरिका से करीब 76 बिलियन मूल्य एलएनजी, पेट्रोलियम और कोयला आयात किया-कुल यूएस ऊर्जा निर्यात 318 बिलियन में से ईयू का हिस्सा लगभग 24 पेर्सेंट था यूरोप को आपूर्ति में यूएस का हिस्सा 2024 में एलएनजी में 44पेर्सेंट, तेल में 15.4पेर्सेंट था अमेरिका:- -अमेरिका ने 2024 में रोजाना औसतन 4.1 मिलियन बैरल/दिन क्रूड ऑयल निर्यात किया – 2023 से नए रिकॉर्ड को पार करते हुए यूरोपीय देशों में सबसे ज्यादा रों डिलीवरी नीदरलैंड को (लगभग 8.25 लाख ब/दिन), फिर जर्मनी, यूके आदि को हुई। उसी वर्ष भारत को अमेरिका की क्रूड ऑयल निर्यात में 32 पेर्सेंट की वृद्धि हुई- रूस से सस्ता तेल मिलने पर भी, भारत यूएस. क्रूड को भरपूर स्थान दे रहा है: लगभग 55,000 बैरल/दिन की बढ़ोतरी। साथियों बात अगर हम ट्रंप द्वारा भारत की रणनीतिक स्वायत्तता पर प्रश्न खड़ा करने की करें तो, ट्रंप ने कहा कि अगले 24 घंटे में (5-6 अगस्त 2025 तक) भारत पर आयात टैरिफ बहुत बड़े पैमाने पर बढ़ा सकते हैं, वर्तमान में 25 पेर्सेंट के स्थान पर 50 पेर्सेंट, 100 पेर्सेंट, या उससे भी ज्यादा तक यूएस. कांग्रेस में सैंक्शनिंग रूस एक्ट ऑफ 2025 प्रस्तावित है, जिसमें ऐसे देशों पर 500 पेर्सेंट सेकेंडरी टैरिफ लगाने का अधिकार राष्ट्रपति को दिया गया है जो रूसी ऊर्जा आयात करते हैं (विशेष रूप से भारत, चीन) यह बिल लिंडसे ग्राहम और रिचर्ड ब्लूमेंथाल द्वारा लाया गया है और समर्थन प्राप्त कर रहा है द्विपक्षीय संबंधों और आर्थिक प्रभाव यह तनाव, केवल तेल-सम्बंधित नहीं-भारत और यूएस के बीच व्यापार और विदेश नीति पर गहरा प्रभाव डाल रहा है, जिसमें कृषि और रक्षा संबंध शामिल हैं रेटिंग एजेंसीयों नेअनुमान लगाया कि रेसिप्रोकल टैरिफ्स से भारत को $ 7-18 बिलियन वार्षिक नुकसान हो सकता है, और जीडीपी वृद्धि रेट में मामूली गिरावट (0.2पेर्सेंट) आ सकती है जबकि तेल और ऊर्जा लागत में 11 बिलियन तक का इजाफा हो सकता है लेकिन भारत की नई उद्यमशील (स्टार्टअप्स) और बुनियादी व्यापारिक भरोसा अभी भी मजबूत बना हुआ है-उन्होंने भविष्य के लिए भारत में निवेश यकीनी माना है। संयुक्त दृष्टिकोण: अमेरिका और ईयू- जहाँ खुद ब्लॉक को रूसी ऊर्जा आयात से दूर करने की योजना चल रही है-वह सीमित दायरे में भारत पर ही कठोर हैं। यह विश्व राजनीति में भारत की रणनीतिक स्वायत्तता पर प्रश्न खड़े करता है। ऊर्जा नीति:-भारत को ऊर्जा सुरक्षा के लिए विविध स्रोतों से तेल प्राप्त करना महत्त्वपूर्ण है, हालाँकि यूएस. से निर्यात बढ़ना एक अवसर है लेकिन वो रूस से प्राप्त सस्ते स्रोत की जगह तुरंत नहीं ले सकते।

धराली में तबाही का जिम्मेदार कौन!

उत्तराखंड का धराली बाजार बादल फटने से एक बार फिर तबाह हो गया। इससे पहले तीन बार 1864, 2013 और 2014 में भी यहां बादल फटे थे और तबाही आई थी। हालांकि समय के साथ धराली बार-बार उठ खड़ा हुआ है। हो सकता है फिर से उठ खड़ा हो जाए। गंगोत्री धाम से करीब 18 किलोमीटर पहले बसा उत्तरकाशी जिले का धराली पहले गांव था, फिर कस्बा बना और अब बाजार बनकर गुलजार हो रहा था। यहां 25 से ज्यादा होटल और होम स्टे बन गए थे। कई सारे रेस्टोरेंट और दुकानें खुल गई थीं। गंगोत्री धाम जानेवाले पर्यटक यहां ठहरते और रात्रि विश्राम किया करते थे। गंगोत्री धाम जानेवालों के लिए धराली आखिरी पड़ाव होता है। आंकड़े बताते हैं कि पिछले साल गंगोत्री धाम में 6 लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किये थे। इस साल का आंकड़ा अभी सामने नहीं आया है। धराली की आबादी करीब एक हजार थी। मंगलवार दोपहर तक धराली के बाजार में चहल-पहल थी। बारिश के बावजूद मौसम सुहावना था। इस बीच, दोपहर करीब 1.15 बजे धराली के ऊपरी इलाके में बादल फटने से पहाड़ का मलबा महज 34 सेकेंड में धराली के बीचोंबीच बहनेवाली खीर नदी के रास्ते सब कुछ समेट ले गया। लगभग पूरा बाजार, 22 घर, कई होटल और होम स्टे जमींदोज हो गए। धराली में जो इक्का-दुक्का घर बचे भी हैं, उसमें करीब 8 फीट मलबा भरा हुआ है। जानमाल के नुकसान का पूरा ब्यौरा रिपोर्ट लिखे जाने तक नहीं मिल सका है। हादसे के दूसरे दिन शाम तक बचाव दल ने 400 से ज्यादा लोगों के रेस्क्यू करने का दावा किया है। उधर, प्रशासन ने 5 लोगों के मरने की पुष्टि की है, जिनमें एक का शव बरामद किया गया है। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, आईटीबीपी और सेना के जवान राहत और बचाव कार्य में हादसे के बाद से ही जुटे हुए हैं। हालांकि उत्तराखंड में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश बचाव दल का रास्ता रोक रही है। इधर, केरल के 28 सदस्यीय टूरिस्टों का दस्ता धराली हादसे के बाद से लापता बताया जाता है। उनके पारिवारिक सदस्यों ने मीडिया को बताया कि सभी लोग मंगलवार की सुबह धराली में थे और गंगोत्री धाम जाने की तैयारी कर रहे थे। अब हादसे के बाद उनसे कोई संपर्क नहीं हो पा रहा है। धराली स्थित प्राचीन कल्प केदार मंदिर भी मलबे में दफन हो गया है। बताया जाता है कि कल्प केदार मंदिर 1500 साल से ज्यादा पुराना है। उत्तरकाशी के लिए मंगलवार का दिन कुछ ज्यादा ही मनहूस रहा। यहां महज ढाई घंटे के भीतर धराली के अलावा हर्षिल और सुक्खी टॉप के पास भी बादल फटने की घटनाएं हुई। हर्षिल में भारतीय सेना का बेस कैंप है। एनडीआरएफ के डीआईजी के मुताबिक हादसे के बाद सेना के 11 जवान भी लापता हैं। उन्हें ढूंढने का अभियान जारी है। प्रशासन ने अभी तक सिर्फ धराली और हर्षिल हादसे का आधा-अधूरा ब्यौरा दिया है। सुक्खी टॉप में बर्बादी की जानकारी दूसरे दिन तक नहीं मिल पायी है। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और गृहमंत्री ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से बात की है। उन्होंने हर संभव मदद का भरोसा दिया है। हादसे के दूसरे दिन मुख्यमंत्री ने प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया है। वह राज्य के आपदा प्रबंधन के लोगों और सरकारी अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में हैं। लेकिन प्रकृति जब कोप में होती है तो आदमी बेबस हो जाता है। वरिष्ठ भू वैज्ञानिक प्रो. एसपी सती कहते हैं कि धराली ट्रांस हिमालय में मौजूद मेन सेंट्रल थर्स्ट में है।

आज का राशिफल

मेष – आज कई बदलावों का सामना करना पड़ सकता है। ये सरकार या व्यवस्था की ओर से हो सकते हैं।

तुला – मेहनत से पूरा करना होगा। किसी के भरोसे रहने से आपके जरूरी कार्य देरी से हो सकते हैं।

वृषभ – लक्ष्य को प्राप्त करने कड़ी मेहनत करनी होगी। इसी के चलते आप कामकाज में ज्यादा व्यस्त रह सकते हैं।

वृश्चिक – आज आपको किसी भी व्यक्ति पर जरूरत से ज्यादा भरोसा करने से बचना होगा।

मिथुन – व्यवसाय से जुड़ी कुछ समस्याओं का सामना कर रहे थे तो अब उनसे छुटकारा मिल सकता है।

धनु – आज कोई अच्छी खबर आपको सुनने को मिल सकती है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

कर्क – कार्यों से जुड़े लोगों को दिन अच्छा रहने वाला है। आपके लिए उन्नति के नए रास्ते खुल सकते हैं।

मकर – आज आपको कई प्रकार की उलझनों का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह – आज की गई मेहनत अब लाभकारी सिद्ध होगी। आपको धीरे-धीरे लाभ प्राप्त होने लगेंगे।

कुंभ – लाभ होने की संभावना है, लेकिन फिर भी कोई बात आपके मन को परेशान कर सकती है।

कन्या – आज कार्यक्षेत्र में अपने कार्यों को पूरा करने पर अधिक ध्यान देना होगा।

मीन – आज अनुभवी या वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग मिलने से आपको लाभ प्राप्त हो सकता है।

विशेष

सदन आप चला रहे हैं या गृहमंत्री

संसद के मानसून सत्र के 12वें दिन विपक्ष का बिहार वोटर लिस्ट वेरीफिकेशन पर चर्चा कराने को लेकर संसद के दोनों सदनों में इंडिया गठबंधन के सांसदों द्वारा भारी हंगामा किया गया। राज्यसभा में बुधवार को चर्चा हो रही थी। राज्यसभा के नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने 1 जुलाई को सीआईएसएफ कमांडो बुलाने पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने ने सभापति की कुर्सी पर बैठे हरवंश नारायण सिंह के साथ तीखी नोक झोंक हुई। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, सदन आप चला रहे हैं, या गृहमंत्री चला रहे हैं। सीआईएसएफ के जवान मार्शल नहीं होते हैं। वह गृहमंत्री के अधीन आते हैं। आपके अधीन मार्शल होते हैं। इसको लेकर राज्यसभा में भारी हंगामा हुआ। सभापति को राज्यसभा की कार्यवाही को स्थगित करना पड़ी।

कुबरेश्वर धाम में भगदड 2 की मौत

मध्य प्रदेश के सीहोर में एक कुबरेश्वर धाम की स्थापना की गई है। कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा द्वारा इस धाम की स्थापना कुछ वर्षों पहले ही की गई है। इन्होंने रुद्राक्ष बांटना शुरू किया। भोले- भाले लोगों को रुद्राक्ष के नाम पर चमत्कार की बात कही। चमत्कार के नशे मे चूर भक्त इनके धाम में भारी भीड़ एकत्रित होती है। कई किलोमीटर का राजमार्ग बंद हो जाता है। मंगलवार को लाखों श्रद्धालु कावड़ यात्रा में शामिल होने के लिए धाम आ गए। भगदड़ में दो महिलाओं की मौत हो गई। कई महिलाएं और पुरुष अस्पताल में भर्ती हैं। सीहोर जिला पुलिस ने 400 से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया था। इसके बाद भी भगदड़ को नहीं रोका जा सका।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1502: फ्रांसिसियों ने स्पेनियों को दक्षिणी इटली से खदेड़ दिया. 1647: इंग्लैंड की सेना ने राजशाही द्वारा प्रस्ताव अस्वीकृत किए जाने के बाद लंदन मार्च किया. 1941: रवीन्द्रनाथ टैगोर का निधन. 1964: कांगो गणराज्य की स्थापना हुई. 1971: अमरीकी अपोलो 15 के तीनों अंतरिक्षयात्री प्रशांत महासागर में सुरक्षित उतरे. 1982: जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री शेख अब्दुल्ला का निधन. 1985: गीत सेठी को विश्व अमेच्योर बिलियर्ड चैंपियन बने. 1986: मिजोरम को राज्य का दर्जा मिला. 1988: बंगलादेश में 200 लोगों को ले जा रही नावें डूब गयी. 1992: चीन ने अमरीका को कैदियों द्वारा निर्मित सामानों के निर्यात की जांच का समझौता किया. 1999: केंद्रीय मंत्री कल्पनाथ राय का निधन. 2001: बिहार के खगड़िया जिला में कुख्यात दस्यु सरगना सहेंद्र पहलवान ने भागलपुर जिले के दस्यु सरगना कुंदन यादव गिरोह के 22 लोग को मार दिए।

दैनिक पंचांग

अगस्त 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

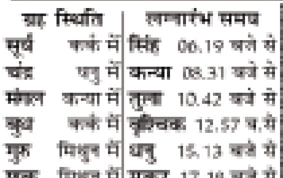

2025 वर्ष का 219 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम ऋतु वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 शक संवत् 1947
मास श्रावण पक्ष शुक्ला
तिथि त्रयोदशी 14.28 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पूर्वाषाढ़ा 14.01 बजे को समाप्त।
योग विष्कुम्भ 06.42 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 14.28 बजे तदन्तर गर 02.25 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 13.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 16° 24'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872429
जूलियन दिन 2460894.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना सफर
तारीख 12

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	06.19 बजे से
चंद्र	धनु में	कन्या	08.31 बजे से
मंगल	कन्या में	तुला	10.42 बजे से
बुध	कर्क में	वृश्चिक	12.57 ब.से
गुरु	मिथुन में	धनु	15.13 बजे से
शुक्र	मिथुन में	मकर	17.18 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	19.04 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	20.37 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	22.08 बजे से
		वृष	23.48 बजे से
राहुकाल	1.30 से 3.00 बजे तक	मिथुन	01.46 बजे से
		कर्क	03.59 बजे से

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। - Jagruldaur.com, Bangalore

झरिया के पूर्व विधायक संजीव सिंह को सुप्रीम कोर्ट से जमानत, नीरज सिंह हत्याकांड में जेल में थे बंद

धनबाद, एजेंसी। अपने चचेरे भाई पूर्व डिप्टी मेयर नीरज सिंह समेत चार की हत्या के षड्यंत्र में आठ साल से जेल में बंद झरिया के पूर्व भाजपा विधायक संजीव सिंह को शुक्रवार को सर्वोच्च न्यायालय से बड़ी राहत मिली है।

संजीव सिंह के अधिवक्ता मो. जावेद ने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति बीआर गवई, न्यायमूर्ति विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति एनबी अंजारिया की खंडपीठ ने वरीय अधिवक्ता सन्नी चौधरी की दलीलें सुनने के बाद संजीव सिंह को जमानत पर मुक्त करने का आदेश दिया है।

सर्वोच्च न्यायालय का आदेश ट्रायल कोर्ट पहुंचते ही वह जमानत पर मुक्त हो जाएंगे। संजीव सिंह 11 अप्रैल 2017 से न्यायिक हिरासत में जेल में हैं। इसके पूर्व संजीव सिंह की जमानत अर्जी तीन बार निचली अदालत से व तीन बार उच्च न्यायालय से खारिज हो चुकी थी।

अधिवक्ता मो. जावेद ने बताया कि उनकी ओर से यह तर्क दिया गया कि इस मामले के आरोपित पिंटू सिंह, संजय सिंह, धनजी सिंह, चंदन सिंह और कुर्बान की जमानत सर्वोच्च न्यायालय से एवं रिंकू सिंह तथा डबलू मिश्रा की जमानत उच्च न्यायालय से हो चुकी है।

सात बीमारियों से हैं ग्रसित- अधिवक्ता की दलील थी कि संजीव सिंह सात विभिन्न प्रकार की बीमारियों से गसित हैं। अभी तक मामले की सुनवाई पूरी नहीं हो पाई है, यह उनके संवैधानिक अधिकार का उल्लंघन है। जेल में संजीव की स्थिति लगातार बिगड़ रही है।

उन्होंने बताया कि संजीव के विरुद्ध पुलिस ने 28 जून 2017 को आरोपपत्र दायर किया था। तीन जनवरी 19 को अदालत ने संजीव समेत छह के विरूद्ध आरोप का गठन कर दिया था। वर्तमान समय में मुकदमे में बचाव पक्ष की ओर से बहस चल रही है।

स्टीलगेट में हुई थी ताबड़तोड़ फायरिंग

21 मार्च 2017 की शाम करीब सात बजे नीरज सिंह, अशोक यादव, निजी अंगरक्षक मुन्ना तिवारी एवं ड्राइवर घोल्टू की हत्या अंधाधुंध गोलियां चलाकर स्टील गेट में की गई थी। नीरज के भाई अभिषेक सिंह उर्फ गुड्डू सिंह की शिकायत पर प्राथमिकी सरायढेला थाना में विधायक संजीव सिंह, भाई मनीष सिंह, पिंटू सिंह, गया सिंह, महंत पांडेय के विरुद्ध की गई थी।

पुलिस ने संजय सिंह, डबलू मिश्रा, धनजी सिंह, पिन्टू सिंह, संजीव सिंह, अमन सिंह, सोनू उर्फ कुर्बान, सागर उर्फ शिबू, चंदन उर्फ सतीश एवं विनोद कुमार सिंह को इस मामले में गिरफ्तार कर जेल भेजा था।

सारंडा में आईईडी ब्लास्ट, कोबरा के 2 जवान घायल

मनोहरपुर (पश्चिमी सिंहभूम), एजेंसी। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले के जराइकेला थाना क्षेत्र में सारंडा जंगल के बीहड़ दीघा के पास हिंदूउली में शुक्रवार को आईईडी विस्फोट हुआ. इसमें कोबरा बटालियन के 2 जवान घायल हो गये. घटना सुबह करीब 10-40 बजे की

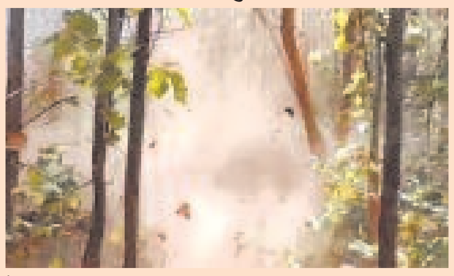

है. जवान नक्सलियों के खिलाफ एलआरपी (लांग रेंज पेट्रोलिंग) पर निकले थे. इसी दौरान वे आईईडी की चपेट में आ गये. विस्फोट में 2 जवान घायल हुए हैं. दोनों जवानों को सारंडा जंगल से निकालकर एयरलिफ्ट कर बेहतर इलाज के लिए रांची रेफर किया गया.

हालांकि, समाचार लिखे जाने तक इसकी अधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है. घायल जवानों को हेलीकॉप्टर से रांची भेजने की तैयारी की जा रही है, जहां बेहतर इलाज किया जाएगा. इस क्षेत्र में सक्रिय नक्सली संगठन भाकपा माओवादी के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा और अनमोल समेत कई हार्डकोर सदस्य सक्रिय हैं. सुरक्षा बलों की टीम लगातार इस क्षेत्र में अभियान चला रही है और नक्सलियों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है. नक्सलियों ने सुरक्षा बलों से बचने के लिए जगह-जगह जंगलों में आईईडी लगा रखे हैं.

झरिया के पूर्व विधायक संजीव सिंह को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत, नीरज सिंह हत्याकांड में मिली जमानत

धनबाद, एजेंसी। धनबाद-झरिया के पूर्व विधायक संजीव सिंह को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिली है. वे धनबाद के पूर्व डिप्टी मेयर नीरज सिंह समेत चार लोगों की हत्या मामले में 2017 से जेल में बंद हैं. भाजपा के पूर्व विधायक ने जमानत के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था. वहां से उन्हें राहत मिली है. करीब सात साल से वे जेल में बंद हैं.

धनबाद के पूर्व डिप्टी मेयर नीरज सिंह की हत्या मामले में आरोपी झरिया के पूर्व विधायक संजीव सिंह को निचली अदालत से जब जमानत नहीं मिली तो उन्होंने झारखंड हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था. यहां से भी उन्हें राहत नहीं मिली थी. इसके बाद वे जमानत के लिए सुप्रीम कोर्ट गए थे. आखिरकार उन्हें राहत मिली.

धनबाद के पूर्व डिप्टी मेयर नीरज सिंह की हत्या मामले में पूर्व विधायक संजीव सिंह 11 अप्रैल 2017 से जेल में हैं. 21 मार्च 2017 को सरायढेला में नीरज सिंह सहित चार लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी. 23 मार्च को सरायढेला थाने में नीरज के भाई अभिषेक सिंह की लिखित शिकायत पर पिंटू सिंह, मनीष सिंह, महंत पांडेय, गया प्रताप सिंह और अन्य के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज करायी गयी थी. बाद में इस केस में शूटरों के अलावा अन्य लोगों की गिरफ्तारी हुई थी. गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के बाद पुलिस ने झरिया के तत्कालीन विधायक संजीव सिंह को गिरफ्तार किया था. तब से वे जेल में ही हैं. पूर्व विधायक संजीव सिंह की ओर से जमानत याचिका सुप्रीम कोर्ट में दायर की गयी. सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट से आज जमानत मिली है.

अनुभव और युवा जोश का संगम थी शिबू सोरेन और निर्मल महतो की जोड़ी

जमशेदपुर, एजेंसी। आठ अगस्त को हर साल झारखंड आंदोलन के महान सपूत शहीद निर्मल महतो का शहादत दिवस मनाया जाता है. झारखंड राज्य की मांग को लेकर चले ऐतिहासिक आंदोलन में 2 प्रमुख नेताओं दिशोम गुरु शिबू सोरेन और निर्मल महतो की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही.

यद्यपि, दोनों अलग-अलग पीढ़ियों और विचारधाराओं से थे, लेकिन झारखंडी अस्मिता और स्वाभिमान की रक्षा के लिए उनका एकजुट होना आंदोलन के लिए मील का पत्थर साबित हुआ. हर कदम पर दिशोम गुरु की छाया में निर्मल महतो ने न केवल आंदोलन को तेज गति प्रदान की, बल्कि आम जनता को भी आंदोलित कर एक साझा लक्ष्य की ओर प्रेरित किया.

शिबू सोरेन और निर्मल महतो की साझी रणनीति, समर्पण और नेतृत्व क्षमता ने झारखंड आंदोलन को सशक्त आधार और जन समर्थन प्रदान किया, जिसका परिणाम झारखंड राज्य के रूप में सबके सामने है.

रांची यूनिवर्सिटी में पीएचडी इंट्रेंस पर रोक, 2374 अभ्यर्थियों की 47.5 लाख रूपए जमा फीस भी अटकी

रांची, एजेंसी। झारखंड के विश्वविद्यालयों में पीएचडी प्रवेश परीक्षा पर फिलहाल रोक लगा दी गई है। राज्यपाल सह कुलाधिपति संतोष कुमार ने यह निर्णय हाल ही में कुलपतियों की बैठक के बाद लिया। इस आदेश से रांची विश्वविद्यालय में आवेदन कर चुके 2374 छात्र अनिश्चितता की स्थिति में हैं। छात्रों ने सात महीने पहले प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन दिया था। प्रत्येक ने 2000 का शुल्क भी जमा किया था। परीक्षा रद्द होने से कुल 47.48 लाख की राशि विवि के पास जमा है। लेकिन शुल्क वापसी को लेकर अब तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है। इस प्रवेश परीक्षा के माध्यम से 22 विषयों में 463 सीटों पर पीएचडी में नामांकन होना था, लेकिन इस प्रक्रिया पर पूर्ण विराम लग गया है। छात्रों का कहना है कि समय पर परीक्षा आयोजित कर ली जाती, तो यह स्थिति नहीं आती। ऐसे शुल्क वापस किया जाए।

जेपीएससी की भूमिका भी सवालों में- सरकार ने पहले जेपीएससी को झारखंड पात्रता परीक्षा (जेट) आयोजित करने की जिम्मेदारी सौंपी थी। पिछले साल मई-जून 2024 में परीक्षा आयोजित करने की घोषणा भी हुई थी। पर, इसके बाद जेपीएससी ने कोई अपडेट नहीं दिया, जिससे छात्रों में निराशा बढ़ गई है।

अब ऐसे मिलेगा पीएचडी में दाखिला- राज्य के विश्वविद्यालयों में अब पीएचडी में दाखिला यूजीसी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) के माध्यम से ही लिया जाएगा। यूजीसी की तीन कैटेगरी जेआरएफ, नेट और पीएचडी एंट्रेंस टेस्ट में से किसी एक में सफल अभ्यर्थी को ही प्रवेश मिल पाएगा।

राज्य में पहली बार डिफेंस एक्सपो 17 सितंबर से, व्यापारी लाभ उठाएं : परेश

रांची, एजेंसी। झारखंड चैंबर की आईटी उप-समिति की बैठक चैंबर भवन में उपसमिति चेयरमैन मनोज कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में हुई। इसमें राज्य की आईटी नीति को और अधिक प्रभावशाली और व्यावसायिक हितों के अनुकूल बनाने के लिए सदस्यों ने बहुमूल्य सुझाव दिए और उपसमिति ने सांकेतिक आईटी पालिसी-2025 के ड्राफ्ट का अवलोकन किया। एनआईईएलआईटी के सहयोग से एक प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित करने पर भी विचार किया गया। सदस्यों ने आधुनिक तकनीक पर भी चर्चा की। डिजिटल नवाचारों के माध्यम से व्यापार को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की संभावनाओं पर गहन विचार किया गया। बैठक में उपाध्यक्ष राहुल साबू, ज्योति कुमारी, विकास विजयवर्गीय, नवजोत अलंग, रोहित अग्रवाल, रोहित पोद्दार, आस्था किरण, उपसमिति चेयरमैन मनोज मिश्रा, अल्तमश आलम समेत अन्य सदस्य थे।

झारखंड चैंबर की उद्योग उप समिति की बैठक बुधवार को चैंबर अध्यक्ष परेश गट्टानी की अध्यक्षता में चैंबर भवन में हुई। इसमें 17 से 19 सितंबर को रांची में होने वाले डिफेंस एक्सपो पर चर्चा की गई। कहा गया कि ज्यादा से ज्यादा व्यापारी इस एक्सपो में सम्मिलित हो, लाभान्वित हो सकें और अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाएं। चैंबर अध्यक्ष परेश गट्टानी और महासचिव आदित्य मल्होत्रा ने कहा कि झारखंड में डिफेंस एक्सपो पहली बार होने जा रहा है। झारखंड के व्यापारियों के लिए यह बहुत ही सुनहरा अवसर है कि व्यापारियों को इस अवसर का लाभ अवश्य उठाना चाहिए। उप समिति चेयरमैन बिनोद अग्रवाल और अजय भंडारी ने कहा कि इस कार्यक्रम में बीटूबी मीटिंग भी है, जिसमें व्यापारी और डिफेंस का सीधा समन्वय हो सकेगा। इसका सीधा लाभ व्यापारियों को उठाना चाहिए। इसके साथ राज्य सरकार से यह मांग की गई कि राज्य सरकार अपने सभी विभागों में सलाहकार समिति बनाए और सभी विभागों में स्टेकहोल्डर्स को सम्मिलित किया जाए, ताकि स्टेकहोल्डर्स अपने विचार और सुझाव सीधा रख सकें। इस बात पर भी चर्चा हुई कि विभागों द्वारा जो बैठक की सूचना दी जाती है, वह बैठक के कुछ घंटे पहले सूचित की जाती है, जिससे प्रतिनिधि बैठक में सम्मिलित नहीं हो पाते हैं। विभाग से अनुरोध किया गया कि बैठक की सूचना 2-3 दिन पहले दी जाए।

झारखंड में बिजली विभाग की लापरवाही ने ली लाइनमैन की जान

चक्रधरपुर (पश्चिमी सिंहभूम), एजेंसी। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले के लांदुपोदा गांव में 1 अगस्त को बिजली के झटके से गंभीर रूप से घायल लाइनमैन श्याम सुंदर रजक की इलाज के दौरान जमशेदपुर के टीएमएच अस्पताल में मौत हो गयी. उसने ऑपरेशन के दौरान दम तोड़ दिया. श्याम सुंदर रजक लोटापहाड़ का रहनेवाला था. 11 हजार वोल्ट की मेन लाइन की मरम्मत के दौरान करंट की चपेट में आ गया था.

लाइनमैन श्याम सुंदर रजक कराईकेला के लांदुपोदा गांव में बिजली मरम्मत का कार्य कर रहा था. नियमानुसार बिजली विभाग से शटडाउन लिया गया था, लेकिन काम पूरा हुए बिना ग्रिड से लाइन चालू कर दी गयी थी. इससे लाइनमैन श्याम सुंदर रजक सीधे 11 हजार वोल्ट की चपेट में आ गया. बिजली के जोरदार झटके से वह ट्रांसफॉर्मर से सीधे नीचे गिर पड़ा. उसका 40 प्रतिशत शरीर जल चुका था. उन्हें बेहतर इलाज के लिए टीएमएच ले जाया गया, लेकिन नहीं बचाया जा सका. श्याम सुंदर रजक के निधन से क्षेत्र में शोक की लहर है. साथियों और ग्रामीणों ने इस घटना की उच्चस्तरीय जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है. लाइनमैन श्याम सुंदर की मौत से उसके परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है. उसके घर में श्याम सुंदर ही अकेला कमाने वाला था. उसकी कमाई से घर का भरण-पोषण होता था. उसके घर में उनकी पत्नी, माता-पिता और एक बड़ा भाई है.

देवघर में खुलेगा मेडिकल कॉलेज और आधुनिक अस्पताल, स्वास्थ्य सचिव ने चिन्हित जमीन का किया निरीक्षण

देवघर, एजेंसी। जिले को संथाल क्षेत्र का मेडिकल हब बनाने के लिए जिला प्रशासन और राज्य सरकार लगातार दावा करती दिख रही है. इस दावे को धरातल पर लाने के लिए देवघर में 420 बेड का मेडिकल कॉलेज खोला जा रहा है. जिसके लिए राज्य सरकार की ओर से जमीन चिन्हित कर लिया गया है.

420 बेड का होगा आधुनिक अस्पताल- दरअसल, देवघर के सारवा प्रखंड के डहुआ पंचायत में राज्य सरकार ने पब्लिक प्राइवेट मोड पर अस्पताल खोलने का निर्णय लिया है. झारखंड के मुख्य स्वास्थ्य सचिव अजय कुमार ने देवघर में चिन्हित किए गए जमीन का निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने कहा कि साढ़े 13 एकड़ जमीन चिन्हित किया गया है. जहां पर 420 बेड का एक आधुनिक अस्पताल बनाया जाएगा. अस्पताल के साथ-साथ 100 सीट का मेडिकल कॉलेज भी क्रियान्वित होगा.

उन्होंने कहा कि अगले दो वर्षों में अस्पताल का निर्माण हो जाएगा और

उसके बाद अगले कुछ वर्षों में मेडिकल कॉलेज खोलने की प्रक्रिया भी पूरी कर ली जाएगी. इस अस्पताल को सदर अस्पताल से जोड़ा जाएगा और सदर अस्पताल का एक स्पेशल विंग भी इसके आसपास बनाया जाएगा. दहुआ में अस्पताल खुलने से साहिबगंज, पाकुड़, दुमका, गोड्डा, जामताड़ा के मरीजों को एक सरकारी आधुनिक अस्पताल मिल पाएगा.

अस्पताल निर्माण की मिलेगी स्वीकृतिः मुख्य सचिव- राज्य के मुख्य स्वास्थ्य सचिव अजय कुमार ने कहा कि इसे लेकर भारत सरकार के साथ बातचीत जारी है. बातचीत पूरी होते ही इस अस्पताल के निर्माण की स्वीकृति दे दी जाएगी. अस्पताल खुलने से आसपास के लोगों को रोजगार के भी अवसर मिलेंगे. साथ ही ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले लोगों को शहर का रुख नहीं करना पड़ेगा. चिन्हित किए गए जमीन का निरीक्षण करने पहुंचे स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव अजय कुमार के साथ सिविल सर्जन युगल प्रसाद सहित कई अला अधिकारी मौजूद रहे.

पलामू रेंज में स्पेशल ड्राइव चलाकर 88 अपराधी गिरफ्तार

मेदिनीनगर (पलामू), एजेंसी। पलामू प्रक्षेत्र के आईजी सुनील भास्कर के निर्देश पर पलामू, गढ़वा और लातेहार जिलों में चलाए गए विशेष अभियान (स्पेशल ड्राइव) के तहत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। तीनों जिलों में 88 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। वहीं, 15 शातिर अपराधियों पर गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है।

इस अभियान का उद्देश्य कानून-व्यवस्था को मजबूत करना, आपराधिक तत्वों पर नकेल कसना और आम जनता में सुरक्षा का भाव पैदा करना था। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यह ड्राइव पूरी तरह टारगेटेड और इंटेलिजेंस आधारित थी, जिसमें सभी थानों की सक्रिय भूमिका रही।

आईजी सुनील भास्कर के नेतृत्व में तीनों जिलों के एसपी और डीएसपी स्तर के अधिकारियों को निर्देशित किया गया था कि वे थाना क्षेत्रवार वांछित अपराधियों, बेल जम्परों, वारंटियों और सक्रिय गैंग के सदस्यों की पहचान कर तत्काल कार्रवाई करें। इसके बाद सभी जिलों में 24 से 72 घंटे तक विशेष सर्च ऑपरेशन चलाया गया।

इस ऑपरेशन के तहत जिसमें विभिन्न थाना क्षेत्रों से 88 अपराधी गिरफ्तार किए गए। 15 गैंगस्टरों पर झारखंड गैंगस्टर एक्ट के तहत केस दर्ज कर विधिवत कार्रवाई शुरू की गई। कई पुराने मामलों के फरार अभियुक्तों को दबोचा गया।

अपराधियों को नहीं मिलेगा कोई छूट- आईजी- आईजी सुनील भास्कर ने कहा कि तीनों जिलों में सक्रिय अपराधियों की लिस्ट बनाकर यह स्पेशल ड्राइव शुरू किया गया था। हमारी प्राथमिकता है कि हर हाल में कानून व्यवस्था कायम रहे। अपराधी या असामाजिक तत्व अब पुलिस की नजर से नहीं बच सकते।

गैंगस्टर एक्ट के तहत उन अपराधियों पर कार्रवाई की जाती है, जो लगातार संगठित अपराध में लिप्त होते हैं। इसमें दोषी पाए जाने पर लंबी सजा, संपत्ति जब्ती और गैंग के सदस्यों की गिरफ्तारी तक की कार्रवाई की जाती है।

पलामू रेंज में 15 ऐसे अपराधियों की पहचान कर उन पर गैंगस्टर एक्ट के तहत केस दर्ज किए गए हैं, जो पिछले कई महीनों से संगठित रूप से आपराधिक गतिविधियों को अंजाम दे रहे थे।

पारिवारिक विवाद में महिला की संदिग्ध मौत, जांच में जुटी पुलिस

तरहसी (पलामू), एजेंसी। तरहसी थाना क्षेत्र के श्रीकेदाल गांव में शुक्रवार को 23 वर्षीय सुमन कुमारी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार घटना पारिवारिक विवाद से जुड़ी हो सकती है। आशंका है कि महिला ने कीटनाशक दवा का सेवन कर आत्महत्या की, हालांकि पुलिस इसकी पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही करेगी।

मृतका की पहचान श्रीकेदाल निवासी पिंटू गिरी की पत्नी सुमन कुमारी के रूप में हुई है। बताया कि शादी को कुछ वर्ष हो चुके थे और घटना के दिन पति-पत्नी के बीच तनाव की स्थिति बनी थी। इसके कुछ समय बाद ही महिला की अचानक तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद परिजन उसे अस्पताल ले जाने की तैयारी में जुटे, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

सूचना मिलने पर तरहसी थाना प्रभारी आनंद राम के नेतृत्व में पुलिस दल मौके पर पहुंचा और

शव को अपने कब्जे में लेकर कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए पोस्टमार्टम के लिए मेदिनीनगर सदर अस्पताल भेज दिया।

थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की गहराई से जांच की जा रही है। घटना के सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मायके पक्ष और स्थानीय गवाहों से पूछताछ की जा रही है। अभी तक मृतका के मायके वालों से कोई लिखित शिकायत नहीं मिली है। आवेदन मिलते ही त्वरित कार्रवाई की जाएगी।

रक्षाबंधन आज... श्रवण नक्षत्र व सर्वार्थ सिद्धि योग में बहनें दिनभर बांधेंगी राखी

रांची , एजेंसी। भाई-बहन के अटूट रिश्ते का त्योहार रक्षाबंधन नौ अगस्त को मनाया जाएगा। इस दिन बहुत ही शुभ और दुर्लभ योग का संयोग बनने जा रहा है। श्रावण माह की पूर्णिमा और रक्षाबंधन एक ही दिन मनाया जाता है। इस बार स्नान-दान की पूर्णिमा 9 अगस्त को मनाई जाएगी।

उदयातिथि के होने के कारण रक्षाबंधन का त्योहार 9 अगस्त को मनाया जाएगा। बहनें दिनभर राखी बांध सकेंगी। पंडित प्रणव मिश्रा ने कहा कि रक्षाबंधन पर गुरु और शुक्र की युति है। साथ ही श्रावण माह का समापन शनिवार के दिन होगा, जिसमें चंद्रमा शनि के कुंभ राशि में विराजमान होंगे। इससे शनिदेव के साथ-साथ शिवजी की भी विशेष कृपा प्राप्त होगी।

9 अगस्त को सूर्योदय के बाद से पूरे दिन राखी का त्योहार मनाया जाएगा। पंडित ने कहा कि इस रक्षाबंधन में श्रवण नक्षत्र होने से सर्वार्थ सिद्धि योग बन रहा है, जो अति शुभ फलदायक है। श्रवण नक्षत्र के साथ आयुष्मान योग, सौभाग्य

योग, सर्वार्थ सिद्धि योग और जयद योग के शुभ संयोग में रक्षाबंधन मनाया जाएगा। ज्योतिष शालिनी वैद्य ने कहा कि इस दिन बहनें भाई की लंबी आयु, स्वास्थ्य और सफलता की कामना कर कलाई पर रक्षा सूत्र बांधती हैं। भाई-बहन को आजीवन रक्षा का वचन देता है।

नेपाली समाज में रक्षाबंधन के दिन बहनें सबसे पहले भाई को चावल का तिलक लगाती हैं। इसके बाद मुंह मीठा कराकर राखी बांधती हैं। इसके अलावा जिनके भाई या बहन नहीं होते वे मंदिर जाकर पंडित से रक्षा सूत्र बंधवाते हैं। मारवाड़ी समाज में महिलाएं रक्षाबंधन से एक दिन पहले दुकान, ऑफिस व घर की दीवारों पर गोबर, चूना से स्वास्तिक बनाकर राम राम लिखती हैं। रक्षाबंधन के दिन खीर-चूरमा, रोली, मौली, चावल व अन्य पूजन सामग्री से पूजा कर कच्चा धागा या राखी लगाती हैं। इसके बाद रक्षाबंधन का त्योहार मनाया जाता है।

ब्रह्मर्षि समाज में रक्षाबंधन के दिन सबसे पहले शिरा बाबा (कुलदेवता) की पूजा की जाती है। यह पूजा घर की सबसे बड़ी महिला ही करती है। इस दौरान वे अपने कुलदेवता को विधिवत पूजा-अर्चना कर उन्हें तस्मई या खीर का भोग चढ़ाती हैं। कच्चे धागे की सूते की राखी बनाकर उन्हें बांधती है। परिवारों में भोग का वितरण किया जाता है। कुलदेवता की पूजा के बाद राखी का त्योहार मनाया जाता है। मलयाली समाज में रक्षाबंधन के दिन सबसे पहले भगवान अय्यप्पा का दर्शन करते हैं। इसके बाद रक्षाबंधन का त्योहार मनाया जाता है। चूंकि राखी त्योहार का प्रचलन साउथ में नहीं है। यहां रहने वाले मलयाली समाज में अब रक्षाबंधन का त्योहार मनाया जाने लगा है।

रक्षाबंधन पर लगभग दो घंटे तक रहेगा राहुकाल, क्या होगा राखी बांधने का शुभ मुहूर्त

रक्षाबंधन हिंदू धर्म का प्रमुख पर्व है, जिसे सावन महीने की पूर्णिमा तिथि पर मनाया जाता है। इस दिन बहनें भाई की कलाई पर उनकी लंबी उम्र और सुखी जीवन की कामना करते हुए राखी बांधती हैं। इसके बदले भाई अपनी बहन को जीवनभर सुरक्षा का वचन देता है। यही नहीं कुछ पैसे या उपहार भी उसे भेंट के रूप में देता है। रक्षाबंधन पर न केवल राखी का महत्व है बल्कि परिवार और रिश्तों में मिठास लाने के लिए दान-दक्षिणा, पूजा-पाठ जैसे पुण्य कार्य भी किए जाते हैं। भारत में हर साल राखी के त्योहार को भव्य आयोजन के साथ मनाया जाता है। यह लोगों में सामाजिक एकता और सद्भाव की भावना को बढ़ावा देता है। इस वर्ष 9 अगस्त 2025 को रक्षाबंधन है। इस दिन कई शुभ संयोग बने हुए हैं, जो पर्व की महत्ता को कई गुना बढ़ा रहे हैं। खास बात यह है कि इस वर्ष राखी पर भद्रा का साया भी नहीं हैं। परंतु राहुकाल होने के कारण राखी बांधने का सही समय क्या है, यह सवाल बना हुआ है।

कब समाप्त होगी भद्रा

पंचांग के मुताबिक सावन की पूर्णिमा पर भद्रा सूर्योदय से पहले समाप्त होगी। यह 8 अगस्त को दोपहर 02 बजकर 12 मिनट से शुरू होकर अगले दिन सुबह 1 बजकर 52 मिनट पर समाप्त होगी। चूंकि इस दिन सूर्योदय सुबह 5 बजकर 47 मिनट पर होगा। इसलिए रक्षाबंधन के पवित्र त्योहार पर भद्रा का साया मान्य नहीं होगा।

राहुकाल का समय

ज्योतिषियों के मुताबिक रक्षाबंधन पर राहुकाल सुबह 9 बजकर 07 मिनट से 10 बजकर 47 मिनट तक रहने वाला है। ऐसे में आप इस अवधि में भाई को राखी बांधने से बचें। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार राहुकाल में कोई भी नया और शुभ काम नहीं करना चाहिए। यह उचित नहीं होता है।

राखी बांधने का शुभ मुहूर्त

ज्योतिषियों की मानें तो रक्षाबंधन पर राखी बांधने का शुभ मुहूर्त सुबह 5 बजकर 47 मिनट से शुरू होगा। यह मुहूर्त इस दिन दोपहर के 1 बजकर 24 मिनट तक बना रहेगा। परंतु बीच की अवधि में सुबह 9.07-10.47 मिनट तक राहुकाल है, इसलिए आप इस समय को छोड़कर अपने भाई को राखी बांध सकती हैं।

रक्षाबंधन पर शुभ योग

इस बार राखी पर सर्वार्थ सिद्धि योग बना हुआ है, जो सुबह 5 बजकर 47 मिनट से दोपहर 2 बजकर 23 मिनट तक रहेगा। इसके अलावा सौभाग्य योग का संयोग होने से पर्व की महत्ता अधिक बढ़ गई है। यह प्रातःकाल से लेकर 10 अगस्त को तड़के 2 बजकर 15 मिनट तक है। वहीं शोभन योग 10 अगस्त को तड़के 2 बजकर 15 मिनट तक रहेगा। ब्रह्म मुहूर्त सुबह 4 बजकर 22 मिनट से 5 बजकर 04 मिनट तक रहेगा। अभिजीत मुहूर्त दोपहर 12 बजकर 17 मिनट से 12 बजकर 53 मिनट तक है।अमृतकाल पूरे दिन रहने वाला है।

रक्षाबंधन पर चौघड़िया मुहूर्त

लाभ काल- प्रातः 10.15 से दोपहर 12.00 बजे
अमृत काल-दोपहर 1.30 से 3.00 बजे
चर काल- सायं 4.30 से 6.00 बजे

कैसे शुरू हुई राखी बांधने के परंपरा और क्या है नियम

देशभर में 9 अगस्त को रक्षा बंधन का पर्व मनाया जाएगा और इस दिन बहनें भाइयों के हाथ पर राखी बांधती हैं और ऊज्जवल भविष्य की कामना करती हैं। वहीं भाई बहनों को रक्षा करने का वचन और गिफ्ट देते हैं।

09 अगस्त को रक्षाबंधन का पवित्र त्योहार है। यह पर्व हर वर्ष श्रावण माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को मनाया जाता है। रक्षाबंधन के त्योहार को भाई-बहन के प्रेम, स्नेह और सदभाव के रूप में मनाया जाता है। इस दिन बहन अपने भाई की कलाई पर राखी बांधती हैं और भाई की आरती उतारते हुए जीवन में सुख-समृद्धि और लंबी आयु की मंगल कामना करती हैं, जिसके बदले में भाई अपनी बहन को भेंट देता है और आजीवन उसकी रक्षा का वचन भी देता है। शास्त्रों में रक्षाबंधन पर अच्छे मुहूर्त और भद्रारहित काल में भाई की कलाई में रक्षासूत्र बांधना शुभ होता है। रक्षाबंधन का पावन पर्व इस बार पूर्ण शुभता और विशेष संयोगों के साथ 9 अगस्त शनिवार को मनाया जाएगा। इस बार रक्षाबंधन का दिन भद्रा से मुक्त रहेगा।

राखी बांधने की विधि

भाई की सुख-समृद्धि और जीवन की मंगलकामना के लिए हर वर्ष बहनें श्रावण माह की पूर्णिमा तिथि पर रक्षा बंधन का त्योहार मनाती है। रक्षाबंधन के दिन बहनें सुबह से ही तैयारी में लग जाती हैं। रक्षाबंधन के दिन रंगोली से घर को सजाएं। पूजा के लिए एक थाली में स्वास्तिक बनाकर उसमें चंदन, रोली, अक्षत, राखी, मिठाई, और फूल के साथ एक घी का दीया रखें। दीपक प्रज्वलित कर सबसे पहले अपने ईष्टदेव को तिलक लगाकर राखी बांधें और आरती उतारकर मिठाई का भोग लगाएं। फिर भाई को पूर्व या उत्तर दिशा की ओर मुख करके बैठाएं। इसके बाद उनके सिर पर रुमाल या कोई वस्त्र रखें। अब भाई के माथे पर रोली-चंदन और अक्षत का तिलक लगाकर उसके हाथ में नारियल दें। इसके बाद येन बद्धो बलि राजा, दानवेन्द्रो महाबल- तेन त्वाम् प्रतिबद्धनामि रक्षे माचल माचल- इस मंत्र को बोलते हुए भाई की दाहिनी कलाई पर राखी बांधें। भाई की आरती उतारकर मिठाई खिलाएं और उनके उत्तम स्वास्थ्य और उज्जवल भविष्य के लिए भगवान से प्रार्थना करें।

ऐसे शुरू हुई राखी बांधने की परंपरा

पौराणिक कथा के अनुसार जब भगवान विष्णु ने वामन अवतार के रूप में राक्षस राज बलि से तीन पग में उनका सारा राज्य मांग लिया था और उन्हें पाताल लोक में निवास करने को कहा था। तब राजा बलि ने भगवान विष्णु को अपने मेहमान के रूप में पाताल लोक चलने को कहा। जिसे विष्णुजी मना नहीं कर सके। लेकिन जब लंबे समय तक श्री हरि अपने धाम नहीं लौटे तो लक्ष्मीजी को चिंता होने लगी। तब नारद मुनि ने उन्हें राजा बलि को अपना भाई बनाने की सलाह दी।अपने पति को वापस लाने के लिए माता लक्ष्मी गरीब स्त्री का रूप धारण कर राजा बलि के पास पहुंच गईं और उन्हें अपना भाई बनाकर राखी बांध दी। इसके बदले उन्होंने भगवान विष्णु को पाताल लोक से ले जाने का वचन मांग लिया। उस दिन श्रावण मास की पूर्णिमा थी और माना जाता है कि तभी से रक्षाबंधन का पर्व मनाया जाने लगा है।

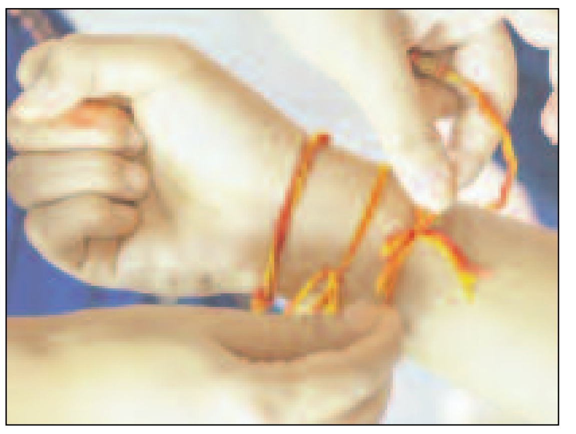

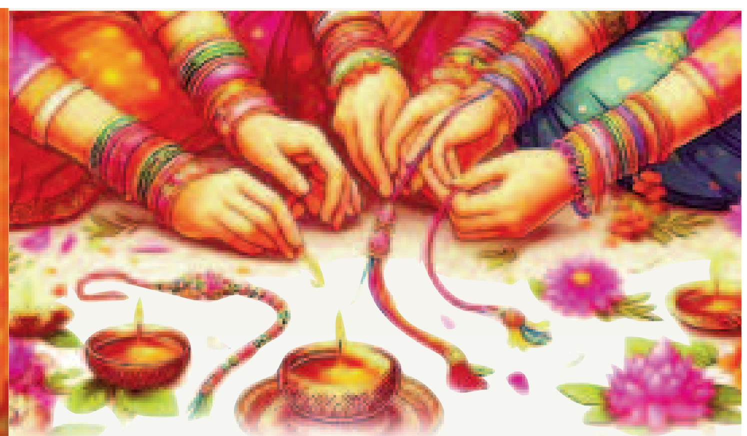

राखी बांधते वक्त इस दिशा में मुंह करके बैठें और यह मंत्र बोलें

श्रावण माह की पूर्णिमा को रक्षा बंधन का त्योहार मनाया जाता है। आओ जानते हैं कि राखी बांधते वक्त किस दिशा में मुंह करके बैठना चाहिए और कौनसा मंत्र बोलना जरूरी है।

राखी बांधते वक्त इस दिशा में रखें मुख

- यदि बहन अपने भाई को राखी बांध रही है तो बहन को पश्चिम में मुख करके भाई के ललाट पर रोली, चंदन व अक्षत का तिलक लगाते हुए उपरोक्ति मंत्र का उच्चारण करना चाहिए।
- भाई को पूर्वाभिमुख, पूर्व दिशा की ओर बिठाएं। बहन का मुंह पश्चिम दिशा की ओर होना चाहिए।
- उन्हें इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि उनका मुख कभी भी दक्षिण दिशा की ओर न हो।
- **सिर ढकना** - अनुष्ठान करते समय भाई को अपना सिर रूमाल से ढकने की सलाह दी जाती है।

कौन सा मंत्र बोलते हुए बांधें राखी

येन बद्धो बली राजा
दानवेन्द्रो महाबल-।
तेन त्वां अभिबन्धामि रक्षे
मा चल मा चल।।

अर्थ- इस मन्त्र का अर्थ है कि जो रक्षा धागा परम कृपालु राजा बलि को बाँधा गया था, वही पवित्र धागा मैं तुम्हारी कलाई पर बाँधता हूँ, जो तुम्हें सदा के लिए विपत्तियों से बचाएगा। शास्त्रों के अनुसार रक्षा सूत्र बांधे जाते समय उपरोक्त मंत्र का जाप करने से अधिक फल मिलता है। इसके बाद भाई के माथे पर टीका लगाकर दाहिने हाथ पर रक्षा सूत्र बांधे। रक्षा सूत्र बांधते समय उपरोक्त मंत्र का उच्चारण करें।

यदि आप शिष्य या शिष्या अपने किसी गुरु को बांध रहे हैं रक्षा सूत्र तो उपरोक्त मंत्र है। ध्यान से देखने पर दोनों मंत्रों में अंतर नजर आएगा।

भाई-बहन के रिश्ते की पवित्रता को दर्शाता है रक्षाबंधन

सावन माह की पूर्णिमा तिथि पर रक्षाबंधन का पर्व मनाया जाता है। ऐसे में रक्षाबंधन 9 अगस्त को मनाया जाएगा। भाई-बहन के प्रेम वाले इस त्योहार में कई तरह के नियमों का ध्यान रखा जाना भी जरूरी है। इससे व्यक्ति को जीवन में अच्छे परिणाम देखने को मिल सकते हैं। ऐसे में आइए जानते हैं राखी से जुड़े कुछ नियम।

रक्षाबंधन हिंदू धर्म के प्रमुख त्योहारों में से एक माना जाता है। इस विशेष दिन पर बहनें मंगल कामना के साथ अपनी भाइयों की कलाई पर राखी बांधती हैं। राखी बांधने के साथ-साथ राखी को उतारने के भी कई नियम हैं, जिनका ध्यान रखने पर व्यक्ति को जीवन में अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। ऐसे में आइए जानते हैं कि राखी कब और कैसे उतारनी चाहिए। रक्षा बंधन पर राखी बांधने का सबसे सही समय अपराह्न के दौरान माना जाता है।

क्यों खास है यह पर्व

पौराणिक कथा के अनुसार, एक बार राजा बली ने भगवान विष्णु से यह वचन लिया कि वह उनके साथ पाताल लोक में रहें। लेकिन इसके कारण माता लक्ष्मी परेशान हो गईं। उन्होंने एक गरीब महिला का रूप धारण किया और राजा बलि के पास पहुंचकर उन्हें राखी बांधी। राखी के बदले राजा ने कुछ भी मांग लेने को कहा। इसपर माता लक्ष्मी अपने असली रूप में प्रकट हुईं और उन्होंने भगवान विष्णु को पुनः अपने धाम लौटाने का वचन मांगा। राखी का मान रखते हुए राजा ने भगवान विष्णु को मां लक्ष्मी के साथ वापस उनके धाम भेज दिया।

राखी खोलने के नियम

कभी भी तुरंत या फिर रक्षाबंधन के कुछ दिन बाद ही राखी नहीं खोलनी चाहिए। राखी को कम-से-कम जन्माष्टमी तक बांधकर रखना चाहिए। राखी को उतारकर कभी भी इधर-उधर नहीं फेंकना चाहिए। आप इसे किसी बहते जल स्रोत में विसर्जित कर सकते हैं या फिर किसी पेड़-पौधे में रख सकते हैं।

रक्षाबंधन के दिन राखी बांधते समय कितनी गांठ लगानी चाहिए?

रक्षाबंधन का पर्व भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का प्रतीक है जिसमें बहन अपने भाई की कलाई पर रक्षासूत्र बांधकर उसकी लंबी उम्र, सुख-समृद्धि की कामना करती है और भाई अपनी बहन की रक्षा का वचन देता है। इस पर्व से जुड़ी हर छोटी से छोटी बात का अपना धार्मिक एवं ज्योतिष महत्व है। इसी कड़ी में हम ज्योतिषाचार्य से जानेंगे कि जब बहन भाई को रक्षा बंधन के दिन राखी बांधती है तो कितनी गांठें धागे में लगानी चाहिए। आइये जानते हैं इस बारे में विस्तार से और साथ ही, जानेंगे इसके पीछे का तर्क।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, रक्षाबंधन पर राखी बांधते समय तीन गांठें लगाना अत्यंत शुभ माना जाता है। इन तीन गांठों का संबंध त्रिदेव यानी कि ब्रह्मा, भगवान विष्णु और भगवान शिव से है। इन गांठों का अपना विशेष अर्थ और महत्व है जो भाई-बहन के रिश्ते को और भी मजबूत बनाता है।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, रक्षा बंधन पर बांधी जाने वाली राखी की **पहली गांठ** भाई की सुरक्षा और लंबी आयु के लिए बांधी जाती है। बहन भगवान से अपने भाई को सभी संकटों से बचाने, उसे स्वस्थ रखने, भाई को दीर्घायु बनाने और भाई की समृद्धि एवं खुशहाली बनाए रखने का प्रतीक है।

रक्षा बंधन पर बांधी जाने वाली राखी की **दूसरी गांठ** स्वयं बहन की लंबी उम्र और भाई-बहन के रिश्ते में प्यार, मिठास और आपसी समझ बढ़ाने के लिए लगाई जाती है। यह गांठ यह भी दर्शाती है कि भाई-बहन का रिश्ता हमेशा मजबूत रहे और उनमें सद्भाव हो। वे हमेशा एक दूसरे का साथ दें।

रक्षा बंधन पर बांधी जाने वाली राखी की **तीसरी गांठ** भाई और बहन दोनों की अपने-अपने धर्म और कर्तव्यों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यह गांठ इस बात पर जोर देती है कि भाई अपनी बहन की रक्षा का वचन निभाए और बहन भी अपने भाई के प्रति अपने स्नेह और कर्तव्य का पालन करें।

रक्षा बंधन के दिन एक बात का ओर ध्यान रखें कि बहन जब भाई को राखी बांधे तो राखी को पहले गंगाजल से शुद्ध कर ले और फिर ही राखी बांधें, नहीं तो इससे दोष उत्पन्न होता है और भाई पर संकट आ सकता है। इसके अलावा, ग्रहों का दुष्प्रभाव भी पड़ सकता है और अशुभ परिणाम मिल सकते हैं।

ट्रंप ने मृत अर्थव्यवस्था से 10 वर्षों में कमाए 1800 करोड़

मुंबई से कोलकाता तक हैं ट्रंप टावर प्रोजेक्ट्स

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जिस भारतीय अर्थव्यवस्था को मृत (डेड इकोनामी) अर्थव्यवस्था बताया, उसी बाजार से उनकी की कंपनी मोटा मुनाफा कमा रही है। ट्रंप की एक दिग्गज उद्योगपति के रूप में भी पहचान है। उनकी कंपनी द ट्रंप ऑर्गनाइजेशन दुनिया भर में रियल एस्टेट, होटलों और लग्जरी गोल्फ कोर्स के कारोबार में बड़े पैमाने पर सक्रिय है। भारत में भी उनकी कारोबारी

मौजूदगी लगातार मजबूत हुई है, जहां पिछले एक दशक में कंपनी ने करीब 1,800 करोड़ रुपये का लाभ अर्जित किया है।
द ट्रंप ऑर्गनाइजेशन की स्थापना डोनाल्ड ट्रंप के दादा फ्रेडरिक ट्रंप ने 1927 में की थी। ब्लूमबर्ग के अनुसार न्यूयॉर्क, फ्लोरिडा, शिकागो और वर्जीनिया के अलावा कंपनी के व्यापारिक परियोजनाएं स्कॉटलैंड, आयरलैंड, तुर्की, फिलीपींस, कनाडा और भारत तक फैली हैं। रियल एस्टेट ब्रांडिंग और प्रबंधन के मॉडल पर काम करने वाली इस कंपनी की वार्षिक वैश्विक राजस्व क्षमता करीब 3 अरब डॉलर (लगभग 25,000 करोड़ रुपये) आंकी जाती है।

अर्थशास्त्रियों का दावा

मनमाने टैरिफ से जीडीपी में 0.4 फीसदी की आएगी गिरावट

निर्यातकों को भारी नुकसान

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाने से चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर में 0.4 फीसदी की गिरावट आ सकती है। इस टैरिफ का असर वस्त्र, कीमती पत्थर, इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मा, ऑटो पार्ट्स और एमएसएमई क्षेत्र पर पड़ सकता है। ट्रंप के इस कदम से न सिर्फ भारत का निर्यात प्रभावित होगा, बल्कि श्रम आधारित क्षेत्रों में बड़ी संख्या में रोजगार संकट उत्पन्न होगा।

6.4-6.6 प्रतिशत वृद्धि दर जोखिम = बैंक ऑफ बड़ौदा की अर्थशास्त्र विशेषज्ञ सोनल बधान का कहना है, हमने भारतीय वस्तुओं पर 25 फीसदी टैरिफ से जीडीपी में 0.2 फीसदी की गिरावट का अनुमान लगाया था। अब 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगा दिया गया है। अगर भारत व्यापार वार्ता में टैरिफ दर कम कराने में नाकाम रहता है, तो इससे चालू वित्त वर्ष में 6.4-6.6 फीसदी की वृद्धि दर हासिल करने पर जोखिम उत्पन्न हो जाएगा।

अब व्यापार संभव नहीं

बैंकिंग एवं बाजार विशेषज्ञ अजय बग्गा ने कहा, 50 फीसदी का भारी टैरिफ भारत के लिए बड़ा झटका है। लेकिन, सच कहूं तो एक बार जब यह 25 फीसदी के पार कर गया, तो टैरिफ 1,000 फीसदी हो या 5,000 फीसदी, अब व्यापार संभव नहीं है। उन्होंने कहा, क्रिसमस के ऑर्डर तैयार हैं। शिपमेंट तैयार है। ऐसे में निर्यातकों को भारी नुकसान पहुंचेगा। अगर एक अरब डॉलर के कपड़ा निर्यात को रोका जाता है, तो सीधा असर एक लाख श्रमिकों पर पड़ेगा।

संतुलित समाधान की जरूरत

वैश्विक पेशेवर सेवा संगठन ईवाई इंडिया में व्यापार नीति प्रमुख अग्निश्वर सेन ने अतिरिक्त टैरिफ को अनावश्यक बताया। उन्होंने कहा, राजनीतिक मतभेदों को बातचीत और स्थापित मंचों के जरिये सुलझाया जा सकता है, न कि ऐसे उपायों से। उम्मीद है कि भारत सरकार अमेरिका के साथ बातचीत जारी रखेगी और संतुलित समाधान की कोशिश करेगी।

- **अब निर्यात ऑर्डर रोकने लगे हैं खरीदार** : भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ फियो ने कहा, भारतीय वस्तुओं पर अतिरिक्त 25 फीसदी टैरिफ लगाने का अमेरिका का फैसला बेहद चौंकाने वाला है। इस कदम से अमेरिका में 55 फीसदी निर्यात पर असर पड़ेगा। भारतीय निर्यातकों को कम जवाबी टैरिफ वाले देशों की तुलना में 30-35 फीसदी प्रतिस्पर्धात्मक नुकसान होगा। फियो अध्यक्ष एससी रल्हन ने कहा, उच्च टैरिफ के कारण कई खरीदार अब निर्यात ऑर्डर रोक रहे हैं। एमएसएमई के लिए उच्च लागत को वहन करना आसान नहीं है। इससे उद्योगों को पुराने ग्राहक खोने पड़ सकते हैं।
- **75 प्रतिशत घट सकता है निर्यात 1.25 लाख रोजगार पर संकट** : अखिल भारतीय र प्रतिशत एवं आभूषण घरेलू परिषद (जीजेसी) के अध्यक्ष राजेश रोकड़े ने कहा, 27 अगस्त से लागू होने वाला अतिरिक्त 25 टैरिफ स्वर्ण आभूषण निर्यात के लिए बड़ा झटका है।

अगस्त में नीतिगत दरों स्थिर रखना रिजर्व बैंक का तकनीकी कदम

एसबीआई ने कहा- 2025 में कटौती की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी। आरबीआई के रेपो दरों को तटस्थ रखाने के फैसले को तकनीकी कदम के रूप में देखा जा रहा है। भारतीय रिजर्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार यह निर्णय मुद्रास्फीति अनुमानों और विकास की गतिशीलता से प्रेरित है। रिपोर्ट में यह कहा गया कि वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही तक मुद्रास्फीति तीन प्रतिशत से नीचे रहने की उम्मीद है। लेकिन वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में यह तेजी से बढ़कर 4.9 प्रतिशत हो सकती है। ऐसी स्थिति में मजबूत जीडीपी वृद्धि की उम्मीदों के साथ, वर्तमान 5.5 प्रतिशत रेपो दर टर्मिनल दर साबित हो सकती है।

5.5 प्रतिशत रेपो रेट अंतिम दर हो सकती है- एसबीआई ने कहा कि हमारा मानना है कि अगर वित्त वर्ष 2026 के लिए आरबीआई के मुद्रास्फीति अनुमान सही रहते हैं तो 5.5 प्रतिशत रेपो दर अंतिम दर हो सकती है। रिपोर्ट के अनुसार 2025 में ब्याज दरों में कटौती की गुंजाइश सीमित है, क्योंकि नीतिगत कदम पहले ही उठाए जा चुके हैं और साल की पहली छमाही में जीडीपी वृद्धि दर मजबूत रहने की उम्मीद है। इससे ब्याज दरों कटौती की संभावना और बढ़ गई है।

महांगाई कम रही तो और कटौती की उम्मीद- हालांकि, अगर महंगाई कम रहती है, तो ब्याज दरों में अधिकतम 25 आधार अंकों की कटौती की गुंजाइश हो सकती है।

एक्सपर्ट ने सेट किया 1080 का टारगेट प्राइस

इंश्योरेंस कंपनी के शेयरों का भाव 4 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की सबसे बड़ी जीवन बीमा कंपनी एलआईसी का चालू वित्त वर्ष की जून तिमाही में नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 5 प्रतिशत बढ़कर 10,987 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने एक साल पहले की समान तिमाही में 10,461 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट कमाया था। सरकारी कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने गुरुवार को शेयर बाजारों को अप्रैल-जून, 2025 तिमाही के इस वित्तीय नतीजे की सूचना दी थी। बता दें, आज कंपनी के शेयरों में तेजी देखने को मिली है। एलआईसी के शेयर बीएसई में शुक्रवार की सुबह 905 रुपये के लेवल पर खुले थे। लेकिन इसके बाद गुरुवार की क्लोजिंग के मुकाबले 4.60 प्रतिशत से अधिक की छलांग लगाते हुए 927 रुपये के लेवल पर पहुंच गया। एलआईसी के शेयरों के प्रदर्शन को लेकर एक्सपर्ट बुलिश हैं। ब्रोकरेज हाउस मोतीलाल ओसवाल ने 1080 रुपये का टारगेट प्राइस के साथ रेटिंग दी है।

शेयरों में तेजी का सिलसिला जारी- पिछले एक साल में एलआईसी के शेयरों का भाव 19 प्रतिशत गिरा है। हालांकि, अच्छी बात यह है कि कंपनी के शेयरों की कीमतों में 3 महीने के दौरान 16 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है।

- **रेवन्यू के मोर्चे पर कितनी सफलता** - एलआईसी ने कहा कि जून तिमाही के दौरान उसकी कुल इनक बढ़कर 2,22,864 करोड़ रुपये हो गई जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह 2,10,910 करोड़ रुपये थी। जून तिमाही में नई पॉलिसी का प्रीमियम बढ़कर 7,525 करोड़ रुपये हो गया, जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह 7,470 करोड़ रुपये था। बीमा कंपनी ने पुरानी पॉलिसी के नवीकरण प्रीमियम से 59,885 करोड़ रुपये कमाये, जबकि साल भर पहले यह 56,429 करोड़ रुपये था। जून तिमाही में एलआईसी की निवेश से नेट इनकम बढ़कर 1,02,930 करोड़ रुपये हो गई जबकि पिछले वित्त वर्ष की अप्रैल-जून अवधि में यह 96,183 करोड़ रुपये थी।

खुलते ही इस सस्ते आईपीओ पर टूट पड़े निवेशक

4 गुना से अधिक भरा

नई दिल्ली, एजेंसी। प्राइमरी मार्केट में तीन कंपनियों का आईपीओ खुला है। इन तीन कंपनियों में मेडीस्टेप हेल्थकेयर आईपीओ की हैवी डिमांड है। खुलते ही यह एसएमई आईपीओ पूरी तरह से भर गया है। कंपनी के आईपीओ का साइज 16.10 करोड़ रुपये का है। आईपीओ के जरिए कंपनी 37.44 लाख फ्रेश शेयर जारी करेगी। दोपहर 12.45

मिनट तक के डाटा के अनुसार इस आईपीओ को अबतक 4 गुना से अधिक सब्सक्राइब किया जा चुका है। रिटेल कैटगरी में आईपीओ को सबसे अधिक 6.92 गुना सब्सक्रिप्शन मिला है। वहीं, एनआईआई कैटगरी में आईपीओ को 1.34 गुना सब्सक्राइब किया जा चुका है। हालांकि, क्यूआईबी में अभी तक कोई भी बोली प्राप्त नहीं हुई है।

12 अगस्त तक खुला रहेगा आईपीओ- मेडीस्टेप हेल्थकेयर आईपीओ निवेशकों के लिए 12 अगस्त तक खुला रहेगा। शेयरों का अलॉटमेंट 13 अगस्त 2025 को प्रस्तावित है। वहीं, एनएसई एसएमई में कंपनी की लिस्टिंग 18 अगस्त 2025 को प्रस्तावित है।

43 रुपये है प्राइस बैंड- मेडीस्टेप हेल्थकेयर आईपीओ का प्राइस बैंड 43 रुपये है। कंपनी ने 3000 शेयरों का एक लॉट बनाया है। रिटेल निवेशकों को एक साथ 2 लॉट पर दांव लगाना होगा। जिसकी वजह से एक रिटेल निवेशक को कम से कम 2,58,000 रुपये का निवेश करना होगा।

टमाटर-प्याज और आलू की कीमतें घटने से शाकाहारी थाली 14 प्रतिशत सस्ती

नई दिल्ली, एजेंसी। टमाटर, प्याज और आलू की कीमतें घटने से जुलाई में घर में पकने वाली शाकाहारी थाली सालाना आधार पर 14 फीसदी सस्ती होकर 28.1 रुपये पर आ गई। जुलाई, 2024 में यह 32.6 रुपये थी। हालांकि, मासिक आधार पर जून के 27.1 रुपये की तुलना में कीमत 4 फीसदी बढ़ी है। क्रिसिल की रिपोर्ट के मुताबिक, चिकन सस्ता होने से सालाना आधार पर मांसाहारी थाली 61.4 रुपये से 13 प्रतिशत घटकर 53.5 रुपये पर आ गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सालाना आधार पर भले टमाटर, प्याज और आलू के दाम घटे हैं, लेकिन मासिक आधार पर इनके दाम तेजी से बढ़े हैं। उदाहरण के तौर पर जुलाई में कुछ शहरों में टमाटर 100 रुपये किलो पहुंच गया। प्याज का भाव 50 रुपये के करीब है। टमाटर की कीमतें सालाना आधार पर 36 प्रतिशत गिरकर जुलाई में 66 रुपये प्रति किलोग्राम से 42 रुपये प्रति किलोग्राम हो गईं। आलू और प्याज की कीमतों में पिछले साल की तुलना में क्रमशः 30 प्रतिशत और 36 प्रतिशत की गिरावट आई है।

वनस्पति तेल 20 फीसदी महंगा

कच्चे खाद्य तेलों पर मूल सीमा शुल्क (बीसीडी) में कमी के बावजूद, वनस्पति तेल की कीमतों में पिछले साल की तुलना में 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है क्योंकि कम बीसीडी का लाभ अभी तक पूरी तरह से ग्राहकों तक नहीं पहुंचा है। इसके अतिरिक्त, तरलीकृत पेट्रोलियम गैस सिलेंडर की कीमतों में पिछले साल की तुलना में 6 प्रतिशत की वृद्धि ने थाली की कुल लागत में गिरावट को सीमित कर दिया है। मांसाहारी थाली की कीमत में गिरावट सब्जियों जैसे प्याज और टमाटर की कम कीमतों के कारण हुई। ब्रॉयलर की कीमतों में 12 प्रतिशत की वार्षिक गिरावट आई। मांसाहारी थाली की कुल लागत में चिकन का योगदान 50 फीसदी है।

छोटी सी दुकान से हर कोई चौंका...

अब हो रही पैसों की बारिश

नई दिल्ली, एजेंसी। बेंगलुरु के पंकज खाबिया ने अपनी मेहनत और सूझबूझ से कुछ ही सालों में एक सफल कारोबार खड़ा कर दिया है। 2013 में उन्होंने एक बड़ा कदम उठाया। पंकज ने वीगन फुटवियर ब्रांड एथिक की नींव डाली। तब उनकी उम्र सिर्फ 23 साल थी। एक छोटे से स्टोर से इसे शुरू किया गया था। लेकिन, दिसंबर 2019 में एथिक ने सिर्फ ऑनलाइन मॉडल अपना लिया। यह पंकज और उनके बिजनेस के लिए महत्वपूर्ण मोड़ था। इस बदलाव से बिक्री में चार चांद लग गए। कंपनी ने तब से 1.5 करोड़ रुपये से ज्यादा की बिक्री की है। एथिक ऐसे जूते और एक्सेसरीज बनाती है जो चमड़े जैसे दिखते हैं। लेकिन, इन्हें बनाने में माइक्रोफाइबर और प्लांट सेलुलोज जैसे गैर-चमड़े के मटेरियल का इस्तेमाल होता है। यह हिंसा-मुक्त प्रोडक्ट बनाने के मकसद को पूरा करता है। आइए, यहां पंकज खाबिया की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

पंकज बेंगलुरु के रहने वाले हैं। उन्होंने 2008 में श्री भगवान महावीर जैन कॉलेज, बेंगलुरु से कॉमर्स में ग्रेजुएशन किया। इसके बाद वह अपने परिवार के थोक कपड़ों के व्यवसाय में शामिल हो गए। पंकज का जैन धर्म में पालन-पोषण हुआ। उनकी आध्यात्मिक मान्यताओं ने उन्हें फॉर्मल फुटवियर का वीगन ब्रांड बनाने के लिए प्रेरित किया।

रणनीति बदलने का हुआ फायदा

दिसंबर 2019 में पंकज ने अपने सह-संस्थापक भरत रांका के साथ मिलकर एक बड़ा फैसला लिया। उन्होंने अपना फिजिकल स्टोर बंद कर दिया। इसकी जगह पूरी तरह से ऑनलाइन-ओनली मॉडल पर चले गए। भरत ने 95 लाख रुपये का निवेश किया और ब्रांड की मार्केटिंग को पूरी तरह से बदल दिया। इस बदलाव के बाद कंपनी की बिक्री में जबरदस्त उछाल आया। रणनीति में बदलाव के एक साल बाद ही एथकि ने 40 लाख रुपये का रेवेन्यू कमाया। इस ऑनलाइन बदलाव के बाद से अब तक कुल 1.3 करोड़ रुपये से ज्यादा की बिक्री हो चुकी है।

शुरुआत में आईं काफी मुश्किलें

पंकज ने 2013 में 25 लाख रुपये के शुरुआती निवेश के साथ बेंगलुरु की चर्च स्ट्रीट पर 450 वर्ग फीट की दुकान में एथिक की शुरुआत की थी। उनकी रणनीति प्रीमियम गैर-चमड़े के जूते बनाने की थी। उन्हें विश्वास था कि भारत में भी वीगन फैशन की मांग बढ़ेगी। शुरुआती वर्षों में एथिक ने धीमी रफ्तार से विकास किया।

तेजी से हो रहा है विस्तार- एथिक अब सिर्फ भारत तक ही सीमित नहीं है। उसके उत्पाद वेबसाइट के जरिये ब्रिटेन में भी बिकते हैं। ग्राहकों के सीधे संपर्क से दुनिया भर में उत्पादों की शिपिंग होती है। ब्रांड अमेरिका और यूरोप जैसे अंतरराष्ट्रीय बाजारों में डिजिटल रूप से विस्तार करने की योजना बना रहा है। इसके अलावा, एथिक के उत्पाद मिंत्रा, आजियो और अमेजन जैसे ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर भी उपलब्ध हैं।

आरबीआई का सर्वे: परिवारों को महंगाई और घटने की उम्मीद

कम ब्याज दर से उपभोक्ता भरोसे में सुधार

नई दिल्ली, एजेंसी। लगातार कम होती लगातार महंगाई में और गिरावट आने की उम्मीद है। भारत के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जुलाई में उपभोक्ता विश्वास में उल्लेखनीय सुधार देखा गया है। यह अर्थव्यवस्था को लेकर बढ़ते विश्वास को दर्शाता है। इस सकारात्मक बदलाव के पीछे मुख्य रूप से खुदरा महंगाई में गिरावट और अधिक अनुकूल ब्याज दरें हैं, जिनके चलते घर-परिवारों की धारणा बेहतर हुई है। भारतीय रिजर्व बैंक यानी आरबीआई के बृहस्पतिवार को जारी सर्वेक्षण के मुताबिक, शहरी उपभोक्ताओं के विश्वास में भी बढ़ोतरी आई है। 1 से 12 जुलाई के बीच 19 प्रमुख शहरों में किए गए इस सर्वेक्षण में 5,197 लोगों को शामिल किया गया। वर्तमान मुद्रास्फीति की औसत धारणा मई, 2025 के 7.7 प्रतिशत से 0.50 फीसदी घटकर जुलाई में 7.2 प्रतिशत रह गई। सर्वेक्षण के मुताबिक, अगले तीन महीनों और एक साल के लिए मुद्रास्फीति की उम्मीदें क्रमशः 0.60 और 0.50 फीसदी घटकर 8.3 प्रतिशत और 9.0 प्रतिशत रह

गई। तीन महीने की अवधि के लिए, 79.5 प्रतिशत परिवारों को कीमतों में वृद्धि की उम्मीद है। यह मई में 80.5 प्रतिशत से कम है। एक साल की अवधि के लिए यह संख्या 88.1 प्रतिशत रही, जबकि मई, 2025 में यह 89.2 प्रतिशत थी।

सेवानिवृत्त लोगों को ज्यादा महंगाई बढ़ने की उम्मीद

सेवानिवृत्त व्यक्तियों और वृद्ध लोगों की मुद्रास्फीति संबंधी धारणा और अपेक्षाएं सबसे अधिक रहीं। 60 वर्ष से ऊपर के लोगों ने अनुमान लगाया कि मुद्रास्फीति एक वर्ष में बढ़कर 9.6 प्रतिशत हो जाएगी। दिहाड़ी मजदूरों ने सबसे कम 8.1 फीसदी की औसत अपेक्षा व्यक्त की। हालांकि, आरबीआई इन विचारों का समर्थन नहीं करता है। यह उत्तरदाताओं के मुद्रास्फीति दबावों पर जानकारी देने का बस एक सर्वे है।

- **सीएसआई में आई तेजी-** इस द्विमासिक सर्वेक्षण के अनुसार, वर्तमान स्थिति सूचकांक (सीएसआई) मई के 95.4 से बढ़कर जुलाई में 96.5 हो गया। रोजगार और मूल्य को लेकर बनी चिंताओं के बावजूद, आय, खर्च और सामान्य आर्थिक स्थितियों के बारे में उपभोक्ताओं की बेहतर धारणाओं के कारण यह सुधार हुआ। भविष्य प्रत्याशा सूचकांक (एफईआई) भी पिछले दौर के 123.4 से 1.3 अंक बढ़कर 124.7 हो गया। यह आर्थिक दृष्टिकोण, आय वृद्धि और भविष्य के खर्च के बारे में आशावाद को दर्शाता है।
- **रोजगार की धारणा में आई गिरावट-** रोजगार के मोर्चे पर मौजूदा धारणा में गिरावट आई। यह मई के -5.9 से जुलाई में घटकर -6.7 रह गई। हालांकि, अगले एक साल में रोजगार की उम्मीदों में शुद्ध प्रतिक्रिया पहले के 29.8 से बढ़कर 31.0 हो गई। वर्तमान खर्च के लिए शुद्ध प्रतिक्रिया बढ़कर 78.0 हो गई, जबकि भविष्य के खर्च के लिए उम्मीदें बढ़कर 80.0 हो गईं। इसे गैर जरूरी खर्च में बढ़ोतरी से भी मदद मिली।

एलन मस्क की टेस्ला की दिल्ली में एंट्री, मिलेगा टेस्ट ड्राइव का मौका

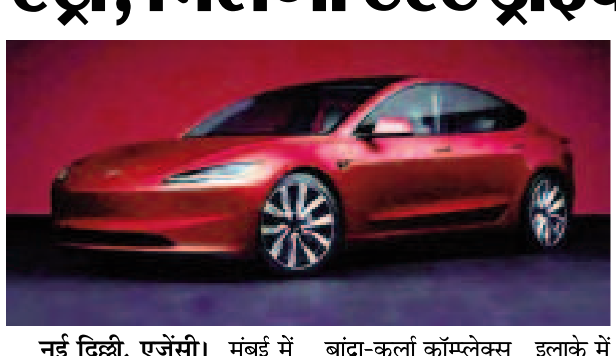

नई दिल्ली, एजेंसी। मुंबई में टेस्ला के शौकीनों को तोहफा देने के बाद अब दिल्ली में भी टेस्ला अपना शोरूम खोलने जा रही है। दिल्ली-एनसीआर में रहने वाले टेस्ला के शौकीनों के लिए यह एक अच्छी खबर है।

यह शोरूम दिल्ली के एरोसिटी इलाके में Worldmark 3 बिल्डिंग में लगभग तैयार हो चुका है और 11 अगस्त 2025 को इसकी औपचारिक शुरुआत होने जा रही है। सबसे पहले टेस्ला ने भारत में अपना पहला शोरूम मुंबई के बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स इलाके में खोला था। अब दिल्ली में यह नया एक्सपीरियंस सेंटर खुलने से उत्तर भारत के ग्राहकों के लिए टेस्ला की कारों तक पहुंच आसान हो जाएगी।

दिल्ली का यह शोरूम सिर्फ गाड़ियों की डिस्प्ले और बुकिंग के लिए नहीं होगा, बल्कि यहां टेस्ट ड्राइव, चार्जिंग फैसिलिटी और डिलिवरी का ऑप्शन भी दिया जाएगा।

यह एक एक्सपीरियंस सेंटर होगा, जहां ग्राहक गाड़ियों को नजदीक से देख और चला सकेंगे।

टेस्ट ड्राइव की सुविधा

टेस्ला भारत में अपनी पॉपुलर कार स्न्स्र्द्दद्य ड्ड के साथ आई है और भविष्य में स्न्स्र्द्दद्य 3 समेत दूसरी गाड़ियां भी ला सकती है। दिल्ली के इस सेंटर से बुकिंग और टेस्ट ड्राइव की सुविधा मिलने की उम्मीद है। टेस्ला ऐसे दौर में भारत में एंट्री कर रही है जब भारत का ईवी मार्केट काफी मैच्योर हो चुका है। महिंद्रा के पास क्च्श्व6, ङ्गश्वङ्क 9श्व, टाटा के पास हैरियर ईवी जैसे गाड़ियां आ चुकी हैं जो फीचर्स और परफॉर्मेंस के मामले में अपने से दोगुनी महंगी गाड़ियों को टक्कर दे रही हैं। एमजी मोटर्स, ह्यूंदै और किआ के पास भी कई ऐसी इलेक्ट्रिक गाड़ियां मौजूद हैं जो दुनियाभर में अपना लोहा मनवा चुकी हैं।

आईपीएल 2026 की नीलामी से पहले राजस्थान रॉयल्स छोड़ना चाहते हैं संजू सैमसन: रिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 से पहले संजू सैमसन सुर्खियों में आ गए हैं। ईएसपीएनक्रिकइंफो के मुताबिक राजस्थान रॉयल्स के कप्तान आगामी सीजन के लिए नीलामी से पहले टीम से रिलीज होना चाहते हैं। संजू इसकी जानकारी आईपीएल-2025 की समाप्ति के तुरंत बाद फ्रेंचाइजी को दे चुके थे। राजस्थान रॉयल्स के 2025 सीजन की समीक्षा बैठक जून में हुई थी। फ्रेंचाइजी ने अभी तक संजू सैमसन को कोई निश्चित जवाब नहीं दिया है। संजू को मनाने का विकल्प अभी भी खुला है। फ्रेंचाइजी के मालिक मनोज बडाले इस मामले पर अंतिम निर्णय हेड कोच राहुल द्रविड़ के साथ मिलकर लेंगे। अगर फ्रेंचाइजी सैमसन को रिलीज करने का फैसला करती है, तो उन्हें किसी अन्य फ्रेंचाइजी को ट्रेड किया जा सकता है, या फिर संजू नीलामी में उतर सकते हैं। आईपीएल अनुबंध के अनुसार, ऐसे मामलों में अंतिम निर्णय फ्रेंचाइजी का होता है। विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन ने साल 2013 में आईपीएल डेब्यू किया था। उन्होंने राजस्थान की ओर से साल 2015 तक खेला, जिसके बाद दिल्ली ने उन्हें अपने साथ जोड़ा। दिल्ली के साथ दो सीजन बिताने के बाद संजू साल 2018 में एक बार फिर राजस्थान रॉयल्स लौटे और इसके बाद से अब तक उन्होंने इसी फ्रेंचाइजी की ओर से खेला। संजू सैमसन की कप्तानी में राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल-2025 में 14 मुकाबले खेले, जिसमें महज चार ही जीते। टीम को 10 मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा। महज आठ अंकों के साथ राजस्थान रॉयल्स की टीम प्वाइंट्स टेबल में नौवें स्थान पर रही।

चेन्नई ग्रांड मास्टर्स शतरंज:

अर्जुन की जीत से शुरुआत , निहाल जर्मनी के विन्सेंट से हारे

चेन्नई, एजेंसी। भारत के अब तक के सबसे मजबूत ग्रांड मास्टर्स क्लासिकल शतरंज टूर्नामेंट क्वांटबॉक्स चेन्नई ग्रांड मास्टर्स शतरंज के पहले दिन पहले राउंड के पाँच मुकाबलों मे दो परिणाम जीत और हार के तौर पर सामने आए । प्रतियोगिता के टॉप सीड ग्रांड मास्टर भारत के अर्जुन एरीगैसी नें एक बार फिर अपने अभियान आरंभ जीत के साथ किया है , अर्जुन नें यूएसए के आवोण्डर लियांग के खिलाफ सफेद मोहरो से राय लोपेज ओपनिंग मे एक प्यादा कुर्बान करते हुए रोचक बाजी खेली और 49 चालों मे जीत दर्ज की । वहीं भारत के निहाल सरीन को जर्मनी के विन्सेंट केमर के खिलाफ एक करेबी हार का सामना करना पड़ा , काले मोहरो से ओपनिंग मे अंत तक चले मुकाबले मे लगभग ड्रॉ होती बाजी मे पराजय का सामना करना पड़ा ।

राष्ट्रमंडल खेल टीम ने गुजरात के खेल राज्य मंत्री से मुलाकात की, 2030 की मेजबानी हासिल करने की कवायद

अहमदाबाद, एजेंसी। सूत्रों ने बताया कि हाल और उनकी टीम अहमदाबाद में विभिन्न वेन्यू का दौरा करने आई थी और राज्य सरकार के अधिकारियों से भी मुलाकात की। भारत की राष्ट्मंडल खेल 2030 की मेजबानी की आकांक्षा के बीच राष्ट्मंडल खेल की एक टीम ने इसके निदेशक (खेल) डेरेन हाल की अगुवाई में गुजरात के खेल राज्य मंत्री हर्ष सांघवी से मुलाकात की। राष्ट्मंडल खेल की टीम तीन दिन से अहमदाबाद में थी और विभिन्न स्टेडियमों का दौरा किया। इसके साथ ही गुजरात सरकार के अधिकारियों से भी मुलाकात की। भारत ने 2030 राष्ट्मंडल खेलों की मेजबानी की इच्छा जताने वाला आशय पत्र पहले ही जमा कर दिया है। तीन दिन पहले राष्ट्मंडल खेल (पूर्व नाम राष्ट्मंडल खेल महासंघ) की टीम अहमदाबाद पहुंची थी। भारत को अगर मेजबानी मिलती है तो खेल इसी शहर में होंगे।

दलीप ट्रॉफी: शुभमन गिल को सौंपी गई नॉर्थ जोन टीम की कमान

नई दिल्ली, एजेंसी। शुभमन गिल की कप्तानी में भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज 2-2 से बराबरी पर खत्म की। अब गिल को आगामी दलीप ट्रॉफी के लिए नॉर्थ जोन टीम की कमान सौंपी गई है। इस टूर्नामेंट की शुरुआत 28 अगस्त से होने जा रही है। शुभमन गिल ने इंग्लैंड दौरे पर पांच मुकाबलों में 65.57 की औसत के साथ 754 रन बनाए। शानदार प्रदर्शन के चलते उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज खिताब से नवाजा गया। शुभमन गिल के अलावा, इस 15 सदस्यीय टीम में अर्शदीप सिंह, अंशुल कंबोज और हर्षित राणा शामिल हैं। अंशुल कंबोज ने मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट मैच में अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया था। राणा इंग्लैंड लायंस के खिलाफ भारत ए की ओर से खेले, लेकिन अर्शदीप को इंग्लैंड के विरुद्ध टेस्ट सीरीज में खेलने का मौका नहीं मिल सका।इ गुरुवार को जोनल सेलेक्शन कमेटी ने घोषणा करते हुए बताया कि अगर गिल, अर्शदीप और राणा में से किसी को भी दलीप ट्रॉफी के साथ होने वाले मैचों के लिए भारतीय टीम में चुना जाता है, तो सर्विसेज के शुभम रोहिल्ला, पंजाब के गुरनूर बरार और हरियाणा के

अनुज ठकराल को मुख्य टीम में शामिल किया जाएगा। टीम इंडिया 9-28 सितंबर के बीच टी20 एशिया कप खेलेगी।

नॉर्थ जोन की टीम के अन्य प्रमुख सदस्यों में दिल्ली के ऑलराउंडर आयुष बडोनी और बल्लेबाज यश ढुल शामिल हैं, जिन्होंने 2022 अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप में भारत की कप्तानी की थी।

दलीप ट्रॉफी छह टीमों वाले जोनल फॉर्मेट में खेली जाएगी, जिसके साथ 2025/26 घरेलू क्रिकेट सीजन की शुरुआत होगी। नॉर्थ जोन अपने अभियान की शुरुआत ईशान किशन की अगुवाई वाले ईस्ट जोन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मुकाबले से करेगा। विजेता टीम सेमीफाइनल में साउथ जोन से भिड़ेगी।

नॉर्थ जोन की टीम:

शुभमन गिल (कप्तान), शुभम खजूरिया, अंकित कुमार (उप-कप्तान), आयुष बडोनी, यश ढुल, अंकित कलसी, निशांत सिंधु, साहिल लोत्रा, मयंक डागर, युद्धवीर सिंह चरक, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, अंशुल कंबोज, औकिब नबी और कन्हैया वधावन (विकेटकीपर)।

स्टैंडबाय: शुभम अरोड़ा (विकेटकीपर), जसकरनवीर सिंह पॉल, रवि चौहान, आबिद मुश्ताक, निशंक बिड़ला, उमर नजीर और दिवेश शर्मा।

नेशनल बैंक ओपन

पुरुष एकल में अमेरिका के बेन शेल्टन बने चैंपियन, महिलाओं में विक्टोरिया एमबोको को खिताब

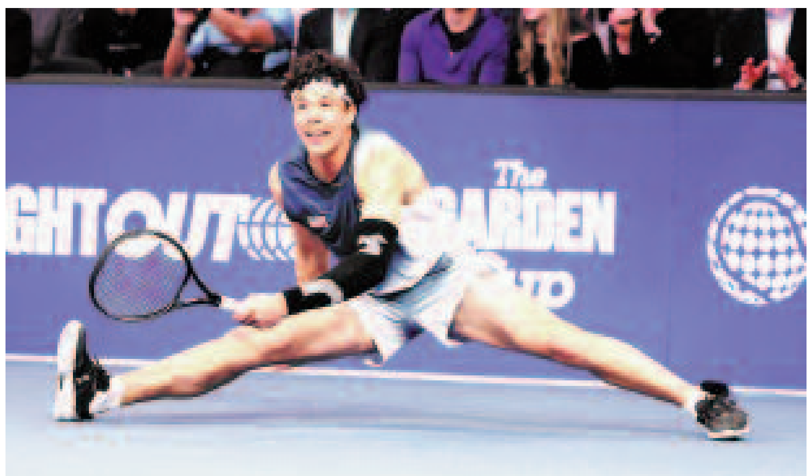

टोरंटो, एजेंसी। शेल्टन ने 2023 में टोक्यो में हार्ड कोर्ट पर और पिछले साल ह्यूस्टन में क्ले कोर्ट पर भी जीत हासिल की थी। इस जीत से शेल्टन विश्व रैंकिंग में अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ छठे स्थान पर पहुंच जाएंगे। अमेरिका के बेन शेल्टन ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के रूप में अपने करियर का तीसरा और सबसे बड़ा खिताब जीता। उन्होंने फाइनल में रूस के 11वीं वरीयता प्राप्त करेन खाचानोव को 6-7 (5), 6-4, 7-6 (3) से हराया। चौथी वरीयता प्राप्त 22 वर्षीय शेल्टन 2003 में एंडी रोडिक के बाद मास्टर्स 1000 हार्ड-कोर्ट प्रतियोगिता जीतने वाले अमेरिका के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। शेल्टन ने 2023 में टोक्यो में हार्ड कोर्ट पर और पिछले साल ह्यूस्टन में क्ले कोर्ट पर भी जीत हासिल की थी। इस जीत से शेल्टन विश्व रैंकिंग में अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ छठे स्थान पर पहुंच जाएंगे। पुरुष युगल के फाइनल में जूलियन कैश और लॉयड ग्लासपूल ने जो सैलिसबरी और नील स्कुप्स्की को 6-3, 6-7 (5), 13-11 से हराया।

एमबोको ने अपना पहला डब्ल्यूटीए टूर खिताब जीता - कनाडा की किशोरी विक्टोरिया एमबोको ने अपना स्वप्निल अभियान जारी रखते हुए फाइनल में नाओमी ओसाका को तीन सेट तक चले मुकाबले में पराजित करके नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीता। इस 18 वर्षीय खिलाड़ी ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन ओसाका को 2-6, 6-4, 6-1 से हराकर अपना पहला डब्ल्यूटीए टूर खिताब जीता। इस जीत से वह विश्व रैंकिंग में 85वें से 25वें स्थान पर पहुंच जाएंगी। विक्टोरिया ओपन युग में यह खिताब जीतने वाली कनाडा की तीसरी खिलाड़ी बन गई हैं। उनसे पहले 1969 में फेय अर्बन और 2019 में बियांका एंड्रीस्कू ने यह उपलब्धि हासिल की थी। इस टूर्नामेंट में वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाली विक्टोरिया को पूरे मैच के दौरान दर्शकों का भरपूर समर्थन मिला। ओसाका ने मैच प्वांइट पर जैसे ही नेट में शॉट मारा विक्टोरिया घुटनों के बल बैठ गई और दर्शक खुशी से झूमने लगे। विक्टोरिया वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाली तीसरी ऐसी खिलाड़ी बन गई हैं जिन्होंने डब्ल्यूटीए 1000 खिताब जीता। उनसे पहले 2011 में सिनसिनाटी में मारिया शारापोवा और 2019 में इंडियन वेल्स में एंड्रीस्कू ने खिताब जीता था।

बॉक्सिंग:

अंडर 19 एशियाई चैंपियनशिप में पांच पदक पक्के, पांच भारतीय मुक्केबाज सेमीफाइनल में

बैंकॉक, एजेंसी। भारत के पांच पुरूष मुक्केबाज भी अंडर 19 एशियाई चैम्पियनशिप में अपने-अपने भारवर्ग के मुकाबले जीतकर सेमीफाइनल में पहुंच गए जिससे उनका पदक पक्का हो गया है। शिवम (55 किलो), मौसम सुहाग (65 किलो), राहुल कुंडू (75 किलो), गौरव (85 किलो) और हेमंत सांगवान (90 किलो) ने अंतिम चार में जगह बनाई। इससे पहले सात महिला मुक्केबाज भी सेमीफाइनल में पहुंच चुकी हैं। अंडर 19 और अंडर 22 एशियाई मुक्केबाजी चैम्पियनशिप साथ में हो रही है। भारत के अंडर 22 वर्ग में भी 13 पदक पक्के हो गए हैं। शिवम ने उजबेकिस्तान के अब्दुलअजीज अब्दुनाजारोव को 5-0 से हराया, जबकि मौसम ने किर्गीस्तान के मुखम्मद अलीमबेकोव को 3-2 से मात दी। राहुल ने दक्षिण कोरिया के ऊंजो जियोंग को हराया जब रैफरी ने मुकाबला रोक दिया। गौरव ने चीनी ताइपै के कुआंग याओ चेंग को मात दी। हेमंत ने उजबेकिस्तान के मुहम्मदरिजो सिद्दीकोव को हराया। कृष हालांकि 90 प्लस वर्ग में ईरान के अब्बास घर्शास्बी से हार गए।

इंडिया अंडर-19 से भिड़ने के लिए

ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 टीम का ऐलान, आर्यन शर्मा और यश देशमुख को मिला मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडिया अंडर-19 के खिलाफ घरेलू सीरीज के लिए शुक्रवार (8 अगस्त) को ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के 15 सदस्यीय स्क्वाड का ऐलान हो गया। अगले महीने होने वाली भिड़ंत के लिए कंगारू टीम में भारतीय मूल के 2 खिलाड़ियों आर्यन शर्मा और यश देशमुख का चयन हुआ है। आर्यन शर्मा जहां विक्टोरिया के बल्लेबाज हैं,वहीं ऑलराउंडर यश देशमुख न्यू साउथ वेल्स के उन पांच खिलाड़ियों में शामिल हैं, जिन्हें टीम में चुना गया है। इस टीम को ऑस्ट्रेलिया के पूर्व मुख्य कोच टिम नीलसन कोचिंग देंगे। इंडिया अंडर-19 और ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के बीच 3 मैचों की यूथ वनडे सीरीज 21 से 26 सितंबर के बीच ब्रिस्बेन में खेली जाएगी। 2 मैचों की यूथ टेस्ट सीरीज 30 सितंबर से 10 अक्टूबर के बीच ब्रिस्बेन और मैके में खेली जाएगी। दौरे के लिए आयुष म्हात्रे की अगुआई वाली इंडिया अंडर-19 टीम का पहले ही ऐलान हो चुका है।

साइमन बज, एलेक्स टर्नर, स्टीव होगन, विल मालजचुक, यश देशमुख, टॉम होगन, आर्यन शर्मा, जॉन जेम्स, हेडन शिलर, चार्ल्स लैचमंड, बेन गॉर्डन, विल बायरोम, केसी बार्टन, एलेक्स ली यंग, जेडन ड्रेपर।

रिजर्व- जेड हॉलिक, टॉम पैडिंगटन, जूलियन ओसबोर्न।

इंडिया अंडर-19 टीम - आयुष म्हात्रे (कप्तान), विहान मल्होत्रा (उपकप्तान), वैभव सूर्यवंशी, वेदांत त्रिवेदी, राहुल कुमार, अभिज्ञान कुंडू (विकेटकीपर), हरवंश सिंह (विकेटकीपर), आर एस अंबरीश, कनिष्क चौहान, नमन पुष्पक, हेनिल पटेल, डी दीपेश, किशन कुमार, अनमोलजीत सिंह, खिलान पटेल, उधव मोहन, अमन चौहान।

पाकिस्तानी क्रिकेटर हैदर अली को होगी उम्र कैद?

गंभीर अपराध के आरोप में इंग्लैंड में गिरफ्तार

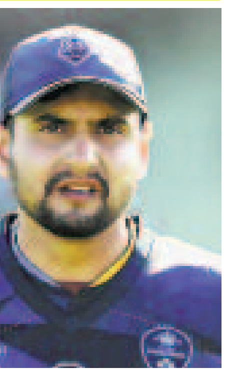

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान की क्रिकेट पर एक और दाग तब लग गया, जब उसके एक खिलाड़ी के इंग्लैंड में गिरफ्तार होने की खबर आई. गिरफ्तार हुए खिलाड़ी हैदर अली हैं. 24 साल के हैदर अली की जिस अपराध में गिरफ्तारी हुई है, अगर वो सही साबित होती है, तो उन्हें उम्र कैद भी हो सकती है. ऐसा इसलिए क्योंकि इंग्लैंड और वेल्स में उस अपराध के लिए कोई जगह नहीं है. उसे वहां गंभीर अपराध माना जाता है. अब आप सोच रहे होंगे कि हैदर अली ने अपराध क्या किया है? ऐसी खबर है कि गिरफ्तार पाकिस्तानी क्रिकेटर पर बलात्कार का आरोप है.

इंग्लैंड में रेप गंभीर अपराध, उम्र कैद भी हो सकती है - इंग्लैंड और वेल्स में बलात्कार एक गंभीर अपराध है. और, इस गंभीर क्राइम के लिए वहां सजा भी कठोर है. बलात्कार के आरोपी पर अगर दोष सिद्ध होता है तो जो सबसे बड़ी सजा वहां के कानून के हिसाब से उसे मिलती दिखेगी वो उम्र कैद की हो सकती है. ऐसे में मामलों में वहां औसतन 15 साल तक की सजा का प्रावधान है.

23 जुलाई की घटना, हैदर अली हुए गिरफ्तार - ग्रेटर मैनचेस्टर पुलिस ने बलात्कार की रिपोर्ट कन्फर्म करते हुए उसमें 24 साल के एक शख्स की गिरफ्तारी की बात कही. पुलिस ने हालांकि अपने बयान में गिरफ्तार हुए हैदर अली का नाम नहीं लिया था. पुलिस ने बताया कि रेप की ये घटना 23 जुलाई 2025 की है, जिसमें गिरफ्तारी हुई. अगली पूछताछ तक हैदर अली को जमानत पर रिहा कर दिया गया है.

● पीसीबी अपने लेवल पर करेगी जांच, हैदर को किया सस्पेंड

हैदर अली पर लगे रेप के आरोप की जांच मैनचेस्टर पुलिस तो कर ही रही है. इधर पीसीबी ने बताया कि वो भी अपने लेवल पर घटना की जांच करेगी. पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने जांच जारी रहने तक हैदर अली को सस्पेंड कर दिया है. वो घटना की कानूनी कार्रवाई में पूरा सहयोग देगी. साथ ही हैदर अली को भी कानूनी मदद दी जाएगी.

● इस ग्राउंड से हुई हैदर अली की गिरफ्तारी

दाएं हाथ के बल्लेबाज हैदर अली कुछ दिनों पहले पाकिस्तान शाहीन टीम के साथ इंग्लैंड दौरे पर थे, जहां वो इंग्लैंड लायंस के खिलाफ मुकाबला खेल रहे थे. ऐसी रिपोर्ट है कि केंट काउंटी के बैकेनहेम ग्राउंड में मैच खेला जा रहा था, जब ग्रेटर मैनचेस्टर पुलिस आई और हैदर अली को उठाकर ले गई थी.

हम सभी को उसका समर्थन करना चाहिए, एशिया कप टीम में इस सीनियर बल्लेबाज को चाहते हैं अकरम

इस्लामाबाद (पाकिस्तान), एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने अगले महीने होने वाले एशिया कप के लिए देश के शीर्ष बल्लेबाज बाबर आजम की टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में वापसी की मांग की है और टीम में एक अनुभवी खिलाड़ी की आवश्यकता पर जोर दिया है। दिसंबर 2024 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आखिरी मैच के बाद से पाकिस्तान ने बाबर को टी20 अंतरराष्ट्रीय प्रारूप से बाहर कर दिया है। उनके औसत दर्जे के स्कोर और निराशाजनक स्ट्राइक रेट के बाद यह स्पष्ट हो गया कि बाबर अब प्रबंधन की योजनाओं में नहीं हैं।

एशिया कप के करीब आने और पाकिस्तान अभी भी इस रोमांचक टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए अपने सर्वश्रेष्ठ संयोजन की तलाश में है, ऐसे में अकरम ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड से बाबर को टीम में फिर से शामिल करने का आग्रह किया है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर उनके पास अधिकार होता, तो वह यह फैसला लेते। अकरम ने एक इंटरव्यू में कहा, अगर मेरे पास अधिकार होता, तो मैं बाबर आजम को राष्ट्रीय टी20 टीम में जरूर शामिल करता। एशिया कप और फिर विश्व कप नजदीक आ रहे हैं, और हमें एक सीनियर बल्लेबाज की जरूरत है। प्रशंसकों को याद होगा कि जब उन्होंने 2019 में समरसेट के लिए खेला था, तब उन्होंने लगभग 150 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए थे। उनमें परिस्थिति के अनुसार अपनी बल्लेबाजी को ढालने की क्षमता है।

पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि स्विंग के सुल्तान ने परिस्थिति के अनुसार अपनी बल्लेबाजी शैली को ढालने की बाबर की क्षमता पर जोर देकर अपनी बात रखी। अकरम का मानना है कि दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक होने के नाते बाबर जिम्मेदारी उठा सकते हैं और बाकी टीम को अपने साथ ले जा सकते हैं। अकरम ने बाबर की वापसी की उम्मीद जताई, क्योंकि उनमें अभी भी बहुत कुछ बाकी है और

विभिन्न पदों पर खेलने की उनकी बहुमुखी प्रतिभा उन्हें मुख्य कोच माइक हेसन के लिए एक अहम खिलाड़ी बनाती है।

उन्होंने कहा, जब हम 140 या 160 रनों के लक्ष्य का पीछा कर रहे होते हैं, खासकर बड़ी टीमों के खिलाफ तो हमें किसी ऐसे खिलाड़ी की जरूरत होती है जो जिम्मेदारी ले सके और बाकी 10 खिलाड़ियों को अपने साथ लेकर चल सके। बाबर दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक है। वह अपने खेल को प्रारूप और मैच की स्थिति के अनुसार ढाल लेता है - उसने पहले भी ऐसा किया है और भविष्य में भी कर सकता है। अकरम ने कहा, बाबर में अभी भी बहुत क्रिकेट बाकी है और वह पाकिस्तान के लिए बहुत कुछ हासिल कर सकता है। हम सभी को उसका समर्थन करना चाहिए। कोच बाबर को अपनी इच्छानुसार किसी भी स्थान पर खिला सकता है। मेरे विचार से तीसरा नंबर उसके लिए आदर्श है, लेकिन यह स्थिति पर निर्भर करेगा। अगर ज्यादा ओवर बचे हैं, तो कोई और भी पहले बल्लेबाजी के लिए उतर सकता है। एशिया कप 9 सितंबर से शुरू होगा और पाकिस्तान अपना अभियान 12 सितंबर को दुबई अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में ओमान के खिलाफ शुरू करेगा।

मैग्नस कार्लसन बने पहले शतरंज ई-स्पोर्ट्स विश्व कप 2025 चैंपियन

रियाद, सऊदी अरब, एजेंसी। विश्व नंबर एक नॉर्वे के ग्रांडमास्टर मैग्नस कार्लसन (टीम लिक्विड) ने ईरान के ग्रांडमास्टर अलीरेज़ा फिरौज़जा (टीम फाल्कन्स) को फाइनल में लगातार दो सेटों में 3-1, 3-1 से हराकर पहले शतरंज ई-स्पोर्ट्स विश्व कप 2025 का खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ कार्लसन ने न केवल इतिहास रच दिया बल्कि 2,50,000 डॉलर की पुरस्कार राशि और अपनी टीम के लिए 1000 अंक भी अर्जित किए। फाइनल मुकाबला टेनिस की तरह तीन सेटों का था, जिसमें प्रत्येक सेट चार बाजियों का था। अगर ज़रूरत पड़ती तो तीसरा सेट दो बाजियों का होता। कार्लसन ने पहला सेट दो जीत और दो ड्रॉ से 3-1 से जीता। दूसरा सेट फिरौज़जा ने एक जीत से शुरू किया, पर अगले तीनों बाजियाँ हारकर मैच भी गँवा दिया। तीसरे स्थान का मुकाबला-अमेरिका के ग्रांडमास्टर हिकारू नाकामुरा (टीम फाल्कन्स) ने भारत के ग्रांडमास्टर अर्जुन एरिगैसी (टीम जेन.जी) को 3.5-2.5 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। अर्जुन ने पहली बाजी में जीत दर्ज की थी, इसके बाद मुकाबला बराबरी पर चलता रहा लेकिन निर्णायक बाजी नाकामुरा ने जीतकर कांस्य पदक पर कब्जा जमाया।

राधिका आप्टे ने माना प्रेग्नेंसी को लेकर बॉलीवुड और हॉलीवुड में बड़ा फर्क

अभिनेत्री राधिका आप्टे हाल ही में नेहा धूपिया के चैट शो फ्रीडम टू फीड में नजर आईं, जहां उन्होंने माना कि प्रेग्नेंट एक्ट्रेस को लेकर अब भी बॉलीवुड दकियानूसी सोच में उलझा हुआ है। उन्होंने अपने प्रेग्नेंसी के उस दौर को याद किया जब उन्हें एक प्रोड्यूसर के अजीब से रवैए का शिकार होना पड़ा था। नेहा धूपिया के चैट शो फ्रीडम टू फीड के दौरान राधिका ने बताया कि प्रेग्नेंसी की घोषणा के बाद उन्हें कई भावनात्मक और शारीरिक चुनौतियों का सामना करना पड़ा था। उन्होंने मां बनने को लेकर समाज में मौजूद पुराने सोच और भेदभाव पर भी बात की। राधिका ने कहा, मैं उस समय जिन भारतीय प्रोड्यूसर के साथ काम कर रही थी, उन्हें मेरी प्रेग्नेंसी की खबर अच्छी नहीं लगी। उन्होंने आगे बताया, उनका बर्ताव मेरे प्रति सख्त हो गया था और उन्होंने मुझसे टाइट कपड़े पहनने की जिद की, जबकि मैं उस समय खुद को बहुत असहज महसूस कर रही थी। मैं अपनी गर्भावस्था के पहले तिमाही में थी, मुझे बार-बार भूख लगती थी, और मैं चावल या पास्ता जैसी चीजें ज्यादा खा रही थी। शरीर में आम बदलाव आ रहे थे, लेकिन उस समय समझदारी दिखाने के बजाय उन्होंने मुझसे बेरूखी से बर्ताव किया। अभिनेत्री ने बताया कि दर्द और मेरे असहज होने के बावजूद प्रोड्यूसर ने सेट पर डॉक्टर से मिलने की अनुमति तक नहीं दी। हालांकि, राधिका उस दौरान अंतर्राष्ट्रीय प्रोजेक्ट पर भी काम कर रही थीं, जिसको लेकर उन्होंने निर्माता की तारीफ करते हुए कहा, हॉलीवुड के एक फिल्म निर्माता ने मेरा बहुत समर्थन किया था। जब मैंने उनसे कहा था कि मैं ज्यादा खा रही हूं और शूटिंग के आखिरी तक मेरा लुक बदल सकता है, तो उन्होंने हंसकर कहा, चिंता मत करो.

अभिनेत्री काजोल कोर्टरूम ड्रामा वेब सीरीज द ट्रायल- प्यार कानून धोखा के साथ फिर से वापसी कर रही हैं, जिसको लेकर उनका कहना है कि 2025 मेरे करियर को लेकर बेहद शानदार रहा है।

करियर के तौर पर 2025 मेरे लिए बेहद शानदार रहा: काजोल

द ट्रायल- प्यार कानून धोखा के मेकर्स ने वीडियो जारी कर इस बात की घोषणा की है कि शो का दूसरा सीजन वापस आ रहा है। वीडियो में दिखाया गया है कि नोयोनीका सेनगुप्ता (काजोल), कानून की दुनिया में अपनी जगह बना चुकी है। सीरीज में अभिनेत्री को नई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। उसे ऐसे फैसले लेने होंगे, जो बहुत मुश्किल और लगभग

असंभव लगते हैं। साथ ही, कहानी में कुछ ऐसे चौंकाने वाले विश्वासघात (धोखे) भी होंगे, जो दर्शकों को हैरान कर देंगे। ये सब मिलकर कहानी को इतना रोमांचक बनाते हैं कि दर्शक अपनी सीट पर बने रहेंगे और उत्सुकता के साथ यह देखेंगे कि आगे क्या होता है।

सीरीज में अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए अभिनेत्री ने बताया, करियर के तौर पर ये साल मेरे लिए बेहद शानदार रहा है। मुझे कई कहानियों और अलग-अलग किरदारों को निभाने का मौका मिला है, लेकिन उन सब में नोयोनीका सेनगुप्ता का किरदार मेरे दिल के बेहद करीब है।

काजोल ने आगे कहा, पहले सीजन में नोयोनीका एक कमजोर और संघर्षशील लड़की थी, जो अपने लिए जगह बनाने की कोशिश कर रही थी।

लेकिन अब, नए सीजन में, नोयोनीका ने कठिन और प्रतिस्पर्धी कानूनी दुनिया में अपनी मजबूत जगह बना ली है। मुझे नोयोनीका के किरदार को फिर से निभाने में बेहद खुशी हो रही है, क्योंकि मुझे नोयोनीका के इस बदलाव और विकास को दिखाने का मौका मिला। मैं इस सीरीज को लेकर काफी उत्साहित हूं, और चाहती हूं कि दर्शक इसको जरूर देखें और अपनी प्रतिक्रिया दें कि हमने क्या बनाया है। द ट्रायल- प्यार कानून धोखा एक भारतीय वेब सीरीज है, जो असल में अमेरिकी टीवी सीरीज द गुड वाइफ पर आधारित है। यह शो भारत के दर्शकों के हिसाब से ढालकर बनाया गया है, लेकिन इसकी मूल कहानी और आइडिया अमेरिका के शो से लिया गया है।

भाषा विवाद पर बोले कुमार सानू

काम की आजादी पर बाधा न बने यह

प्लेबैक सिंगर कुमार सानू ने देश में चल रहे भाषा विवाद पर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि काम के अवसरों के लिए प्रतिभा और अनुकूलन क्षमता भाषा से ज्यादा महत्वपूर्ण है। सानु ने कहा कि देश में हर व्यक्ति को कहीं भी काम करने की आजादी होनी चाहिए, भले ही उनकी भाषा अलग हो। बातचीत में गायक ने भाषा विवाद पर अपने विचार साझा करते हुए कहा कि भाषाई मतभेदों के बावजूद, सभी को देश भर में काम करने की आजादी होनी चाहिए। किसी की सीखने की क्षमता और रुचि अलग-अलग है। मेरा मानना है कि इसकी वजह से काम में बाधा नहीं आनी चाहिए। कुमार सानू ने कहा, मैं भाषा के बारे में ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहता। लेकिन, हर किसी को देश में कहीं भी काम करने का अधिकार है। भाषा सीखना व्यक्ति की क्षमता और रुचि पर निर्भर करता है। काम के अवसरों में बाधा नहीं बनना चाहिए। हाल ही में भाषा और क्षेत्रीय पहचान को लेकर देशभर में विवाद देखने को मिला। सिंगर सोनू निगम बेंगलुरु में अपने कॉन्सर्ट के बाद विवादों में घिर गए। सामने आए वीडियो में वह एक प्रशंसक के कन्नड़ गाना गाने के अनुरोध को अस्वीकार करते दिखे, जिसे उन्होंने गलत बताया। दरअसल, सोनू ने इस घटना की तुलना जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले से की थी, जिसके बाद उनकी आलोचना हुई। कन्नड़ भाषी समुदाय में नाराजगी फैल गई और एक कन्नड़ समर्थक संगठन ने उनके खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई थी, जिसमें उन पर भाषाई मतभेद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया गया।

क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2 में वृंदा के किरदार में दिखेंगी तनीषा मेहता

अभिनेत्री तनीषा मेहता, क्योंकि सास भी कभी बहू थी सीजन 2 में वृंदा का किरदार निभा रही हैं, अभिनेत्री ने शो से जुड़ने और अपनी जिंदगी में तुलसी से जुड़ाव की कहानी सुनाई। अभिनेत्री ने कहा, यह सच में एक सपने को सच करने जैसा लगता है, इतनी प्रसिद्ध टीवी सीरीज में मुख्य किरदार की भूमिका निभाना मेरे लिए सम्मान की बात है। मैं यह शो देखकर बड़ी हुई हूं, जो लोग आपकी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन जाते हैं वो खास यादें बन जाते हैं। अब इस कहानी का हिस्सा बनना मेरे लिए एक खास है। उन्होंने आगे कहा, मैं अपने किरदार को बखूबी से निभाने के लिए पूरी ताकत लगा रही हूं। मुझे बस दर्शकों से यही उम्मीद है कि वह मुझे भी उतना ही प्यार दें, जितना उन्होंने हमेशा से इस शो को दिया है। जब मैं इसके बारे में सोचती हूं, तो मेरी रूह कांप जाती है। मैं इस मौके के लिए एकता कपूर मैम की आभारी हूं। तुलसी के पौधे के बारे में बात करते हुए तनीषा ने कहा, तुलसी एक ऐसा पौधा है जिसका हमारे यहां बहुत गहरा सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व है। माना जाता है कि यह घर को बुरी नजर और नकारात्मकता से बचाती है। साथ ही घर में खुशियां और शांति लाती है। तुलसी भक्ति का प्रतीक है और हमें हमारे आध्यात्मिक मूल्यों और परंपराओं की याद दिलाती है। उन्होंने आगे कहा, और यह उन पौधों में से एक है जिसे मैंने अपने घर में लगाया जब मैं वहां रहने आई। अभिनेत्री ने बताया कि वह अब बहुत धार्मिक हो गई हैं। उन्होंने कहा, बहुत लोगों को ये नहीं पता, लेकिन कई सालों से मैं धर्मपरायण बन गई हूं। मैं इस बारे में ज्यादा बात नहीं करती, लेकिन मेरे अपने विश्वास और तरीके हैं। अपने मॉर्निंग रूटीन के बारे में अभिनेत्री ने बताया, मैं बहुत समय से ये रूटीन फॉलो कर रही हूं। हर सोमवार सुबह, मैं अपने बिल्डिंग के ठीक नीचे वाले मंदिर जाती हूं। वहां मैं महादेव का अभिषेक करती हूं। हर सुबह मैं सूर्य देवता को जल (पानी) अर्पित करती हूं, और साथ ही तुलसी के पौधे को भी।

जनता के सुपरस्टार रवि किशन, जो कभी नहीं भूलते

अपनी जड़ों को जहाँ शोहरत अक्सर सितारों और आम आदमी के बीच दीवारें खड़ी कर देती है, ऐसी दुनिया में रहकर भी रवि किशन एक मिसाल बने हुए हैं। फिलहाल अपने दमदार अभिनय और जबरदस्त स्क्रीन प्रेजेंस के लिए पहचाने जाने वाले रवि किशन ने बतौर राजनीतिज्ञ, एक बार फिर से अपने ज़मीन से जुड़े होने का प्रमाण दिया है।

जी हाँ, हाल ही में हुई एक प्रेरणादायक घटना के अनुसार रोजगार की तलाश में एक शख्स जैसे ही रवि किशन के पास पहुंचा, रवि किशन ने अपनी दरियादिली और सादगी से उसका दिल जीत लिया। दरअसल हुआ यह कि लंबे समय से रोजगार की तलाश में हताश और निराश एक शख्स ने जैसे ही मदद की तलाश में रवि किशन के सामने अपनी परेशानी बयान की, रवि किशन ने बिना कुछ सोचे अपने भरोसेमंद नेटवर्क से किसी को कॉल कर उसकी समस्या का समाधान मिनटों में कर दिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उस एक कॉल ने उस शख्स की ज़िंदगी बदल दी और उसे नौकरी मिल गई। हालांकि रवि किशन इसे अपनी तरफ से एक छोटी मदद मानते हैं, लेकिन इस एक मदद ने उस व्यक्ति के जीवन को एक नई दिशा दे दी। गौरतलब है कि ग्लैमर की दुनिया में दशकों बिताने के बावजूद उनकी विनम्रता आज भी लोगों के दिलों को छू जाती है। संसद में जनता की आवाज़ बनकर खड़े होना हो या पर्दे के पीछे चुपचाप किसी ज़रूरतमंद की मदद करनी हो, रवि किशन हमेशा लोगों के दिलों पर राज करते हैं। उन्होंने हमेशा यह बात साबित की है कि वे सिर्फ एक अभिनेता नहीं, बल्कि उम्मीद की एक किरण हैं, जनता की आवाज़ हैं, और सिर्फ फिल्मों में ही नहीं, बल्कि असल ज़िंदगी की कहानियों में भी हीरो हैं।

अकांक्षा पुरी का म्यूजिक वीडियो 'एक आसमान था' रिलीज

अभिनेत्री अकांक्षा पुरी का नया म्यूजिक वीडियो 'एक आसमान था' गुरुवार को रिलीज हो चुका है। पुरी के मुताबिक इसका रफ वर्जन सुनकर उनके रोंगटे खड़े हो गए थे। म्यूजिक वीडियो में अकांक्षा के साथ को-स्टार सनम जौहर हैं। वीडियो में थीम को शानदार अंदाज में पेश किया गया है। अकांक्षा ने कहा, शुरुआत में मुझे थोड़ा डर था, क्योंकि मैं सनम से पहले कभी नहीं मिली थी। लेकिन, वह इतने सहज एक्टर हैं कि हमारी केमिस्ट्री तुरंत बन गई। लोग शायद यकीन न करें कि हम पहली बार शूटिंग के दौरान मिले! सनम अपनी डांसिंग स्किल्स के लिए जाने जाते हैं, लेकिन इस वीडियो में डांस से ज्यादा भावनात्मक तालमेल की जरूरत थी। अकांक्षा ने बताया, यह गाना कोरियोग्राफी के बारे में नहीं, बल्कि भावनाओं को जोड़ने का था। हमारी केमिस्ट्री स्वाभाविक रूप से बन गई। अकांक्षा पहले भी इस प्रोडक्शन टीम के साथ 'बरसातें अच्छी लगती हैं' गाने में काम कर चुकी हैं। उनका अनुभव शानदार रहा। जब टीम ने उन्हें इस गाने के लिए संपर्क किया, तो वह तुरंत इससे जुड़ गईं। उन्होंने कहा, म्यूजिक वीडियो आपको अपनी स्टाइल और अभिनय की सीमाओं को आजमाने का मौका देते हैं।

फिल्म लेट्स प्ले गेम में नीता का किरदार चुनौती और सुनहरा अवसर: युक्ति कपूर

अभिनेत्री युक्ति कपूर ने अपनी आगामी फिल्म लेट्स प्ले गेम में अपने किरदार को लेकर बात की है। उन्होंने बताया कि उनके किरदार नीता की भावनात्मक दोहरी प्रकृति (एक ही समय में दो अलग-अलग प्रवृत्तियों के लोग) ने उन्हें इस भूमिका की ओर आकर्षित किया। अभिनेत्री ने बताया कि इस किरदार को निभाना उनके लिए बतौर कलाकार एक बड़ी चुनौती थी, साथ ही एक सुनहरा मौका भी था, क्योंकि इस रोल में उन्हें कई तरह की भावनाओं को एक साथ जीने का मौका मिला। युक्ति ने नीता के किरदार को लेकर कहा, नीता एक बहुत ही शांत स्वभाव की महिला है, जो बाहर से बहुत शालीन और नियंत्रित दिखाई देती है, लेकिन उसके अंदर बहुत कुछ चल रहा होता है।

अपने दर्द को बखूबी छुपा लेती है

वह खुद को दुनिया के सामने मजबूत और सहज दिखाती है। वह अपने दर्द को बखूबी छुपा लेती है, और यही उसकी ताकत है। मुझे इस किरदार की भावनात्मक दोहरी प्रकृति ने आकर्षित किया, वह एक साथ कमजोर और शक्तिशाली है। फिल्म में ताश के खेल से जुड़े दृश्यों की तैयारी के बारे में युक्ति ने बताया, सेट पर ताश खेलना मुझे मेरे परिवार के साथ दिवाली की रातों की याद दिलाता था। बचपन में हम सभी बिना किसी गंभीरता के ताश खेलते थे, लेकिन इस किरदार के लिए मुझे खेल को गहराई से समझना पड़ा। उन्होंने आगे कहा, शूटिंग के दौरान ब्रेक में हम सब साथ में ताश खेलते थे। यह हमारी कास्ट के लिए एक बंधन का जरिया बन गया। इसने हमारी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री को भी बेहतर बनाया।

मेरी मिमिक्री नहीं कर पाएंगे, क्योंकि मैं खुद को दोहराता नहीं हूं

आशुतोष राणा, जो कुछ समय से स्क्रीन से दूर थे, अब कई फिल्मों में दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने छावा, लवयापा और कौशल जी वर्सेस कौशल जैसी फिल्मों की हैट्रिक लगाई है और जल्द ही हीर एक्सप्रेस और वॉर 2 में दिखेंगे। उन्होंने कहा- आप मेरी मिमिक्री नहीं कर पाएंगे, क्योंकि मेरा पूरा प्रयास ही यह रहा है कि खुद को रिपीट ना करूं।

आशुतोष राणा कमबैक पर बोले

इंडस्ट्री के बेहतरीन कलाकारों में शुमार आशुतोष राणा लंबे समय तक स्क्रीन से दूर थे, लेकिन अब वह बैक टू बैक फिल्में कर रहे हैं। आलम यह है कि इस साल वह छावा, लवयापा और कौशल जी वर्सेस कौशल के साथ फिल्मों की हैट्रिक लगा चुके हैं। वहीं, जल्द ही फिल्म हीर एक्सप्रेस और वॉर 2 में नजर आने वाले हैं। इसके अलावा, उनके नाटक मेरे राम का मंचन भी लगातार जारी है। ऐसे में, जब हमने आशुतोष राणा से ब्रेक के बाद बढ़ी इस सक्रियता की वजह जाननी चाही तो उन्होंने बताया, हमने पहले एक बहुत लंबा विराम लिया था।

फिर 2020 में जब मेरे स्प्रिचुअल गुरु पंडित श्री देव प्रभाकर शास्त्री (दद्दा जी) जी का देहावसान हुआ तो मेरे पास कोई काम ही नहीं बचा, क्योंकि मेरा पूरा जीवन उनके इर्द गिर्द ही घूमता था। उन्होंने कहा, तब मेरे मन में यह विचार आया कि उनकी कृपा से मुझे जिस काम के लिए भेजा गया है, मैं उस काम को पूरे मनोयोग से, इसलिए मैं फिर ऐक्टिंग में सक्रिय हो गया और इसलिए आपने मुझे छावा में ऐतिहासिक जॉनर में देखा, फिर लवयापा में रॉमकॉम, कौशल जी वर्सेज कौशल जैसा सोशल ड्रामा भी आया, अब हीर एक्सप्रेस जैसी फैमिली ड्रामा आ रही है। इसके अलावा, थिएटर में माइथोलॉजिकल नाटक कर रहा हूं, तो जितने भी विभाग हो सकते हैं, उसमें अपने को अभिव्यक्त करने का प्रयास कर रहा हूं।

अदाकार नहीं, कलाकार हूं मैं

अपनी फिल्मों में आशुतोष राणा हीरो-हीरोइन के पिता या सेना के अधिकारी की भूमिकाओं में ज्यादा नजर आ रहे हैं। वह इससे कितने संतुष्ट हैं? इस सवाल पर वह कहते हैं, इन भूमिकाओं में दोहराव नहीं है। आप मेरा पूरा करियर उठाकर देखिए, जैसे जब मैंने नेगेटिव रोल भी किया है तो दुश्मन का रोल संघर्ष में रिपीट नहीं हुआ है। हमने फिर कभी रेपिस्ट का रोल नहीं किया। फिर संघर्ष के कुर्बानी में यकीन करने वाले शख्स का रोल दोबारा नहीं किया। फिर शबनम मौसी में हम वैसे नहीं थे। ऐसे ही, सोनचिड़िया का विरेंद्र सिंह गुज्जर, मुल्क का संतोष आनंद, सिंबा का नित्यानंद मोहिले सब एक-दूसरे से बिल्कुल अलग हैं।

आप मेरी मिमिक्री नहीं कर पाएंगे

आशुतोष राणा ने कहा– आप मेरी मिमिक्री नहीं कर पाएंगे, क्योंकि मेरा पूरा प्रयास ही यह रहा है कि खुद को रिपीट ना करूं। एक होता है कलाकार, एक होता है अदाकार। चुनाव आपको करना होता है कि आप कलाकार बनना चाहते हैं या अदाकार। अदाकार को अपनी स्टाइल रिपीट करनी होती है, उसमें स्टार होने के चांसेस ज्यादा हैं। आप सुपरस्टार बन सकते हैं, क्योंकि गली–मोहल्लों में लोग आपकी स्टाइल की नकल करके, आपकी मिमिक्री करके आपको बरकरार रखते हैं। कलाकार के लिए वो गुंजाइश नहीं होती है। उसमें आपको स्टारडम मिले, यह जरूरी नहीं है।